@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
वीरवार, 19 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 39 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कांग्रेस गुटबाजी का शिकार : सीएम नायब सैनी

भिवानी (हरियाणा), 18 दिसंबर। भिवानी में बुधवार को शादी समारोह में शिरकत करने के लिए मुख्यमंत्री नायब भिवानी पहुंचे। शादी समारोह में शिरकत के बाद प्रैस वार्ता में मुख्यमंत्री ने वन नेशन-वन इलेक्शन बिल पास होने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन इलेक्शन से देश का समय व खर्च बचेगा। वन नेशन-वन इलेक्शन बिल पास होने से पंचायत, नगर पालिका, विधानसभा व लोकसभा चुनाव में लोगों को नहीं उलझना पड़ेगा। इससे देश का समय बचेगा व विकास कार्यों को भी गति मिलेगी। किसान के रेल रोको आंदोलन पर मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार को किसानों से बात कर उनकी समस्या का हल निकालना चाहिए। कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल, कर्नाटक व तेलंगाना की सरकारों को न्यूनतम समर्थन मूल्य किसानों को देना चाहिए। हरियाणा सरकार किसानों के हित में कार्य कर रही है।एमएसपी व भावांतर भरपाई जैसी योजनाओं का किसानों लाभ मिल रहा है। हरियाणा में सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही है। कांग्रेस नेताओं पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि यदि कांग्रेस अपने कार्यकाल में लोगों के कार्य करती तो लोग उनका चुनाव में साथ देते। कांग्रेस नेता विरेंद्र सिंह द्वारा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान का इस्तीफा मांगें मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस गुटबाजी का शिकार है। उन्होंने उदयभान का इस्तीफा मांग कर अच्छा कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकार नशे के विरुद्ध कार्य कर रही है। नशा मुक्ति केंद्रों का समय-समय पर निरीक्षण किया जा रहा है। नशे के खिलाफ सरकार द्वारा मुहिम चलाई जा रही है। मां-बाप को भी बच्चों को गलत रास्ते पर जाने से रोकना चाहिए। योजनाओं से युवाओं को सशक्त किया जा रहा है।

60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों का इलाज मुफ्त होगा: अरविंद केजरीवाल

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक बड़ा एलान किया। अरविंद केजरीवाल बुजुर्गों के लिए संजीवनी योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों का इलाज मुफ्त होगा। अरविंद केजरीवाल ने योजना की घोषणा करते हुए कहा कि दिल्ली वालों के लिए संजीवनी लेकर आया हूं। दिल्ली में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज मिलेगा। इलाज का सारा खर्च दिल्ली सरकार उठाएगी। ये केजरीवाल की गारंटी है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता घर-घर जाकर रजिस्ट्रेशन करेंगे। दिल्ली के पूर्व सीएम ने कहा कि सरकारी या प्राइवेट अस्पतालों में फ्री इलाज होगा। कोई अपर लिमिट नहीं होगी। कोई एपीएल, बीपीएल कार्ड नहीं चाहिए। इसका रजिस्ट्रेशन दो-तीन दिन में शुरू हो जाएगा। हमारे कार्यकर्ता आपके घर में आएंगे, आपको एक कार्ड देंगे, उसे संभालकर रखना। चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी की सरकार बनने पर योजना बनाएगी और लागू करेगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा, 60 वर्ष

से अधिक उम्र के बुजुर्गों को संजीवनी योजना के तहत निजी और सरकारी दोनों अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिलेगा। इलाज की लागत की कोई ऊपरी सीमा नहीं होगी। इसके लिए रजिस्ट्रेशन एक-दो दिन में शुरू हो जाएगा। आप कार्यकर्ता रजिस्ट्रेशन के लिए आपके घर आएंगे। वे आपको एक कार्ड देंगे, जिसे आप सुरक्षित रखिएगा। चुनाव के बाद जब हम सत्ता में आएंगे तो यह नीति लागू की जाएगी। इससे पहले अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं के लिए महिला सम्मान योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने सरकार एक हजार रुपये भेजेगी। वहीं, केजरीवाल ने चुनाव के बाद महिलाओं को एक हजार की जगह 2100 रुपये देने की भी बात कही। केजरीवाल का दावा है कि दोबारा आप की सरकार बनने पर यह राशि 2100 रुपये कर दी जाएगी। अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, हर महिला के अकाउंट हर महीने कुछ पैसे डलवाने का वादा बीते मार्च में किया था। 18 वर्ष से अधिक उम्र की हर महिला को योजना का लाभ मिलेगा। इसके लिए महिलाओं को रजिस्ट्रेशन करना होगा। जो महिलाएं रजिस्ट्रेशन करेंगी उनके अकाउंट में हर महीने पैसे आने शुरू हो जाएंगे।

यह तानाशाही की शुरुआत, एक देश एक चुनाव विधेयक: प्रकाश आंबेडकर

मुंबई, 18 दिसंबर। देश भर में एक देश एक चुनाव के मुद्दे को लेकर सियासी गर्माहट सातवें आसमान पर है। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जुबानी तकरार भी बड़े पैमाने पर देखने को मिल रही है। इसी बीच बुधवार को प्रस्तावित एक देश एक चुनाव के बारे में वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर ने चिंता जताते हुए इसे तानाशाह की शुरुआत करार दिया। उन्होंने कहा कि यदि यह विधेयक पास हो गया, तो यह भारत में राजनीतिक दलों के खत्म होने की शुरुआत हो सकती है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए आंबेडकर ने कहा कि अगर यह विधेयक पारित होता है, तो इस देश का भविष्य खतरे में होगा। राजनीतिक दलों का अंत शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही विपक्ष के इस आरोप पर कि यह विधेयक संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाएगा, आंबेडकर ने कहा संघीय ढांचा पहले ही खत्म हो चुका है। जीएसटी के कारण राज्य अब केंद्र पर आर्थिक रूप से निर्भर हैं और उनकी अर्थव्यवस्थाएं खत्म हो गई हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में प्रकाश आंबेडकर ने एक देश एक चुनाव के विधेयक को तानाशाह की शुरुवआत बताते हुए कहा कि यह तानाशाही की शुरुआत है। कांग्रेस को स्पष्ट रुख अपनाना होगा, उसे ढुलमुल नहीं होना चाहिए। बता दें कि इससे पहले, संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 को मतदान के बाद लोकसभा में पेश किया गया। विधेयक के पक्ष में 269 और विपक्ष में 196 वोट पड़े। इसके बाद कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इन विधेयकों को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजने की सहमति दी। इसके अलावा, मेघवाल ने दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों को एक राष्ट्र, एक चुनाव के ढांचे के साथ जोड़ने के लिए अन्य विधेयकों में संशोधन पेश किए।

कांग्रेस खुद संविधान, आंबेडकर विरोधी: अमित शाह

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान डॉ. बीआर आंबेडकर को लेकर दिए बयान पर सियासत गरमा गई है। विपक्ष लगातार शाह से इस्तीफा मांग रहा है। अब गृह मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि दोनों सदनों में संविधान की गौरव गाथा पर चर्चा होनी थी। संसद में जब चर्चा होती है तो एक बात कॉमन होती है कि तथ्यों पर बात होनी चाहिए। मगर कांग्रेस कल से तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। यह निंदनीय है। उन्होंने शुरुआत में कहा, विगत सप्ताह में संसद में लोकसभा और राज्यसभा में संविधान को स्वीकार किए हुए 75 साल के मौके पर संविधान की रचना, संविधान निर्माताओं के योगदान और संविधान में प्रस्थापित किए गए आदर्शों पर एक गौरवमयी चर्चा का आयोजन हुआ। इस चर्चा में 75 साल की देश की गौरव यात्रा, विकास यात्रा और उपलब्धियों की भी चर्चा होनी थी। ये तो स्वाभाविक है कि जब लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष होते हैं, तो हर मुद्दे पर लोगों का, दलों का और वक्ताओं का नजरिया अलग-अलग होता है। मगर संसद जैसे देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक फोरम में जब चर्चा होती है, तब इसमें एक बात कॉमन होती है कि बात तथ्य और सत्य के आधार पर होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कल से कांग्रेस ने जिस प्रकार तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर रखने का प्रयास किया है वो निंदनीय है। मैं इसकी निंदा करना चाहता हूं। ये इसलिए हुआ क्योंकि भाजपा के वक्ताओं ने संविधान पर, संविधान की रचना के मूल्यों पर और जब-जब कांग्रेस या भाजपा का शासन रहा, तब शासन ने संविधान के मूल्यों का किस तरह से मूल्यांकन, संरक्षण और संवर्धन किया, इस पर तथ्यों और अनेक उदाहरण के साथ भाजपा के वक्ताओं ने विषय रखे। उन्होंने कहा, इससे तय हो गया कि कांग्रेस आंबेडकर जी की विरोधी पार्टी है, कांग्रेस आरक्षण विरोधी और संविधान विरोधी पार्टी है। कांग्रेस ने सावरकर जी का भी अपमान किया, कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान के सारे मूल्यों की धज्जियां उड़ा दी, नारी सम्मान को भी वर्षों तक दरकिनार किया, न्यायपालिका का हमेशा अपमान किया, सेना के शहीदों का अपमान किया और भारत की भूमि तक को संविधान तोड़कर दूसरे देशों को देने की हिमाकत कांग्रेस के शासन में हुई। अमित शाह ने कहा, जब संसद में चर्चा चल रही थी, तो यह साबित हो गया कि कांग्रेस ने किस तरह बाबा साहेब आंबेडकर का विरोध किया। किस तरह कांग्रेस ने बाबा साहेब की मृत्यु के बाद भी उनका

मजाक उड़ाने की कोशिश की... जहां तक भारत रत्न देने की बात है, कांग्रेस के नेताओं ने कई बार खुद को भारत रत्न दिया है। नेहरू जी ने 1955 में खुद को भारत रत्न दिया, इंदिरा गांधी ने 1971 में खुद को भारत रत्न दिया और बाबा साहेब को 1990 में भारत रत्न मिला, जब कांग्रेस पार्टी सत्ता में नहीं थी और भारतीय जनता पार्टी द्वारा समर्थित सरकार थी... आंबेडकर के प्रति नेहरू की नफरत जगजाहिर है। उन्होंने कहा, एक सर्वदलीय मंत्रिमंडल पहली देश की कैबिनेट बनी जिसमें बाबा साहेब आंबेडकर भी सदस्य थे, नेहरू जी प्रधानमंत्री थे। नेहरू जी की किताब सेलेक्टेड वर्क्स ऑफ जवाहरलाल नेहरू में एक और उल्लेख आता है। नेहरू जी के आश्वासन के बावजूद भीम राव आंबेडकर को कोई महत्वपूर्ण विभाग नहीं दिया गया... एक ओर कांग्रेस पार्टी है। जब तक कांग्रेस सत्ता में रही बाबा साहेब आंबेडकर का कोई स्मारक नहीं बना। जहां-जहां विपक्ष की सरकारें आती गई, स्मारक बनते गए। भाजपा की सरकारों ने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बाबा साहेब के जीवन से संबंधित पंचतीर्थ का विकास किया, मध्य प्रदेश में महू, लंदन में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर स्मारक, नागपुर में दीक्षाभूमि, दिल्ली में राष्ट्रीय स्मारक और महाराष्ट्र के मुंबई में चैत्रभूमि का विकास करने का काम भाजपा की सरकारों ने किया। 19 नवंबर 2015 को पीएम मोदी ने आंबेडकर जी के सम्मान में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया।

खोदाई के नाम पर भाईचारे को खत्म कर रही भाजपा सरकार: अखिलेश यादव

सहारनपुर, 18 दिसंबर। उत्तर प्रदेश में मस्जिदों में खोदाई के सवाल पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि खोदने से भाईचारा खत्म हो रहा है। भाजपा सरकार जान बूझकर ऐसा कर रही है। अखिलेश यादव हवाई जहाज से लखनऊ से सरसवा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से बाय रोड अंबाला रोड स्थित एक बैंक्केट हॉल में आयोजित शादी समरोह में शामिल हुए। यहां करीब 25 मिनट ठहरने के बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात की। इसके बाद वह पूर्व विधायक विरेंद्र ठाकुर के जैन कॉलेज रोड स्थित निवास पर पहुंचे, जहां करीब 20 मिनट तक रुके। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने

सभी मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी। मस्जिदों में खोदाई के सवाल पर उन्होंने भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने भाजपा सरकार और नेताओं पर संविधान को नहीं मानने का आरोप लगाया। कहा कि बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर देश के मजलूमों, दलितों, पिछड़ों और गरीबों के भगवान हैं, जिनको घर-घर में पूजा जाता है। उन्होंने संविधान के जरिए सभी को सम्मान और हक के साथ जीने का अधिकार दिया है। लेकिन भाजपा सरकार संविधान को नहीं मानती है। यही वजह है कि वह संवैधानिक तरीके से चलने वाली लोक सभा और विधान सभाओं में सवालों के जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने से पहले भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने, प्रत्येक वर्ष दो करोड़ नौजवानों को नौकरी देने और महंगाई कम करने का वादा किया था, लेकिन सरकार बनाने के बाद भाजपा किसी भी मामले में जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है।

पश्चिमी यूपी में हाथी से बिछड़ रहे साथी: मायावती

कौमी संवाददाता

मुरादाबाद, 18 दिसंबर। 2007 में बहुमत के साथ प्रदेश की सत्ता पर काबिज होने वाली बसपा पश्चिमी यूपी में कमजोर पड़ने लगी है। हाथी के साथी लगातार बिछड़ते जा रहे हैं। 2012 से अब तक वेस्ट यूपी के 15 से अधिक बसपाई पार्टी से दूर हो चुके हैं। इसमें हालिया नाम नगीना के पूर्व सांसद गिरीश चंद्र का जुड़ गया है। वहीं बसपा की कमजोरी आसपा को ऑक्सीजन दे रही है। पार्टी का जनाधार बढ़ रहा है। 2012 के विधानसभा चुनाव में बसपा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। इसके बाद पार्टी का गिरता जनाधार उठ न सका। 2012 से 2024 तक तीन बार विधानसभा और तीन बार लोकसभा के चुनाव हुए। मुरादाबाद मंडल में बसपा तीनों विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत सकी। 2019 के लोकसभा चुनाव सपा से गठबंधन के सहारे पार्टी मुरादाबाद मंडल की तीन सीटें जीतने में

कामयाब रही। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में अकेले उतरी बसपा 2019 की सफलता को नहीं दोहरा पाई। वहीं बसपा के गिरते जनाधार के बीच हाथी के साथियों के बिछड़ने का सिलसिला शुरू हो गया, जो अभी भी जारी है। कभी पश्चिमी यूपी में पार्टी का चेहरा रहे 15 से अधिक पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री और पदाधिकारी अब बसपा में नहीं हैं। कुछ को बसपा प्रमुख मायावती ने अनुशासनहीनता का हवाला देकर पार्टी से निकाल दिया तो कुछ ने खुद ही बसपा से किनारा कर लिया। इसमें पूर्व सांसद वीर सिंह, पूर्व मंत्री अकीलुर्रहमान, पूर्व सांसद दानिश अली प्रमुख नाम रहे। सोमवार को इस सूची में नगीना से 2019 में पार्टी के टिकट पर सांसद चुने गए गिरीश चंद्र का भी नाम शामिल हो गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उन्हें अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया। एक ओर जहां बसपा का लगातार जनाधार गिर रहा है। वहीं आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) का जनाधार बढ़ रहा है। पार्टी के मुखिया चंद्रशेखर आजाद नगीना से पहली बार सांसद चुने गए। आसपा ने यूपी के उपचुनाव में बसपा से बेहतर प्रदर्शन किया। पार्टी कुछ सीटों पर बसपा से आगे रही। बसपा के गिरते जनाधार का इस बात से भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि पिछले तीन विधानसभा चुनाव में मुरादाबाद मंडल में पार्टी का स्कोर जीरो रहा। पार्टी मंडल में एक भी सीट नहीं जीत सकी। मंडल की 27 विधानसभा सीटों में से अधिकांश पर बसपा लड़ाई से बाहर ही रही। कुंदरकी उपचुनाव में आसपा तीसरे नंबर पर रही थी। जबकि बसपा पांचवें स्थान पर पहुंच गई थी। आसपा के प्रत्याशी चांदबाबू को 14201 वोट मिले थे। बसपा उम्मीदवार रफतउल्लाह को सिर्फ 1099 मत ही हासिल हुए। चौथे नंबर पर एआईएमआईएम रही। एआईएमआईएम को बसपा से अधिक 8111 वोट मिले थे।

सुझाव और मांग के लिए कोर्ट के दरवाजे हमेशा खुले: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को लेकर पंजाब सरकार को चेताया। साथ ही कोर्ट ने कहा कि अगर जगजीत सिंह डल्लेवाल के साथ कुछ भी अनहोनी हुई तो इसके लिए पंजाब सरकार जिम्मेदार होगी। बता दें कि किसान नेता डल्लेवाल 23 दिनों से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे हुए हैं। इसको लेकर कोर्ट ने बुधवार को कहा कि हम साफ करना चाहते हैं कि अदालत के दरवाजे किसानों या उनके प्रतिनिधियों द्वारा किसी भी मांग या सुझाव के लिए हमेशा खुले हैं। साथ ही कोर्ट ने दल्लेवाल के स्वास्थ्य पर भी संज्ञान लिया और पंजाब सरकार से जल्द से जल्द चिकित्सा सहायता देने को कहा। पंजाब सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और अन्य किसानों से कई बार बातचीत की गई, लेकिन उन्होंने उच्चस्तरीय समिति से मिलने से इंकार कर दिया। पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ को बताया कि समिति ने 17 दिसंबर को किसानों को बैठक में बुलाया था, लेकिन वे इसमें शामिल नहीं हुए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को रोजाना समझाने की कोशिश कर रही है और सुझाव दिया कि उन्हें अपनी मांगें सीधे अदालत में रखने का मौका दिया जा सकता है।

भाजपा की जातिवादी, दलित विरोधी मानसिकता उजागर: ममता और उद्धव

सौरभ शर्मा

मुंबई, 18 दिसंबर। संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की तरफ से संविधान के गौरवशाली 75 वर्ष पर चर्चा के दौरान आंबेडकर को लेकर की गई टिप्पणी के बाद तमाम विपक्षी दल भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। इसमें नया नाम पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का जुड़ा है। जिन्होंने दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से राज्यसभा में बीआर आंबेडकर के बारे में की गई टिप्पणी भाजपा की जातिवादी और दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाती है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने उनकी टिप्पणी को अपमानजनक बताते हुए दावा किया कि यह उन लाखों लोगों का अपमान है जो मार्गदर्शन और प्रेरणा के लिए अंबेडकर की ओर देखते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया जिसमें उन्होंने लिखा- मुखौटा उतर गया है! जब संसद संविधान के 75 गौरवशाली वर्षों पर विचार कर रही है, गृह मंत्री अमित शाह ने इस अवसर को डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करके कलंकित करने का विकल्प चुना, वह भी लोकतंत्र के मंदिर में। वहीं टीएमसी ने एक्स पर पोस्ट किया, ऐसे समय में जब संसद भारतीय

संविधान के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रही है, गृह मंत्री अमित शाह ने अपने राज्यसभा भाषण में बाबासाहेब आंबेडकर का अपमान करने की हिम्मत दिखाई। इसमें आरोप लगाया गया, इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह जुबान की फिसलन नहीं थी; यह दलित समुदाय के प्रति भाजपा की गहरी अवमानना में निहित एक जानबूझकर किया गया, घिनौना हमला था। यह उस पार्टी का असली चेहरा है जो जाति वर्चस्व, सामाजिक विभाजन और घृणा पर पनपती है। टीएमसी ने संसद में अमित शाह से बिना शर्त माफ़ी मांगने की मांग की। इधर शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को दावा किया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर पर टिप्पणी भाजपा के अहंकार को दर्शाती है और उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने भाजपा पर छत्रपति शिवाजी महाराज और डॉ. आंबेडकर सहित महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा और आरएसएस के समर्थन के बिना शाह डॉ. आंबेडकर के बारे में टिप्पणी करने की हिम्मत नहीं कर सकते थे। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया, डॉ. आंबेडकर पर अमित शाह की टिप्पणी पार्टी (भाजपा) के अहंकार को दर्शाती है और इसने उसका असली चेहरा उजागर कर दिया है। उद्धव ठाकरे ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डॉ. आंबेडकर पर टिप्पणी के लिए अमित शाह के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

दिल्ली दंगा मामला: चार साल बाद उमर खालिद को मिली अंतरिम जमानत

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 18 दिसंबर। कड़कड़डूमा कोर्ट ने बुधवार को जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद को यूएपीए मामले में अंतरिम जमानत दे दी, जिसमें 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से संबंधित एक बड़ी साजिश का आरोप लगाया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने परिवार में एक शादी में शामिल होने के लिए खालिद को 7 दिनों की अंतरिम जमानत दी। अंतरिम जमानत की शर्तें हैं कि खालिद मामले से जुड़े किसी भी गवाह और किसी भी व्यक्ति से संपर्क नहीं करेगा। कोर्ट ने खालिद को अंतरिम जमानत अवधि के दौरान सोशल मीडिया का इस्तेमाल नहीं करने का भी निर्देश दिया है। साथ ही, वह केवल अपने परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और दोस्तों से ही मिलेंगे, वह अपने घर या उन जगहों पर रहेंगे जहां शादी की रस्में होंगी और खालिद को 3 जनवरी 2025 की शाम को संबंधित जेल अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण करना होगा। खालिद को अक्तूबर 2022 में उच्च न्यायालय ने जमानत देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, लेकिन बाद में अपनी एसएलपी वापस ले ली। उन्होंने ट्रायल कोर्ट में दूसरी नियमित जमानत याचिका दायर की, जिसे इस साल की शुरुआत में खारिज कर दिया गया। लगभग तीन दशक

पहले उमर खालिद का परिवार महाराष्ट्र के अमरावती के तालेगांव से दिल्ली आकर बस गया था। उमर परिवार के साथ दिल्ली के जाकिरनगर में रहते हैं। हालांकि किसी ने उन्हें यहां शायद ही कभी देखा होगा। ऐसा बताया जाता है उनके पिता सैयद कासिम रसूल इलियास दिल्ली में ही ऊर्दू की मैगजिन 'अफकार-ए-मिल्ली' चलाते हैं। खालिद जेएनयू के स्कूल ऑफ सोशल साइंस से इतिहास में पीएचडी कर रहे हैं। यहीं से वह इतिहास में एमए और एमफिल कर चुके हैं। खालिद जिस डीएसयू संगठन से जुड़े हैं, उसे सीपीआई माओवादी समर्थित छात्र संगठन माना जाता है। 9 फरवरी को देश विरोधी नारे लगाने का आरोप लगने के बाद उमर खालिद अचानक गायब हो गए थे। उन्हें पकड़ने के लिए दिल्ली पुलिस ने कई जगहों पर छापेमारी की थी। जिसके बाद खबरें आई थी कि उनका संबंध आतंकी संगठन से है। ऐसी भी खबरें सामने आई थीं कि खालिद कई विश्वविद्यालयों में आतंकी अफजल गुरु का गुणगान करवाना चाहता था। जेएनयू जैसा कार्यक्रम उसने देश के 18 विश्वविद्यालयों में करने की योजना बनाई थी। जेएनयू के छात्रों के अनुसार खालिद ने अपने साथियों के साथ जेएनयू कैंपस में हिंदू देवी देवताओं की आपत्तिजनक तस्वीरें लगाकर नफरत फैलाने की कोशिश की थी। केवल इतना ही नहीं वह उस समारोह में भी शामिल थे जब आतंकी अफजल की फांसी पर जेएनयू कैंपस में मातम मनाया गया था।

पुराने अंदाज में नजर आए सचिन पायलट

जयपुर, 18 दिसंबर। कांग्रेस पार्टी के शहीद स्मारक पर आयोजित धरने और प्रदर्शन के दौरान प्रदेश के दो वरिष्ठ नेताओं, सचिन पायलट और प्रताप सिंह खाचरियावास के बीच मंच पर मजाकिया नोक-झोंक देखने को मिली। हालांकि, यह नोक-झोंक गर्मजोशी और आपसी सौहार्द के संकेत के रूप में सामने आई। लेकिन दोनों नेताओं के बीच पूर्व में रहे मतभेदों के मद्देनज़र यह चर्चा का विषय बन गई। धरने के दौरान प्रताप सिंह खाचरियावास ने अपने संबोधन में सचिन पायलट और मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मौजूदगी का धन्यवाद दिया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में पिछली बार के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, जब पिछली बार प्रदर्शन हुआ था तो पायलट साहब जूते पहनकर आए थे और मैं सैंडल में था। मैंने पायलट साहब से कहा कि जूते पहनकर आए हैं, तो अगुवाई आप ही करना। मैं सैंडल में हूं, उतनी लड़ाई नहीं लड़ पाऊंगा। उनके इस बयान से यह साफ झलक रहा था कि वह सचिन पायलट के साथ अपने संबंधों को सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। प्रताप सिंह के बाद सचिन पायलट ने मंच संभाला और मजाकिया लहजे में जवाब देते हुए कहा, प्रताप सिंह खाचरियावास बेकार की बातें कर रहे हैं।

बंगलादेश चुनाव आयोग राष्ट्रीय चुनावों के लिए विशिष्ट तारीखें प्रदान करेगा : शफीकुल आलम

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस द्वारा राष्ट्रीय चुनाव कराने के लिए अनुमानित समयसीमा की घोषणा करने के एक दिन बाद, उनके प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि देश का चुनाव आयोग चुनाव के लिए एक विशिष्ट तारीख की घोषणा करेगा। बिजनेस स्टैंडर्ड बंगलादेश ने रिपोर्ट में कहा कि ढाका में विदेश सेवा अकादमी में प्रेस से बात करते हुए आलम ने कहा कि ÷चुनाव को लेकर बहुत स्पष्ट रोडमैप दिया गया है, इससे स्पष्ट रोडमैप क्या हो सकता है? मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा है कि चुनाव दिसंबर 2025 या 30 जून 2026 के बीच हो सकते हैं। चुनाव आयोग द्वारा सही तारीख निर्धारित और घोषित की जाएगी। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी अवामी लीग पर कटाक्ष करते हुए, आलम ने कहा कि छात्र विद्रोह के दौरान नरसंहार के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा, उन्होंने दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर बल दिया। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में सुधार करने के बजाय, विशेष रूप से उच्च शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए, अनावश्यक खर्चों पर करोड़ों टका बर्बाद करने के लिए हसीना सरकार की आलोचना की।

बंगलादेश के जहाजरानी सलाहकार, जमात ने मोदी के विजय दिवस पोस्ट की आलोचना की

ढाका। बंगलादेश में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विजय दिवस मनाने वाली पोस्ट को लेकर हुई निंदा और विवादों के बाद, जमात-ए-इस्लामी-बंगलादेश और देश के जहाजरानी सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल ने उनकी आलोचना की है। जहाजरानी सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध जीतने का श्रेय पूरी तरह से बंगलादेश को है। जमात-ए-इस्लामी-बंगलादेश के महासचिव मिया गोलम परवार ने मोदी के ट्वीट को अपमानजनक कहा। परवार ने कहा, 16 दिसंबर, बंगलादेश के विजय दिवस के अवसर पर, भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बंगलादेश के मुक्ति संग्राम को भारत का युद्ध कहा। उन्होंने 1971 में बंगलादेश की ऐतिहासिक जीत को भारत की जीत बताया। उन्होंने कहा कि विजय दिवस पर अपने पोस्ट में मोदी ने बंगलादेश का नाम तक नहीं लिया। मोदी का बयान बंगलादेश की स्वतंत्रता, संप्रभुता और मुक्ति संग्राम के प्रति अपमानजनक और गौरव को कम करना है।

चीन 2025 में रूस के साथ सहयोग बढ़ाएगा : वांग

मॉस्को। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने कहा कि चीन 2025 में रूस के साथ सहयोग को गहरा करने की इच्छा रखता है। श्री वांग ने 2024 में चीन की कूटनीति एवं वैश्विक मामलों पर एक सम्मेलन के दौरान कहा, हम चीन और रूस के बीच व्यापक रणनीतिक बातचीत और सभी क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग को गहरा करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजिंग पूरी दुनिया के लिए स्वतंत्रता, पारस्परिक उपलब्धियों और लाभ की दिशा में चीन-यूरोपीय संबंधों की निरंतर प्रगति को भी बढ़ावा देगा। श्री वांग ने कहा,वैश्विक अस्थिरताओं और संघर्षों के बीच चीन शांति के लिए मजबूती से काम करेगा। चीन के शीर्ष राजनयिक ने उल्लेख किया कि बीजिंग को उम्मीद है कि नया अमेरिकी प्रशासन चीन की ओर आगे बढ़कर, बाधाओं को दूर करके और चीन-अमेरिकी संबंधों **के स्थिर, स्वस्थ एवं सतत विकास वाला सही विकल्प चुनेगा।**

ट्रम्प ने टिकटॉक सीईओ से मुलाकात की

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टिकटॉक के सीईओ से मुलाकात की है। सोशल मीडिया दिग्गज ने वाशिंगटन द्वारा इसे प्रतिबंधित करने की योजना का विरोध किया है।श्री ट्रम्प के संचार उप निदेशक मार्गो मार्टिन के फुटेज में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने कहा कि उनके दिल में ऐप के लिए 'एक गर्मजोशी' है जो उन्हें विश्वास है कि युवा मतदाताओं को आकर्षित करने में उनकी मदद करता है। बीबीसी के अमरीकी पार्टनर सीबीएस न्यूज़ ने बैठक से परिचित सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि श्री ट्रम्प ने सोमवार को फ्लोरिडा में अपने मार-ए-लागो एस्टेट में शू ज़ी च्यू से मुलाकात की। इस साल की शुरुआत में पारित एक कानून का मतलब है कि टिकटॉक पर तब तक प्रतिबंध रहेगा जब तक कि इसे इसकी चीनी मूल कंपनी बाइटडांस द्वारा 19 जनवरी से पहले नहीं बेचा जाता। कंपनी ने प्रतिबंध को स्थगित करने के लिए अमेरिकी शीर्ष अदालत में एक आपातकालीन आवेदन किया है। अमेरिका चाहता है कि टिकटॉक को बेचा जाए या प्रतिबंधित किया जाए क्योंकि बाइटडांस और चीनी राज्य के बीच कथित संबंध हैं। ऐसे संबंध जिनसे टिकटॉक और बाइट डांस दोनों ने हमेशा इनकार किया है। अदालत में पेश करने वाले विधेयक में कहा गया है कि इसका उद्देश्य 'विदेशी विरोधी नियंत्रित अनुप्रयोगों द्वारा उत्पन्न खतरे से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करना है।'

जेलेंस्की का दावा : रूसियों ने जलाया उत्तर कोरियाई सैनिक का शव, शेयर किया वीडिया

एजेंसी

सोल। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंकी ने एक वीडियो शेयर करते हुए दावा किया है कि इसमें एक रूसी सैनिक यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिक के शव को आग लगा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य रूस के साथ लड़ रहे उत्तर कोरियाई सैनिकों की उपस्थिति को छिपाना है।

जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर अपलोड किए गए एक वीडियो में यह दावा किया। इसमें आंशिक रूप से जलती हुई लाश दिखाई दे रही थी। इसका अंग्रेजी सबटाइटल था, ÷रूसी, उत्तर कोरियाई सैनिकों के मरने के बाद भी उनके चेहरे छिपाने की कोशिश करते हैं।30 सेकंड के वीडियो में एक संदिग्ध उत्तर कोरियाई सैनिक का क्लोज-अप और अन्य फुटेज भी शामिल है, जिसमें एक एशियाई सैनिक कैमरे के सामने नहीं, नही कह रहा है, जबकि बैकग्राउंड में एक अन्य व्यक्ति कह रहा है, उसे मास्क लगाने के लिए कहो। मास्क

लगाओ।जेलेंस्की ने उत्तर कोरियाई सैनिकों को तैनात करने और उनकी उपस्थिति को छिपाने का प्रयास करने के लिए रूसी सेना की निंदा की, उन्होंने कहा कि मास्को को इस तरह के अनादर के प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।उन्होंने कहा, रूस न केवल यूक्रेनी ठिकानों पर हमला करने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों को भेजता है, बल्कि इन लोगों के नुकसान को छिपाने की भी कोशिश करता है। और अब, हमारे योद्धाओं के साथ पहली लड़ाई के बाद, रूसी कोशिश कर रहे हैं... युद्ध में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों के चेहरे को सचमुच जलाने की।योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह वीडियो रूस और उत्तर कोरिया के बीच बढ़ते सैन्य सहयोग के बीच सामने आया है। शनिवार को,यूक्रेन के रक्षा खुफिया अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेनी बलों के खिलाफ संयुक्त इकाइयों में लड़ते हुए लगभग 200 रूसी और उत्तर कोरियाई सैनिकों के मारे जाने का अनुमान है।व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका का मानना है कि उत्तर कोरिया को काफी सैनिकों का नुकसान हुआ है। यह पहली बार है जब वाशिंगटन ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के दौरान उत्तर कोरियाई लोगों की सार्वजनिक रूप से पुष्टि की है।

फ्रांसीसी राजनयिकों ने नई सीरियाई सरकार के साथ की बातचीत की

एजेंसी

दमिश्क। दमिश्क पहुंचे फ्रांसीसी राजनयिकों ने राजनयिक संबंधों में 12 साल के अंतराल के बाद सीरिया में नए अधिकारियों के साथ बातचीत की। फ्रांसीसी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, टीम ने संक्रमण अधिकारियों द्वारा नियुक्त एक प्रतिनिधि से बात की। उन्होंने कहा कि 2011 की क्रांति के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए, जिसका उसने समर्थन किया था। फ्रांस एक शांतिपूर्ण राजनीतिक परिवर्तन की आशा करता है जो सीरियाई समाज के सभी घटकों का प्रतिनिधित्व करेगा और अधिकारों का सम्मान करेगा। बयान में कहा गया, महिलाओं सहित सभी सीरियाई; यह नागरिकों, विशेष रूप से जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की गारंटी देगा और यह राज्य संस्थानों की रक्षा करेगा और सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की गारंटी देगा। मंत्रालय ने कहा कि फ्रांस सामूहिक सुरक्षा के हितों को सुनिश्चित करने पर ध्यान देगा, जिसमें इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह (आईएस, या आईएसआईएस, रूस में प्रतिबंधित) और अन्य

आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई जारी रखना शामिल है और सीरिया में अपनी प्रतिबद्धताओं को इसके आधार पर मानदंड निर्धारित करेगा।बयान में कहा गया है कि राजनयिकों ने संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ और नागरिक समाज के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात की।

गोपनीयता नीति' के उल्लंघन को लेकर मस्क, स्पेसएक्स पर जांच शुरू

एजेंसी

वाशिंगटन।अमेरिकी अरबपति एलन मस्क और उनकी कंपनी स्पेसएक्स कथित 'गोपनीयता नीति' के उल्लंघन के कारण अमेरिकी सरकारी एजेंसियों की जांच के दायरे में आ गए हैं। बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार रक्षा मंत्रालय के महानिरीक्षक कार्यालय, वायु सेना और पेंटागन के खुफिया एवं सुरक्षा उपमंत्री, रक्षा कार्यालय सहित संघीय एजेंसियों ने स्पेसएक्स तथा उसके मालिक के खिलाफ तीन बार समीक्षा की है। इन एजेंसियों का आरोप है कि उन्होंने और उनकी कंपनी ने राष्ट्र हित का ध्यान न रखते हुये, सुरक्षा रिपोर्टिंग नियमों का बार-बार उल्लंघन किया है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले घोषणा की थी कि उद्योगपति मस्क और व्यवसायी विवेक रामास्वामी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करेंगे। इस संबंध में 'एक्स' के मालिक ने कहा था कि नवनिर्मित विभाग का उद्देश्य अमेरिकी रक्षा खर्च की दक्षता बढ़ाना है।

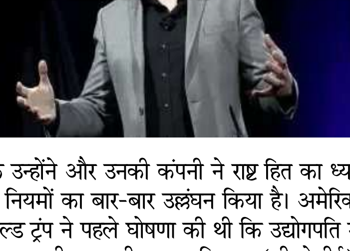

खालिस्तानी अलगाववादी की हत्या की साजिश मामले पर अमेरिका-भारत ने जानकारी का आदान-प्रदान किया : यूएस विदेश विभाग

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर के अनुसार, भारतीय जांच पैनल और अमेरिकी सरकारी एजेंसियों के बीच सूचनाओं का आदान-प्रदान हो रहा है। भारत ने अमेरिकी खालिस्तानी की हत्या की साजिश के आरोपों की जांच के लिए पैनल का गठन किया है।मिलर ने मीडिया से बात करते हुए कहा, हम अपनी जांच के परिणामों के बारे में उन्हें नियमित रूप से जानकारी देते रहे हैं।

भारत ने पिछले साल इस मामले के सभी पहलुओं पर गौर करने के लिए पैनल का गठन किया था, जब अमेरिका ने एक भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता के खिलाफ आरोप दायर किए थे। आरोप लगाया गया था कि वह खालिस्तानी अलगाववादी

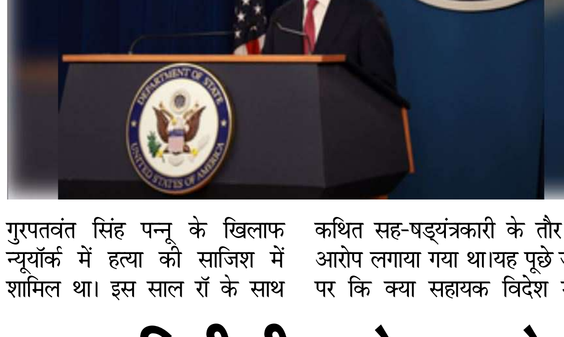

गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ न्यूयॉर्क में हत्या की साजिश में शामिल था। इस साल रॉ के साथ काम कर चुके एक पूर्व पुलिस अधिकारी विकास यादव पर भी कथित सह-षड्यंत्रकारी के तौर पर आरोप लगाया गया था।यह पूछे जाने पर कि क्या सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू की हाल की भारत यात्रा के दौरान इस मामले पर चर्चा हुई थी, मिलर ने कहा कि वह इस यात्रा के बारे में कुछ नहीं कह सकते। हालांकि उन्होंने कहा, मैं आपको बता सकता हूं कि भारत सरकार के साथ हमारे सभी वरिष्ठ-स्तरीय बैठकों में, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे हम उठाते हैं।मिलर ने कहा, हमने उनके साथ इस बात पर जोर दिया है कि हम इस अपराध के लिए आखिरकार जवाबदेही देखना चाहते हैं।गुप्ता ने अमेरिकी संघीय अदालत में आरोपों से इनकार किया है। चेक गणराज्य में गिरफ्तार किए जाने और अमेरिका को प्रत्यर्पित किए जाने के बाद उन पर मुकदमा चल रहा है।

वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में 7.4 तीव्रता का भूकंप आने से भारी नुकसान

एजेंसी

सिडनी। दक्षिण प्रशांत महासागरीय देश वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे राजनयिक मिशन सहित कुछ इमारतों को 'काफी नुकसान' हुआ। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप वानुअतु की राजधानी पोर्ट विला से 30 किलोमीटर पश्चिम में स्थानीय समयानुसार 12:47 बजे आया, जिसकी गहराई 43 किलोमीटर थी।

समाचार एजेंसी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रसारण निगम (एबीसी) के हवाले से बताया कि वानुअतु में आए भूकंप के बाद पोर्ट विला के एक अस्पताल में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और सामूहिक नुकसान की संख्या के लिए आपातकालीन व्यवस्था की गई।गार्जियन ऑस्ट्रेलिया ने बताया, संचार व्यवस्था बाधित होने, फोन लाइन्स और सरकारी वेबसाइट्स के बंद होने के कारण नुकसान की सीमा के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई, लेकिन भूकंप के कुछ घंटों बाद ही सोशल मीडिया पर व्यापक विनाश की खबरें सामने आने लगी। फिजी में रेड क्रॉस के प्रवक्ता ने बताया कि जमीन पर मौजूद कर्मचारी काफी नुकसान की

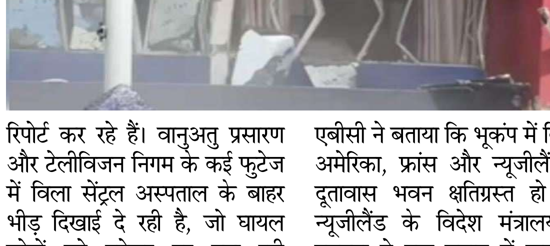

रिपोर्ट कर रहे हैं। वानुअतु प्रसारण और टेलीविजन निगम के कई फुटेज में विला सेंट्रल अस्पताल के बाहर भीड़ दिखाई दे रही है, जो घायल लोगों को स्ट्रेचर पर उठा रही है।गार्जियन ऑस्ट्रेलिया ने पोर्ट विला में रहने वाले पत्रकार डैन मैकगैरी के हवाले से कहा कि उन्होंने अस्पताल के बाहर तीन लोगों को ÷स्पष्ट रूप से संकट में÷ देखा। मैकगैरी ने कहा, ÷यह मेरे द्वारा वानुअतु और प्रशांत द्वीप समूह में रहने के दौरान 21 वर्षों में अनुभव किया गया सबसे भयंकर भूकंप था। मैंने बहुत सारे बड़े भूकंप देखे हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं देखा। एबीसी ने बताया कि भूकंप में ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस और न्यूजीलैंड के दूतावास भवन क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि न्यूजीलैंड के उच्चायोग भवन, जो अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटिश मिशनों के साथ स्थित हैं, उसे काफी नुकसान पहुंचा है।

कडिप्टी पीएम के पद छोड़ने से गहराया राजनीतिक संकट, ट्रूडो के इस्तीफे की मांग

एजेंसी

टोरंटो । कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे की मांग फिर से देश में उठने लगी है। उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों पर ट्रूडो से अनबन के चलते इस्तीफा दे दिया।सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के एक तिहाई सांसदों ने कनाडा में नेतृत्व परिवर्तन की मांग की है, जिससे देश में राजनीतिक संकट और गहरा गया है। कनाडाई मीडिया ने बताया कि ट्रूडो ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह प्रधानमंत्री के पद पर बने रहेंगे या इस्तीफा देंगे। हाउस ऑफ कॉमन्स में 153 सदस्यीय कॉकस में से उनके पद से हटने की मांग करने वाले विद्रोही सांसदों की संख्या बढ़कर लगभग 60 हो गई है। लिबरल पार्टी के नेता ट्रूडो अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी कंजर्वेटिव पियरे पोलिएवर से सर्वे में 20 अंक पीछे हैं, जिन्होंने सितंबर से ट्रूडो सरकार को गिराने और शीघ्र चुनाव कराने के लिए तीन बार प्रयास किया है। फ्रीलैंड ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने त्यागपत्र में कहा, हमारा देश आज गंभीर चुनौती

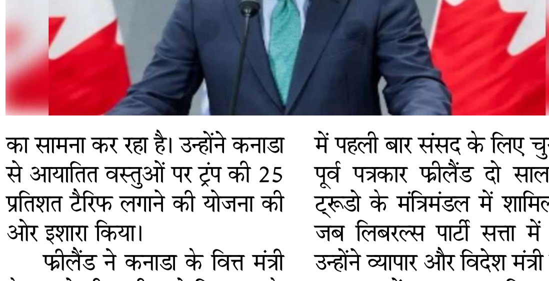

का सामना कर रहा है। उन्होंने कनाडा से आयातित वस्तुओं पर ट्रंप की 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना की ओर इशारा किया।

फ्रीलैंड ने कनाडा के वित्त मंत्री के पद से भी इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे से प्रधानमंत्री ट्रूडो के खिलाफ उनके मंत्रिमंडल में पहली बार खुली असहमति पैदा हुई, जिससे सत्ता पर उनकी पकड़ को खतरा पैदा हो गया। उन्होंने अपने त्यागपत्र में लिखा, पिछले कुछ सप्ताहों से आप और मैं कनाडा के लिए सर्वोत्तम मार्ग के बारे में असहमत हैं।साल 2013 में पहली बार संसद के लिए चुनी गई पूर्व पत्रकार फ्रीलैंड दो साल बाद ट्रूडो के मंत्रिमंडल में शामिल हुईं, जब लिबरल्स पार्टी सत्ता में आई। उन्होंने व्यापार और विदेश मंत्री सहित प्रमुख पदों पर काम किया और यूरोपीय संघ और संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार वार्ता का नेतृत्व किया था।

सीरिया में 8,80,000 से अधिक लोग हुए विस्थापित : यूएन

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। सीरिया में हिंसक संघर्ष बढ़ने के बाद 8,80,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायताकर्ताओं ने यह बात कही। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के सहयोगियों ने अनुमान लगाया है कि लगभग 6 प्रतिशत विस्थापित कम से कम एक प्रकार की विकलांगता के साथ जी रहे हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने कहा, वापसी की गतिविधियां तेज हुई हैं, सहयोगियों ने रविवार को 2,20,000 से अधिक लोगों के लौटने की सूचना दी है। वहीं, इसके अतिरिक्त, 40,000 से अधिक विस्थापित लोग पूर्वोत्तर सीरिया में लगभग 250 सामूहिक केंद्रों में रह रहे हैं। कार्यालय ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र और भागीदार भोजन, पानी, नकदी, टेंट और कंबल की सप्लाई कर

रहे हैं। वहीं, वैश्विक टीम मेडिकल टीम और आपूर्ति भी तैनात कर रहा है।सीरियाई अरब रेड क्रिसेंट और रेड क्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूएनआईसीईएफ) के सहयोग से शुक्रवार को सीरिया के अलेप्पो प्रांत में तिशरीन बांध की सुविधा की तत्काल और महत्वपूर्ण मरम्मत के लिए एक संयुक्त मिशन चलाया।यूएनआईसीईएफ ने बैकअप जनरेटर को बिजली देने के लिए ईंधन की भी व्यवस्था की, जिससे बांध की सुरक्षित जल निकासी और जल आपूर्ति की सुरक्षा हो सके। पिछले सप्ताह बांध के पास हिंसा के कारण बिजली सप्लाई बाधित हुई, पानी और अन्य प्रमुख सेवाएं बाधित हुई, जिससे क्षेत्र के लाखों लोग प्रभावित हुए। मानवीय मामलों के लिए संयुक्त राष्ट्र के अवर महासचिव और इमरजेंसी रिलीफ कोऑर्डिनेटर टॉम फ्लेचर ने राहत प्रतिक्रिया पर चर्चा करने के लिए दमिश्क में सीरियाई संक्रमणकालीन अधिकारियों से मुलाकात की। ओसीएचए ने अपनी एक सप्ताह की मध्य पूर्व यात्रा के बारे में कहा, ÷क्षेत्र में इतने तेजी से हो रहे बदलावों और दीर्घकालिक जरूरतों के समय, फ्लेचर की यात्रा में लेबनान, तुर्की और जॉर्डन में भी रुकना शामिल होगा।

रूस के जनरल की घर के बाहर विस्फोट में मौत

एजेंसी

मॉस्को। रूस के मॉस्को में रूसी सशस्त्र बल के एक जनरल और उनके सहायक की यूक्रेन की सुरक्षा सेवा के हमले में मौत हो गयी। मीडिया रिपोर्टों में एक यूक्रेनी स्रोत के हवाले से बुधवार को यह जानकारी दी गयी। रूस की जांच समिति (एसके) ने बताया कि परमाणु, जैविक एवं रासायनिक रक्षा बलों (एनबीसी) के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव मंगलवार की सुबह एक आवासीय ब्लॉक के बाहर थे, इसी दौरान स्कूटर में छिपाकर रखे गये एक उपकरण में दूर से विस्फोट किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, यूक्रेन की एसबीयू सुरक्षा सेवा ने जनरल किरिलोव पर वैध लक्ष्य होने का आरोप लगाया है और आरोप लगाया है कि उन्होंने युद्ध अपराध किये थे। यूक्रेन एसबीयू की सुरक्षा सेवा ने 54 वर्षीय जनरल किरिलोव पर टेलीग्राम पर आरोप लगाया कि वह प्रतिबंधित रासायनिक हथियारों के बड़े पैमाने पर उपयोग के लिए जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यूक्रेनी सरकार ने अभी तक

जनरल की मौत पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण-पूर्वी मॉस्को के घटनास्थल की तस्वीरों में एक इमारत का प्रवेश द्वार बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिख रहा है, दीवारों पर झुलसने के निशान हैं और कई खिड़कियां उड़ गई हैं। सड़क पर दो बॉडी बैग भी देखे जा सकते थे। रूसी जांचकर्ताओं के क्षेत्र में तलाशी जारी रखने के चलते सुबह ब्लॉक की घेराबंदी कर दी गई। ब्रिटेन ने अक्टूबर में जनरल किरिलोव पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा था कि उन्होंने यूक्रेन में रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल की निगरानी की थी और क्रेमलिन (रूसी राष्ट्रपति कार्यालय) दुष्प्रचार के लिए महत्वपूर्ण मुखपत्र के रूप में काम किया था।

सीरिया में राहत सहायता के लिए मानवीय दूत भेजा गया : गुटेरस

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि उन्होंने सीरिया के संक्रमणकालीन सरकार के साथ मानवीय सहायता पर जुड़ने के लिए मानवीय मामलों के अपने अवर

महासचिव एवं आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर को सीरिया भेजा

वाशिंगटन में बंद सीरियाई दूतावास की स्थिति में कोई बदलाव नहीं : अमेरिकी विदेश विभाग

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि वाशिंगटन स्थित सीरियाई दूतावास (जो 2014 से बंद है) की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

समाचार एजेंसी के अनुसार, प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान जवाब दिया, नहीं, ऐसा नहीं है। उनसे एक रिपोर्टर ने इस बात की पुष्टि करनी चाही कि वाशिंगटन डी.सी. में सीरियाई दूतावास की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मिलर की यह टिप्पणी सीरिया टीवी के उस बयान के एक दिन बाद आई कि वाशिंगटन स्थित सीरियाई दूतावास सोमवार को फिर से खुल जाएगा। सरकारी प्रसारक को अब हयात तहरीर अल-शाम नियंत्रित करता है। हयात तहरीर अल-शाम मुख्य मिलिशिया है, जिसने पूर्व सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद की सरकार के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया। मिलर ने कहा कि अमेरिकी सरकार वाशिंगटन शहर में स्थित सीरियाई दूतावास की इमारत को नियंत्रित नहीं करती है, न ही वह वहां होने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करती है।दूतावास पर सीरियाई

विपक्षी ध्वज फहराए जाने की खबर पर मिलर ने कहा कि यह निर्णय संयुक्त राष्ट्र में सीरिया के स्थायी प्रतिनिधि द्वारा लिया गया था, जिसे अमेरिकी सरकार से कोई मान्यता नहीं मिली थी। पत्रकारों के लिए एक अमेरिकी घरेलू संघ, नेशनल प्रेस क्लब (एनपीसी) द्वारा सोमवार को प्रदान की गई एक न्यूज एडवायजरी में कहा गया कि सीरियाई दूतावास को पूर्वी समयानुसार दोपहर 3:00 बजे फिर से खोला जाना था, और डेबरा टाइस, अमेरिकी स्वतंत्र पत्रकार ऑस्टिन टाइस की मां - जिसे सीरिया में कथित तौर पर अगवा कर लिया गया था और जिसका पता नहीं चल पाया है - उद्घाटन समारोह में भाग लेंगी। सिन्हुआ ने दूतावास को फिर से खोलने की पुष्टि के लिए एनपीसी से संपर्क किया है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सिमोनियन ने राज्यसभा के सभापति धनखड़ से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष एलन सिमोनियन ने उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ से संसद भवन में मुलाकात की। दोनों की चर्चा के मुख्य विषय अंतर-संसदीय संबंध, शिक्षा, अर्थव्यवस्था और द्विपक्षीय हित के अन्य विषय थे। धनखड़ ने एक्स पोस्ट में कहा कि चर्चा लोकतंत्रों के बीच इतिहास में निहित दीर्घकालिक संबंधों पर केंद्रित रही और द्विपक्षीय व्यापार एवं संपर्क को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया गया। दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने में भारत और आर्मेनिया के बीच संसदीय आदान-प्रदान की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सिमोनियन ने भारतीय संसद के उच्च सदन का भी दौरा किया और मानद अतिथियों की विजिटर बुक में एक नोट लिखा। भारत की आधिकारिक यात्रा पर आये आर्मेनिया के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने इससे पहले सोमवार को आर्मेनिया की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष सिमोनियन के नेतृत्व में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात की थी।

आईपीयू में एआई, मशीन लर्निंग और आईओटी के अनुप्रयोग पर एफडीपी का आयोजन

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी में एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग (एटीएएल) अकादमी के सौजन्य से दो सप्ताह का एडवांस्ड फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) टेक्नोलॉजिकल ब्रेकथ्रू के लिए जनरेटिव एआई, मशीन लर्निंग और आईओटी का उपयोग विषय पर आयोजित किया जा रहा है।इस कार्यक्रम का उद्घाटन आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो महेश वर्मा और दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के कुलपति प्रो प्रतीक शर्मा ने संयुक्त रूप से किया। इसे यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (यूएसआईसीटी) द्वारा आयोजित किया जा रहा है। देश भर के 1000 से अधिक आवेदकों में से केवल 25 संस्थानों को एआईसीटीई द्वारा ऐसे एफडीपी की मेजबानी के लिए चुना गया था, जिसमें आईपीयू भी शामिल था। इस एफडीपी का उद्देश्य शिक्षकों को शिक्षण, अनुसंधान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों में जनरेटिव एआई, मशीन लर्निंग और आईओटी को एकीकृत करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करना था। आईपी यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो महेश वर्मा ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय की अकादमिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। वहीं प्रो प्रतीक शर्मा ने कहा कि जनरेटिव एआई और आईओटी के पास दबाव डालने वाली वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने की क्षमता है।

विशाखापट्टनम में शुरू हुआ भारत-श्रीलंका का द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'स्लिनेक्स'

नई दिल्ली। पूर्वी नौसेना कमान के तत्वावधान में श्रीलंका और भारत के बीच द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'स्लिनेक्स' शुरू हुआ। विशाखापट्टनम में 20 दिसंबर तक चलने वाला यह अभ्यास दो चरणों में होगा। इसमें 18 दिसंबर तक बंदरगाह चरण और 19 दिसंबर से समुद्री चरण होगा। यह द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यासों का महत्वपूर्ण संस्करण है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग को मजबूत किया है। अभ्यास में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का जहाज आईएनएस सुमित्रा, एक अपतटीय गश्ती पोत विशेष बल के साथ शामिल हो रहा है। इसी तरह श्रीलंका से एसएलएनएस सयूरा, एक अपतटीय गश्ती पोत विशेष बल के साथ अभ्यास में शामिल होगा। सुकन्या श्रेणी का ओपीवी 'स्लिनेक्स' के 11वें संस्करण के लिए विशाखापट्टनम पहुंच गया है। अभ्यास के आज हुए उद्घाटन समारोह के साथ बंदरगाह चरण की शुरुआत हो गई है। इस समुद्री अभ्यास का मकसद सुरक्षित, संरक्षित और नियम-आधारित समुद्री वातावरण को बढ़ावा देना है। इस चरण के दौरान प्रतिभागी नौसेनाएं आपसी समझ को मजबूत करने के लिए पेशेवर और सामाजिक आदान-प्रदान में संलग्न होंगी। इसके बाद 19 दिसंबर को शुरू होने वाले समुद्री चरण में विशेष बलों के संचालन, बंदूक फायरिंग, संचार अभ्यास, नाविक अभ्यास, नेविगेशन विकास और हेलीकॉप्टर संचालन सहित संयुक्त अभ्यास शामिल होंगे। पिछले कुछ वर्षों में स्लिनेक्स का दायरा बढ़ा है, जिससे दोनों नौसेनाओं को अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने में मदद मिली है। वर्ष 2024 के इस संस्करण का उद्देश्य भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री संबंधों को और मजबूत करना है।

भाजपा ने नरेश बाल्यान को झूठे केस में फंसाकर भेजा जेल : पूजा बाल्यान

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के लिए चुनाव अगले साल होने हैं। उससे पहले ही दिल्ली में सियासत तेज हो गई है। दिल्ली की उत्तम नगर विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार पूजा बाल्यान ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने उनके पति नरेश बाल्यान को झूठे केस में फंसाकर जेल भेजा है। आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार पूजा बाल्यान ने खास बात की। उन्होंने कहा कि मैं यह चुनाव सच्चाई पर लड़ रही हूं। मेरे पति के साथ जो अन्याय हुआ है, उसके खिलाफ ही चुनाव लड़ा जा रहा है। मेरे पति के साथ जो षड्यंत्र रचा गया है, उस षड्यंत्र का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, राजनीति का स्तर इतना गिर गया है कि उन्होंने एक निर्दोष आदमी को मोहरा बना दिया है।

कांग्रेस ने संविधान को भी निजी जागीदारी समझाः अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यसभा में संविधान पर हुई चर्चा में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने कभी भी संविधान और संविधान निर्माता डॉ भीमराव अम्बेडकर का सम्मान नहीं किया और साथ ही आरक्षण एवं धर्मनिरपेक्षता का ही सम्मान रखा। पार्टी ने संविधान को भी निजी जागीदारी समझा और आज केवल वोट पाने के लिए संविधान लहराती है और आरक्षण की बात करती है। संविधान के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा के तहत सोमवार और राज्यसभा में चर्चा हुई। इस चर्चा का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने देश में 55 साल राज किया और 77 संविधान संशोधन किये जबकि भारतीय जनता पार्टी ने 16 साल राज

किया और 22 बार संविधान को संशोधित किया। कांग्रेस का जहां संविधान संशोधन के पीछे उद्देश्य अपनी सत्ता और वोट बैंक को बचाना था वहीं भारतीय जनता पार्टी का उद्देश्य एकता बढ़ाना और पिछड़ों को आगे लाना रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, स्वामी विवेकानंद जी और महर्षि अरविंद जी की भविष्यवाणी आज सच हो रही हैं। भारत माता अपने दिव्यमान और ओजस्वी स्वरूप में खड़ी हैं और पूरी दुनिया उसकी अद्भुत शक्ति एवं प्रगति को देखकर चकित रह गई है। गृह मंत्री ने इस दौरान कांग्रेस की ओर से लाए गए कुछ संविधान संशोधनों का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा कि इसमें अभिव्यक्ति की आजादी छीनी गई। प्रधानमंत्री को न्यायिक जांच से बाहर किया गया, देश की विधानसभा का कार्यकाल 5 से 6 साल किया गया और राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाई गई। दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी ने अपने संविधान संशोधनों में वस्तु एवं सेवा कर लाए, पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया।

उर्दू डेवलपमेंट आर्गनाइज़ेशन ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, एनसीपीयूएल की गवर्निंग बॉडी के गठन की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। उर्दू डेवलपमेंट आर्गनाइज़ेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सैयद अहमद खान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद (एनसीपीयूएल) जैसी महान संस्था को बर्बाद होने से बचाने की अपील की है।

उन्होंने देश में उर्दू भाषा के विकास और उत्थान के लिए केन्द्र सरकार के जरिए स्थापित किए जाने वाले इस संस्थान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री को याद दिलाया कि एशिया ही नहीं पूरे उर्दू जगत में भारत की प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ाने वाली इस परिषद को उचित सम्मान दिया जाना चाहिए। उन्होंने इस मामले पर आश्चर्य व्यक्त किया कि परिषद के उपाध्यक्ष का पद तीन साल से खाली पड़ा रहने के कारण यह संस्थान पूरी तरह से ठप हो गया है, जिसकी वजह से परिषद के गठन का मकसद ही समाप्त होता जा रहा है और उर्दू भाषा को बढ़ावा देने के लिए परिषद पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। इसलिए यथाशीघ्र परिषद की गवर्निंग बाडी का गठन कर उपाध्यक्ष की नियुक्ति की जानी चाहिए ताकि उर्दू जगत में परिषद की जो प्रतिष्ठा एवं गौरव कायम है, उसे बरकरार रखा जा सके। उर्दू जगत में भारत का नाम रोशन करने में एनसीपीयूएल की बहुत अहम भूमिका है। इस लिए संस्थान को जानबूझकर नष्ट किए जाने से बचाया जाना चाहिए।

हज यात्रा के लिए 500 खुशनसीब महरम महिला यात्रियों का हुआ चयन

एजेंसी

नई दिल्ली। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने महरम कोटे की 500 महिलाओं का लकी ड्रॉ करके चयन किया है। इसमें सबसे अधिक महाराष्ट्र की महिलाओं को हज पर जाने का मौका मिला है। देश भर से महरम श्रेणी में कुल 739 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसका आज कंप्यूटराइज्ड तरीके से लकी ड्रॉ कर के चयन किया गया। इसमें महाराष्ट्र से 92, केरल से 63, कर्नाटक से 56, उत्तर प्रदेश से 46, गुजरात से 41, मध्य प्रदेश से 34, तेलंगाना से 31, जम्मू-कश्मीर से 26, राजस्थान से 22, तमिलनाडु से 18, दिल्ली से 16, पश्चिम बंगाल से 15, आंध्र प्रदेश से 10, बिहार से 9, छत्तीसगढ़ से 4, असम, हरियाणा और दादर-नगर हवेली से 3-3, लक्षद्वीप और उत्तराखंड से 2-2 तथा अंडमान-निकोबार और पुदुचेरी से 1-1 महिला यात्रियों का चयन हुआ है। चयनित यात्रियों की सूची हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट पर उपलब्ध है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने महरम कोटे में चयनित महिला यात्रियों और वेटिंग लिस्ट में शामिल यात्रियों से अपील की है कि वे 30 दिसंबर 2024 तक हज खर्च की पहली और दूसरी किस्त की कुल राशि 2,72,300 रुपये जमा कराने की कोशिश करें। पूर्व में चयनित उन सभी यात्रियों को भी 30 दिसंबर तक राशि जमा करने की सुविधा दी गई है जिन्होंने अभी तक दूसरी किस्त 1,42,000 रुपये जमा नहीं किया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने भुगतान के लिए ई-पेमेंट की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। हज यात्री हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट या हज सुविधा ऐप पर क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं।

किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ खतरों से बचाने के लिए 'किसान कवच' लॉन्च

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भारत का स्वदेशी कीटनाशक रोधी सूट 'किसान कवच' लॉन्च किया। किसान कवच किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाएगा। इसकी कीमत चार हजार रुपये है और इसे 150 बार धोया जा सकता है। यह कवच लगभग दो साल तक चलेगा।यह कवच खास कपड़े और तकनी से बना है सूट है। नेशनल मीडिया सेंटर में आयोजित लॉन्च कार्यक्रम में मीडिया को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने कुछ किसानों को किट दिए। इस मौके पर केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यह कवच किसानों को बीमारियों से बचाएगा। यह प्रीवेंटिव तकनीक है। इसकी कीमत भी 4 हजार रुपये है लेकिन आने वाले दिनों में इसकी कीमत में कमी

आएगी। उन्होंने कहा कि किसानों के स्वास्थ्य के लिए यह कवच उनके लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

उल्लेखनीय है कि किसान कवच किट को बेंगलुरु की कंपनी बीआरआईसी इंस्टेम ने सेपियो हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से विकसित किया है। कोटनाशक रोधी बॉडीसूट किसान कवच किसानों को कीटनाशकों से होने वाले स्वास्थ्य खतरों से बचाने में मदद करेगा। कंपनी की ओर से कहा गया है कि किसान कवच अपनी श्रेणी की पहली तकनीक है। इस बॉडीसूट में ऐसे कपड़े और तकनीक का इस्तेमाल किया गया है, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक कीटनाशक को शरीर में जाने से रोकता है और खतरनाक तत्वों को नष्ट कर देता है।

किसान देश में लगभग 65 फीसदी लोग सीधे कृषि और इससे जुड़ी गतिविधियों में लगे हुए हैं। भारत और विकासशील देशों के किसान खेतों में छिड़काव करते समय त्वचा और नाक के रास्ते जहरीले कीटनाशकों के संपर्क में आते हैं। कीटनाशकों में न्यूरोटॉक्सिन होते हैं, जो ह्यूमन बॉडी को खतरनाक बीमारियों से ग्रसित कर देते हैं। इससे बुखार, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, सांस लेने में दिक्कत, देखने में दिक्कत जैसे खतरे देखने को मिलते हैं।

राज्यसभा में चर्चा के दौरान पक्ष-विपक्ष ने संविधान को बताया सर्वोपरि और एक - दूसरे को बताया उससे खिलवाड़ करने वाला

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री और जेडी (एस) नेता एच.डी. देवेगौड़ा ने सदन को इस बात पर विचार करने का आह्वान किया कि क्या जाति के आधार पर आरक्षण दिया जाना जारी रखा जाना चाहिए या इसे आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सदन को खुद इस पर विचार करना होगा कि अतीत में क्या हुआ था और क्या हमें इस देश में सिर्फ गरीबी के आधार पर आरक्षण देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमारे द्वारा अतीत में दिए गए आरक्षण के बावजूद लोग पीड़ित हैं। इससे उन लोगों को कोई राहत नहीं मिली जो अभी भी दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।' पूर्व प्रधानमंत्री ने आपातकाल के इतिहास का काला दौर बताया। उन्होंने कहा कि पचास साल पहले, जब आपातकाल घोषित किया गया था, तो इस देश का लगभग पूरा राजनीतिक विपक्ष जेल भेज दिया गया था। देवेगौड़ा ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा, मुझे भी जेल भेजा गया था। मेरे कारावास के मानसिक दबाव ने मेरे पिता पर भारी असर डाला और आखिरकार उनका निधन हो गया। यह उन लोगों के लिए एक दर्दनाक

समय था जो लोकतंत्र में विश्वास करते थे और अपनी राजनीतिक मान्यताओं पर अडिग थे। उन्होंने कहा, आपातकाल के दौरान ही देश को उन स्वतंत्रताओं और आजादी का अहसास हुआ, जिनकी गारंटी संविधान ने हमें दी है। उन्होंने युवा पीढ़ी से लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए उस दौरान किए गए बलिदानों को याद रखने का आग्रह किया। देवेगौड़ा ने कहा कि संविधान उनके लिए सब कुछ है। यदि एक गरीब किसान का बेटा, एक सुदूर गांव से और जाति व्यवस्था के सबसे निचले तबके से, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन सका, तो यह केवल इसलिए संभव हुआ क्योंकि हमारे संविधान ने इसे संभव बनाया। राज्यसभा में

पंजाब में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त, अपराधियों के हौसले बुलंदः चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कड़ी नाराजगी जताई है। चुघ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि अब वे पुलिस थानों तक को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने आज तड़के अमृतसर के इस्लामाबाद थाने में हुए धमाके को भगवंत मान सरकार की नाकामी और आम आदमी पार्टी के कुशासन का सीधा नतीजा बताया। चुघ ने कहा कि ऐसी घटनाएं साबित करती हैं कि पंजाब में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है और अपराधियों केजरीवाल और भगवंत मान को इस पर जवाब देना चाहिए कि आखिर प्रदेश को किस दिशा में ले जाया जा रहा है? चुघ ने इस घटना के तुरंत बाद इस्लामाबाद थाने का दौरा कर और इसके पीछे की साजिश का पर्दाफाश होना चाहिए। चुघ ने कहा की भगवंत मान ने जब से पंजाब के मुख्यमंत्री की कमान संभाली है,

NAME CHANGE
I, Kanchan Ahuja W/o Ratik Mehra R/o H.No-1182, Huda, Near Ardee City, Sector-52, Wazirabad(75), Gurgaon, Haryana-122003 Have Changed My Name To Kanchan Mehra For All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, Anikait S/o Achintya Chakraborty R/o T-3 No-301, The Hermitage By Satya, Sector-103, Daultabad, Gurgaon, Haryana-122006 Have Changed My Name To Anikait Chakraborty For All Future Purpose.

NAME CHANGE
I, Sandeep alias Sandeep Kumar S/O Devi Lal R/O H. No B-747/83,Shiv Kunj , Sant Nagar Burari, North Delhi Delhi -110084, have changed my name and shall hereafter be known as Sandeep

NAME CHANGE
I, hitherto known as REENA Daughter of RAMZANI residing at H NO-70-A, GALI NO-1, C-BLOCK, MOONGA NAGAR, KARAWAL NAGAR, DELHI-110094 have changed my name and shall hereafter be known as ZARAA FATIMA.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **हिन्द अमन पार्टी** (दल का नाम के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय **मकान संख्या-ई-67/ए, ब्लॉक-ई, जसोला गांव, नई दिल्ली-110025.** (पूरा पता लिखे) में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन को आवेदन प्रस्तुत किया है- पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:

अध्यक्ष :-मोहम्मद असलम

महासचिव :- अमन

कोषाध्यक्ष :- शवनम बरनी

यदि किसी को **हिन्द अमन पार्टी** (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

NAME CHANGE
I, SUBHASH CHANDRA S/O LALA RAM R/O 2503/4, HOUSE NO-12, BAG RANAP AKSHIT GARDEN, LONI DEHAT, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed the name of my minor daughter ANUSHKA aged 14 year and she shall hereafter be known as KHUSHI.

NAME CHANGE
I, BIYAMA Mother of No-16132992M Rank-SPR Name-SOYAL CHAPPA-RABAND R/o VPO-GUNDAKARJA-GI, TEH-MUDDEBIHAL, BIJAPUR, KARNATAKA-586116, have changed my name from BIYAMA to BIYAMA CHAPPARABAND for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, TEJPAL SINGH S/o KARAN SINGH R/o H-20, Police Colony, Police Station, Lajpat Nagar - 3, Lajpat Nagar South Delhi, Delhi - 110024 declare that name of mine has been wrongly written as TAJPAL SINGH in my Service Record. The actual name of mine is TEJPAL SINGH which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, No. 20000059P Rank- L/NK Name-DEV RAJ, S/O HEM RAJ R/o VILL-DEV GAON, PO-BAGGI, TEH-KHUN-DIAN, DIST-KANGRA (HIMACHAL PRADESH)-176031 have changed my minor son name from DIVYANSH to DIVYANSH KOUNDAL for all future purposes. Vide Affidavit dated 18/12/2024 executed before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, MANISH S/O RAM GOPAL, R/O HOUSE NO-A/25, 32 METER 3RD FLOOR, NEAR POLE STAR SCHOOL, SECTOR-2, ROHINI, ROHINI SECTOR-7, NORTH WEST DELHI, DELHI-110085 HAVE CHANGED MY NAME TO MANISH KUMAR FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE
I, BABU Father of No-16132992M Rank-SPR Name-SOYAL CHAPPA-RABAND R/o VPO-GUNDAKARJAGI, TEH-MUDDEBIHAL, BIJAPUR, KARNATAKA-586116, have changed my name from BABU to BABU CHAPPA-RABAND for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, RN SARANYA Wife of JC-441969W Rank-SUB Name-S SURESH KANNAN Presently residing at 1/126D, SWAMI MALAMPATTI, VPO-SENGAPPADAI, DIST-MADURAI, TAMIL NADU-625704 have changed my name from RN SARANYA to R N SARANYA for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANJU W/O Naveen Bharel, house no-343, near saini chaupal, saini mohalla, shahbad mohd.pur, Bijwasan, PO: Bijwasan, DIST: South West Delhi, Delhi-110061.Have Changed My Name To ANJU SAINI For All Future Purpose

NAME CHANGE
I, No. 20000059P Rank- L/NK Name-DEV RAJ, S/O HEM RAJ R/o VILL-DEV GAON, PO-BAGGI, TEH-KHUNDIAN, DIST-KANGRA (HIMACHAL PRADESH)-176031 have changed my minor son name from RIYANSH to RIYANSH KOUNDAL for all future purposes. Vide Affidavit dated 18/12/2024 executed before Notary Public Delhi.

LOST & FOUND
We, Monika Garg w/o Sagar Paliwal & Sagar Paliwal s/o. Neeraj paliwal R/o Supertech Capetown, Sector – 74, Noida - 201304 inform that we have lost our original document like Payment Receipts and Tripartite agreement (executed with GHFL) of flat no. T14/1704, Eureka park, Sector 150, Noida Founder pls Call 9999270670

LOST & FOUND
I, Siya Ram Gupta S/o Late Sh. Mussadi Lal R/o C-316, Vikaspuri, New Delhi 110018 have lost in Vikaspuri area the original possession letter, original floor site plan with respect to commercial unit no. 305, 306,307 and 308, Third Floor in the building Vikas Surya Galaxy at plot No.9, Sector- 4,MLU pocket, Dwarka, New Delhi issued by M/S Surya Buildwell Ltd in the name of (1) Mrs. Manju Ravi Kumar w/o Sh.S.Ravi Kumar R/o 342, DPS Apartment, plot No.16, sector -4, Dwarka Delhi (2) Mrs.B.Chandra Bala Subramanian W/o Sh.R.Bala Subramanian R/o 322, DPS Apartment, plot no.16, Sector -4 Dwarka Delhi (3) Mrs. Lata Raghunath W/o Sh. V.Raghunath R/o Villa No.95, Second Floor, Block-No.1, Charm wood Village, Faridabad, Haryana. Lost on 20/11/24

NAME CHANGE
I, KOMURAIAH Father of No-2607792X Rank-CHM Name-THIRUPATHI SIRIPURAM R/o H NO-1-21, SHAYAMPET MANDAL, MYLARAM, HUSSAINPALLI, WARANGAL, ANDHRA PRADESH-506319, have changed my name from KOMURAIAH to SIRIPURAM KOMURAIAH for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, S VASANTHA Mother of No-2607792X Rank-CHM Name-THIRUPATHI SIRIPURAM R/o H NO-1-21, SHAYAMPET MANDAL, MYLARAM, HUSSAINPALLI, WARANGAL, ANDHRA PRADESH-506319, have changed my name from S VASANTHA to SIRIPURAM VASANTHA for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, BASANT BAHETI S/O SHYAM SUNDAR BAHETI residing at H NO A-52, SECOND FLOOR, YOJNA VIHAR, DELHI-110092. Have changed my name to BASANT KUMAR BAHETI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Km Anamika D/o Manoj Baliyan R/o 341, Sawatu Dakshini-4, Sautu, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh-251319, Have Changed My Name To Anamika For All Future Purpose.

PUBLIC NOTICE
Be it known to the public at large that my clients Sumeshwar Singh S/o Sh. Raghunath Singh and Smt. Rupa Devi W/o Sh. Sumeshwar Singh, both presently at village Issa Heri, Colony Maya Garden, Distt. Jhajjar, Haryana, we debarred, disowned and discarded our relationship with our younger son Praveen Kumar, from all our moveable and immoveable properties due to his rude and indecent behavior and fighting, intoxicated, misbehaving, creating false allegation towards my clients and he is not in the control of my clients. If anybody deals with him, then he/she will do so at his/her own risks, costs & consequences. My clients shall not be responsible and liable for the same in any manner in future.

Susheel Kumar Tiwari Advocate
Chamber No. 835, Lawyers' Chamber, Dwarka Courts, Sec-10, New Delhi-110075

NOTICE
General Public is hereby informed that Sh. Manoj Kumar is the recorded owner of Khasra No. 517, Khata No. 00133, Syam Vihar Colony, Tusyana, Ghaziabad, U.P. Initially, Sh. Manoj Kumar was the owner of the said property as per revenue records. Vide khatuni fasli year-2019-2025, who shall sell the said property to intending purchaser who shall further mortgage said property for his bonafide requirements with Centrum Housing Finance Limited Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 18/12/2024

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

NAME CHANGE
It is for general information that I, KUSUM PASWAN W/O DARA PASWA R/O RZ-633/313, GALI NO-6C,6F, 6D, GITANJALI PARK, WEST SAG PUR, DELHI-804425 declare that name of mine and my husband have t wrongly written as KOSHAMI DEVI and YUGESH PASWAN in my aad card No. 9014 5376 9454. The actual name of mine and my husband are KUS PASWAN and DARA PASWAN respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RAJENDRA PRASAD SHARMA S/o DAMODER PRASAD SHARMA R/o House Number-137, Street Number-10, Near Gurudwara Road, West Guru Angad Nagar, Laxmi Nagar, Distt-East Delhi, Delhi - 110092 declare that name of mine and my father has been wrongly written as RAJENDER PRASAD and DAMODAR PRASAD in my Service Record. The actual name of mine and my father are RAJENDRA PRASAD SHARMA and DAMODER PRASAD SHARMA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I, RITTIN KAISAR KUMAR S/o ASHWANI KUMAR, R/o B – 536 B Sudershan Park, Moti Nagar, Ramesh Nagar, West Delhi, Delhi - 110015, declare that name of mine has been wrongly written as RITTIN KESAR in my minor son namely YASH KESAR, aged 17 years in his 10th class Educational Document and Birth Certificate No. MCDOLR07237774. The actual name of mine is RITTIN KAISAR KUMAR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
It is for general information that I,SANDEEP KUMAR S/O SITARAM, R/O WZ-27, S/F BACK SIDE, BAL UDYAN ROAD, UTTAM NAGAR, D K MOHAN GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110059, declare that name of my minor daughter has been wrongly written as SHREYA in my minor daughter SHREYA GOEL aged 11 years in her school records, and name of my mine has been wrongly written as SANDEEP in my minor daughter SHREYA GOEL aged 11 years in her birth certificate-MCDOLIR-2114-005939080. The actual name of mine and my daughter are SANDEEP KUMAR and SHREYA GOEL, which may be amended accordingly.

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given by **Mrs. Rajesh Kumari** that The Original Sale Deed dated 22.12.2009 executed by Mr. Harbans Lal & Mr. Charanjeet in favour of Mr. Parveen Shukla in respect of Property No. B - 62 measuring 26 Sq. yrds. out of Rect No. 16 Killa no. 28/1 situated at the abadi of Anarkali Garden Jagat Puri village Khurji Khas illaqa Shahdara, Delhi, has been lost/Misplaced. That **Mrs. Rajesh Kumari** will be taking financial assistance from **Aditya Birla Housing Finance Ltd.,** Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
A-38 Kailash Colony, New Delhi-110048
Contact #011-49774545

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्री राकेश साहनी पुत्र श्री के एल साहनी गुप्ता, फ्रीहोल्ड आवासीय प्लॉट संख्या 14-बी, 33.3 वर्ग गज, खसरा संख्या 351, गांव - नवादा, दिल्ली कॉलोनी जिसे सिद्धार्थ एन्क्लेव, उत्तम नगर, नई दिल्ली - 110059 के नाम से जाना जाता है, के मालिक हैं। 22.06.2011 के एटीएस और वसीयत के साथ जीपीए के आधार पर, अब हमारे ग्राहक यह घोषित कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और वही संपत्ति श्री कमलेश रिखारी के नाम से बिकने जा रही है और लिमिटेड बैंक फ्रेम एलएफएल इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड शाखा नोएडा, उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिलता या अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Sandeep Choudhary S/o Rakesh Mohan, R/o 294, Ratan Singh Compound, Balupura, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201001 declare that name of my father has been wrongly written as Rakesh Choudhary in my 10th, 12th, B.com and LLB marksheet and Educational Documents. The actual name of my father is Rakesh Mohan, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VISHALAXI RP Wife of JC-442986H Rank-NB SUB Name-PATIL RAMESH Presently residing at VPO-KATAGERI, TALUKA-ATHANI, DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-591304 have changed my name from VISHALAXI RP to VISHALAXI PATIL for all future purposes vide Affidavit dated 18/12/2024 before Notary Public, Delhi.

हरियाणा के पूर्व विधायकों की मांग, छत्तीसगढ़ व राजस्थान की तर्ज पर मिलें सुविधाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व विधायकों ने अपनी पेंशन को रिवाइज करने की मांग की है। पूर्व विधायक एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण से मुलाकात कर अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। उनकी प्रमुख मांगों में पेंशन रिवाइज करना और छत्तीसगढ़ की तर्ज पर चिकित्सा भत्ता और अन्य सुविधाएं प्राप्त करना है। विस अध्यक्ष ने उनकी मांगों को प्रदेश सरकार के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया है। मांगों की समीक्षा के लिए विस अध्यक्ष ने देश की दूसरी विधानसभाओं से भी जानकारी संग्रहित करने के भी निर्देश दिए हैं। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष रामबीर सिंह और महासचिव रणबीर मंदौला ने पूर्व विधायकों की मांगों के बारे में विस्तार से बात रखी। पूर्व विधायकों के प्रति सरकारी अधिकारियों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार की शिकायत पर विस अध्यक्ष ने कहा कि हम सब एक ही समाज के घटक हैं इसलिए हम सभी को समाज में एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना विकसित करनी चाहिए। ऐसा वातावरण बनाना होगा जिसमें कि बड़े बुजुर्ग अधिकारपूर्वक युवाओं को समझा सकें। नैतिकता का विकास धरातल स्तर से होना चाहिए।

हरियाणा सरकार का फैसला, 2014 की पॉलिसी में रेगुलर हुई कर्मचारी एसीपी स्केल के लिए होंगे पात्र

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के कर्मचारियों को बड़ी राहत दी है। सरकार की 2014 की रेगुलराइजेशन पॉलिसी के तहत रेगुलर हुए कर्मचारी 13 जून 2024 से प्रथम एसीपी स्केल के लाभ के लिए पात्र होंगे। कर्मचारी के लिए पात्रता की शर्तों को पूरा करना जरूरी होगा। इसके अलावा, 13 जून से पहले पात्रता की तिथि से पदोन्नति या प्रथम एसीपी स्केल के लाभ के संबंध में निर्णय बाद में लिया जाएगा। हरियाणा मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा जारी एक पत्र में कहा गया है कि सर्वोच्च न्यायालय के छह मार्च, 2024 के अंतरिम आदेश में जारी निर्देशों के बाद विभिन्न विभागों, बोर्डों और निगमों से काफी मामले आ रहे हैं, जिनमें स्पष्टीकरण मांगा जा रहा है कि 2014 की रेगुलराइजेशन पॉलिसी के तहत नियमित हुए कर्मचारियों को पदोन्नति या प्रथम एसीपी स्केल के लाभ के लिए दावे स्वीकार किए जाएं या नहीं।

किसानों की मांगों को अनसुना न करे सरकार : शिवकुमार कक्का

जींद। यहां जाट धर्मशाला में चार राज्यों से आए किसान नेताओं, किसान संघर्ष समिति, जनता सरकार मोर्चा की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में मध्यप्रदेश से राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के किसान नेता शिवकुमार कक्का ने कहा कि सरकार ने जल्द ही खनौरी बार्डर पर आमरण अनशन कर रहे जगजीत डल्लेवाल के साथ बातचीत कर किसानों की मांगों को पूरा नहीं किया तो यह आंदोलन केवल पंजाब, हरियाणा तक नही बल्कि पूरे देश में फैलेगा। एमएसपी के मुद्दे पर देश के सभी किसान संगठन एक साथ हैं। बैठक में मध्य प्रदेश के शिवकुमार कक्का, केरला से केवी बीजू, उड़ीसा से सचिन महापात्रा, बुंदेलखंड से मनीष राजा, अक्षय नरवाल, प्रियंका खरकरामजी सहित अन्य किसान नेता मौजूद रहे। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिवकुमार कक्का ने कहा कि सभी किसान संगठन वैचारिक रूप से अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन एमएसपी के मुद्दे पर सभी किसान संगठन एक हैं। सरकार अपने वायदे से मुकर रही है और एमएसपी को लागू नहीं किया जा रहा है। जो किसानों के साथ वादाखिलाफी है। सरकार को अपनी हठधर्मिता छोड़ कर किसानों के साथ बातचीत आगे बढ़ानी चाहिए। केरला से आए बीजू ने कहा कि दो दिन पहले गृहमंत्री अमित शाह ने एमएसपी लेकर ब्यान दिया कि एमएसपी 40 प्रतिशत बढ़ा है, जो निराधार है। उड़ीसा से आए सचिन महापात्रा और बुंदेलखंड से मनीष राजा ने सरकार ने जल्द ही बातचीत कर जगजीत डल्लेवाल को अनशन समाप्त नहीं करवाया तो वह अपने राज्यों में आंदोलन शुरू कर देंगे और यह आंदोलन पूरे देश में फैल सकता है।

वातावरण में प्रदूषण बढ़ने पर ग्रैप-4 की पाबंदियां लागू

झज्जर। जिले में वायु गुणवत्ता सूचकांक गंभीर स्तर पर पहुंचने के बाद जिले में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के चौथे चरण की पाबंदियां तत्काल प्रभाव से लागू कर दी हैं। जिला प्रशासन ने जिला वासियों से आह्वान किया है कि वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए नागरिक सिटीजन चार्टर का पालन करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा के दृष्टिगत नागरिकों को जरूरी सावधानी बरतना जरूरी है। नागरिक वायु प्रदूषण के खतरनाक स्तर तक होने के कारण जरूरी कार्य होने पर ही घर से बाहर आवागमन करें। अस्थमा के रोगी दवा को अपनी पहुंच में रखें, यदि कफ,सांस फूलने व बेहोशी जैसी समस्या आती है,तो चिकित्सकों के परामर्श अनुरूप दवा लें। एडीसी ने कहा कि एनसीआर के वातावरण में प्रदूषण का स्तर निर्धारित मानकों से ज्यादा बढ़ गया है। कुछ दिन पूर्व ही प्रदूषण का स्तर कम होने पर ग्रेप-4 की पाबंदियों को हटाया गया था। उन्होंने कहा कि प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर जिला प्रशासन द्वारा फिर से ग्रेप 4 की पाबंदियों को लागू करते हुए विभिन्न विभागों को प्रदूषण नियंत्रण हेतु कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

विभागीय योजनाओं का चार्ट बनाकर काम करेंगे मंत्री

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री के अलावा सभी मंत्री और विधायक अब फील्ड में नजर आएंगे। मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री ने आज मंत्रिमंडल के सहयोगियों तथा विधायकों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री के सभी हलकों में होने वाले 'धन्यवादी दौरों' को लेकर भी चर्चा हुई। साथ ही, विकास का रोडमैप भी बनाने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रदेश के शहरी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर लम्बे समय तक विचार-विमर्श किया गया। बैठक में अधिकारियों को भी वार्डबंदी का काम जल्द पूरा करवाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान कुछ विधायकों ने परिवार पहचान-पत्र की त्रुटियों का

मुद्दा भी उठाया। मुख्यमंत्री को बताया गया कि जिलों में लगाए जा रहे समाधान शिविरों पर और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपने हलकावार किए जाने वाले धन्यवादी दौरे को लेकर भी मंत्रियों व विधायकों से चर्चा की। उन्होंने मंत्रियों को कहा कि वे अपने-अपने विभागों से जुड़ी योजनाओं की मॉनिटरिंग करें। विकास परियोजनाओं को सिरे चढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाएं। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों व विधायकों से भी हलका की प्राथमिकता के आधार पर सूची देने को कहा है। मार्च में हरियाणा की नायब सरकार अपना पहला वार्षिक बजट पेश करेगी। मंत्रियों व विधायकों से इसलिए विकास योजनाओं की लिस्ट बनाने को कहा है ताकि उन्हें बजट में शामिल किया जा सके। उन्होंने ग्राउंड पर चल रहे विकास कार्यों की मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी मंत्रियों व विधायकों को दिए। बैठक में कुछ मंत्रियों के अलावा विधायकों ने अधिकारियों व कर्मचारियों के तबादले की मांग उठाई। मुख्यमंत्री के सामने यह मुद्दा रखते हुए कहा कि सामान्य ट्रांसफर के लिए मंत्रियों को कुछ समय के लिए अधिकार दिए जाने चाहिए। कुछ विधायकों ने तर्क दिया कि फील्ड में अभी भी ऐसे कई अधिकारी व कर्मचारी मुख्य पदों पर बैठे हैं।

जम्मू-कटरा एक्सप्रेस व अन्य एक्सप्रेसवे के संदर्भ में डीआरओ को शिकायत दें

एजेंसी

सोनीपत। जम्मू-कटरा एक्सप्रेसवे, सोनीपत-गोहाना- जींद ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे, बड़वासनी से दिल्ली यूईआर-2, मेरठ-खरखोदा-लोहारू सहित जितने भी एक्सप्रेसवे जिला से गुजरते हैं। उनके नीचे से अगर किसी किसान को चकबंदी रिकॉर्ड के अनुसार रास्ते व खाल बंद होने से दिक्कत आ रही है तो वह इसके लिए लघु सचिवालय सोनीपत स्थित डीआरओ कार्यालय के कमरा नंबर 115 में अपनी शिकायत दे सकते हैं। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि किसान अपनी शिकायत लिखित में दें, ताकि जल्द से जल्द उनका समाधान किया जासके। उपायुक्त डॉ मनोज कुमार लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर में मिली शिकायतों के बाद यह निर्देश दे रहे थे। समाधान शिविर में आई 20 शिकायतों में से आठ शिकायतों को मौके पर ही समाधान करवाया गया। इसके अलावा 12 शिकायतों को समाधान के लिए संबंधित विभागों में भेजा गया। समाधान शिविर में राजस्व विभाग, परिवार पहचान पत्र, स्वास्थ्य विभाग, जनस्वास्थ्य विभाग, पुलिस इत्यादि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई। डीसीपी नरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त अंकिता चौधरी, एसडीएम अमित कुमार, नगराधीश रेणुका नांदल, डीआरओ हरिओम अत्री तथा डीडीपीओ जितेन्द्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पलवल के व्यापारी वर्ग में बदमाशों की धमकी का खौफ ,खेल राज्यमंत्री से मिलकर मांगी सुरक्षा

एजेंसी

पलवल। पलवल में व्यापार मंडल ने शहर के व्यापारियों से रंगदारी मांगने की वारदातों पर रोष व्यक्त किया है। व्यापारियों ने इसको लेकर खेल राज्यमंत्री गौरव गौतम से मुलाकात की और ज्ञापन सौंपा। व्यापार मंडल के प्रधान बलराम गुप्ता की अध्यक्षता में व्यापारियों ने मंत्री से आरोपियों को पकड़ कर सख्त से सख्त सजा दिलाने की मांग की है।

पलवल जिला व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष बलराम गुप्ता ने बताया कि पलवल शहर में व्यापारियों को फिरौती के लिए लगातार धमकियां मिल रही हैं। व्यापारियों के पास विदेश में बैठे बदमाशों के फोन आते हैं। इससे व्यापारियों में भय का माहौल है। रंगदारी मांगने की वारदातें लगातार सामने आ रही हैं, मगर पुलिस मुख्य आरोपियों तक नहीं पहुंच पाई है। उन्होंने कहा कि अनजान फोन से धमकी देने वाले बदमाशों की जल्द से जल्द गिरफ्तार हो। व्यापार मंडल ने मंत्री से मांग की कि शहर में पुलिस की गश्त बढ़ाई जाए। पलवल शहर के बाजारों के प्रत्येक चौराहे पर कैमरे लगाए जाएं और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए उन्हें

निजी हथियारों के लिए लाइसेंस दिए जाएं। साथ ही बाजारों में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही व्यापार मंडल एसपी से मुलाकात कर व्यापारियों को सुरक्षित वातावरण देने की मांग करेगा।वहीं मंत्री गौरव गौतम ने कहा व्यापारी वर्ग के साथ खड़े हैं। किसी भी व्यापारी भाई को कोई नहीं आने दी जायेगी। उनके यथासंभव निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान प्रतिनिधि मंडल में प्रदेश संगठन सचिव प्रवीण गर्ग, अध्यक्ष अन्नू गर्ग, अध्यक्ष रेडिमेट एसोसिएशन विजय तायल जरनल मर्चेंट, देवेंद्र गुप्ता, मंदीप तायल, पीयूष दिलवाली, राजकुमार गुप्ता व दीपक गोयल आदि शामिल थे।

शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों की बैठक में डीसी ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

एजेंसी

रोहतक। शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों की अहम बैठक लघु सचिवालय स्थित कॉफ्रेन्स हाल में हुई। उपायुक्त धीरेन्द्र खडग़टा ने अधिकारियों को निर्देश दिए की वे शहर में भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पंजीकृत रेहड़ी संचालकों के लिए पहले से निर्धारित स्थानों के अलावा नए वेडिंग जोन चिन्हित करें, ऐसा करने वे व्यवस्थित ढंग से अपनी रेहड़ी लगा सकें ताकि शहर में जगह-जगह पर भीड़ न हो। इसके साथ ही शहर में नो वेडिंग जोन भी बनाए जाएं, ताकि वहां पर कोई किसी प्रकार की रेहड़ी ना लगा सकें।उन्होंने कहा कि वेडिंग जोन में वैकल्पिक बिजली का कनेक्शन और पेयजल की सुविधा हो। इसके साथ ही वैकल्पिक शौचालय की भी सुविधा होनी चाहिए। वेंडिंग जॉन में कूड़ा कचरा डालने के लिए डस्टबिन भी रखे जाएं ताकि वहां पर आने वाले आमजन के अलावा रेहड़ी और ठेला संचालक इधर-उधर कचरा ना फेंक कर डस्टबिन में ही कचरा डाल सकें। उन्होंने कहा कि जरूरी नहीं की शहर में बड़े वेंडिंग जॉन स्थापित हों, बल्कि पांच या दस रेहड़ी की क्षमता के वेंडिंग जोन बनाए जा सकते है, जहां पर यह रेहड़ी आसानी से खड़ी हो सकें। वेंडिंग जोन में केवल पंजीकृत रेहड़ी संचालकों को ही

जगह दी जाए। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेहड़ी संचालकों को पहचान पत्र जारी किए जाएं। साथ ही रेहडी संचालकों को सख्त चेतावनी भी दे कि वे जहां पर रेहडी लगा रहे है, वहां पर किसी प्रकार का पक्का निर्माण नही करे, क्योकि जो जगह उन्हें रेहडी लगाने के लिए दी जा रही है, वह अस्थाई तौर पर रहेगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को वेंडिंग जोन के लिए पूरे शहर में सभी वार्डों में सर्वे करने के भी निर्देश दिए। सामान्य वार्डों के साथ-साथ हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के वार्डों में भी सर्वे किया जाए तथा जरूरत के अनुरूप सक्षम के तहत युवाओं को शामिल करें।बैठक में नगर निगम आयुक्त धर्मेंद्र सिंह, अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त भूपेंद्र सिंह, एचएसबीसी के संपदा अधिकारी मुकुंद तंवर, पुलिस उपाधीक्षक वीरेंद्र सिंह, जिला नगर योजनाकार सुमनदीप प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

प्रतिभागियों को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए महत्वपूर्ण कौशल से युक्त करना ही उद्देश्यः प्रो. सुनीता

एजेंसी

हिसार। गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) में 'क्षमता निर्माण एवं शैक्षणिक नेतृत्व' विषय पर लघु अवधि कार्यक्रम शुरू किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रायोजित यह ऑनलाइन कार्यक्रम 21 दिसंबर तक चलेगा। एमएमटीटीसी की निदेशिका प्रो. सुनीता रानी ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को शैक्षणिक एवं प्रशासनिक उत्कृष्टता के लिए महत्वपूर्ण कौशल से युक्त करना है। प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिदिन आयोजित होने वाले चार सत्रों में संचार, नैतिक नेतृत्व,

वित्तीय कौशल, निर्णय लेने और सहयोगी नेतृत्व जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। इन सत्रों में उद्योग भागीदारी, समावेशी शिक्षा और परिवर्तनकारी नेतृत्व जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी, जिससे उच्च शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए रणनीतिक क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम में 80 से अधिक प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।एमएमटीटीसी के उप निदेशक डॉ. हरदेव सैनी ने कहा कि कार्यक्रम की उपयोगिता बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों के विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के डॉ. मणि श्रेष्ठ और रसायन विज्ञान विभाग के डॉ. महावीर प्रसाद द्वारा समन्वित यह कार्यक्रम विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक भूमिकाओं में लगे संकाय सदस्यों के लिए तैयार किया गया है।कार्यक्रम के पहले दिन आईआईएम रायपुर के निदेशक प्रो. रामकुमार काकानी ने 'उच्च शिक्षा प्रणाली में करियर के विभिन्न चरणों में अकादमिक क्षेत्र में सफलता की खोज' विषय पर प्रतिभागियों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा की। कार्यक्रम के समन्वयकों ने बताया कि आने वाले दिनों में प्रतिभागियों की योग्यता और शैक्षणिक कौशल को बढ़ाने के लिए ऐसे कई और सत्रों की योजना बनाई गई है।

फर्जी सर्टिफिकेट से सोहना नप का चुनाव जीती चेयरपर्सन अंजू देवी की गई कुर्सी

एजेंसी

गुरुग्राम। सोहना नगर परिषद की चेयरपर्सन भाजपा नेत्री अंजू देवी की आखिरकार कुर्सी पर संकट आ ही गया। आठवीं कक्षा का फर्जी सर्टिफिकेट लगाकर उन्होंने चुनाव लड़ा था। आम आदमी पार्टी की टिकट पर चुनाव लडने् वाली प्रत्याशी ललिता ने अंजू देवी की शिकायत करके केस दर्ज कराया था। अंजू देवी 30 दिन राजस्थान में जेल में भी रहीं। जमानत पर रिहा होकर भाजपा सरकार ने उन्हें फिर से चेयरपर्सन पद पर बिठा दिया था। 19 जून 2022 को नगर परिषद सोहना के चुनाव हुए थे। इस चुनाव में अंजू देवी ने जीत दर्ज की थी। अंजू देवी द्वारा चुनाव प्रक्रिया में जमा कराए गए दस्तावेजों में से 8वीं कक्षा की मार्कशीट को फर्जी बताते हुए आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार ललिता ने राजस्थान में केस दर्ज कराया था। साथ ही पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी याचिका दायर की थी। अंजू देवी को 28 मई 2023 को नगर परिषद सोहना के वार्ड-2 स्थित गलोबल हाईट सोसायटी के फ्लैट से राजस्थान पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया था। उन्हें अदालत ने जमानत ना देकर जेल भेज दिया। 30 दिन तक वे राजस्थान में जेल में रहीं। जेल जाने के साथ ही हरियाणा सरकार ने अंजू देवी को चेयरपर्सन पद से निलंबित कर दिया था। चेयरपर्सन का चार्ज वाईस चेयरपर्सन को दे दिया गया। चार जुलाई को अंजू देवी की जमानत याचिका को अदालत ने स्वीकार करके जमानत दे दी थी।

जिला योजनाकार विभाग ने दो निर्माणों पर चलाया पीला पंजा

एजेंसी

हिसार। हिसार जिला योजनाकार विभाग की टीम ने हांसी में दो स्थानों पर जेसीबी की मदद से अवैध निर्माण ध्वस्त किए। इस दौरान काफी संख्या पुलिस कर्मचारी मौजूद थे। जिला योजनाकार विभाग की टीम सुबह पहले राजमार्ग स्थित शेरे पंजाब होटल पहुंची और कंट्रोल्ड एरिया में बिना अनुमति के किए गए निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया। जिला योजनाकार अधिकारी गुंजन वर्मा ने बताया कि हिसार दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित शेरे पंजाब होटल के द्वारा किए गए अवैध निर्माण को जेसीबी की मदद से ध्वस्त किया गया है। उन्होंने बताया कि शेरे पंजाब होटल जिला योजनाकार विभाग के कंट्रोल्ड एरिया में बिना अनुमति के बनाया हुआ था। उसके बाद जिला योजनाकार विभाग की टीम ने तोशाम रोड स्थित हरियाणा गौशाला के सामने पैट्रोल पंप पहुंची और पैट्रोल पंप के बनाए गए एक मकान को जेसीबी की मदद से गिरा दिया गया। जिला योजनाकार विभाग की कार्रवाई का आवास मालिक उत्तम नगर निवासी बलजीत ने विरोध किया और उनके मकान को गिरा रही जेसीबी को रोकने का प्रयास किया लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने बलजीत को पकड़ लिया। योजनाकार विभाग से भवन निर्माण करने की अनुमति नहीं ले रखी थी और विभाग के कंट्रोल्ड एरिया में बनाए गए भवन को तोड़ने के मकान मालिक को नोटिस भी दे रखा था। मकान मालिक

इसी दौरान बलजीत के परिजन भी मौके पर पहुंच गए और हंगामा करने लगे लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों के सामने उनकी एक नहीं चली और योजनाकार विभाग ने मकान को जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दिया।जिला योजना कर अधिकारी गुंजन वर्मा ने बताया कि बलजीत सिंह द्वारा उनके विभाग के कंट्रोल्ड एरिया की जमीन पर मकान बनाया हुआ था। मकान मालिक बलजीत ने जिला द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाया जिसकी वजह से मकान पर पीला पंजा चलाया गया है। उधर, मकान मालिक बलजीत ने बताया कि इस निर्माण से संबंधित मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। बलजीत ने बताया कि इस मामले को लेकर अब वे उच्चतम न्यायालय में जाएंगे। बलजीत ने बताया कि जब उन्होंने पुलिस प्रशासन से मकान तोड़ने के आदेश की कॉपी मांगी तो पुलिस प्रशासन ने आदेश की कॉपी नहीं दिखाई।

बांग्लादेशी घुसपैटियो एवं रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर फरीदाबाद पुलिस अलर्ट

एजेंसी

फरीदाबाद। बांग्लादेशी घुसपैटियो एवं रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर फरीदाबाद पुलिस अलर्ट हो गई है और पुलिस ने सर्च अभियान चलाया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि दिल्ली में अवैध रुप से रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर छापेमारी की गई है। जिसके कारण दिल्ली में रह रहे बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों का फरीदाबाद में आगमन की संभावना से इंकार नही किया जा सकता, जिसपर संज्ञान लेते हुए पुलिस आयुक्त सौरभ सिंह ने फरीदाबाद पुलिस के सभी पुलिस उपायुक्त को निर्देशित किया है कि अपने अपने क्षेत्र में इस ओर विशेष ध्यान देकर निगरानी का स्तर बढ़ाया जाए तथा लगातार चेकिंग कराई जाए। दिल्ली से बांग्लादेशी व रोहिंग्या मुसलमानों का फरीदाबाद में आगमन की संभावना के मध्यनगर पुलिस आयुक्त फरीदाबाद के दिशा निर्देशों के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए सभी थाना प्रबंधक, चौकी प्रभारियों व अपराध शाखा की टीमों द्वारा दिल्ली के सीमावर्ती क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया जा रहा है, साथ ही फरीदाबाद स्थित होटलों/धर्मशालाओं/सराय इत्यादि की चैकिंग के साथ-साथ यातायात व लोकल पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर वाहनों की

भी चेकिंग की जा रही है। मामले को लेकर फरीदाबाद पुलिस गम्भीर है किसी भी घुसपैटिया को फरीदाबाद में प्रवेश नही करने दिया जाएगा। फरीदाबाद पुलिस के गुप्त तंत्रों अलर्ट है और सभी प्रबंधक थाना, चौकी प्रभारी व अपराध शाखा द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में लगातार सर्च की जा रही है।

एडीसी सी. जयाश्रद्धा ने लिया राखीगढ़ी महोत्सव की तैयारी का जायजा

एजेंसी

हिसार। जिला प्रशासन की ओर से 20 से 22 दिसंबर तक तीन दिवसीय राखीगढ़ी महोत्सव मनाया जाएगा। इसकी तैयारी जोर शोर से की जा रही है।

अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा एवं हांसी पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को साथ लेकर समारोह स्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने महोत्सव बारे की जा रही तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को 19 दिसंबर तक तमाम प्रबंध पूर्ण करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त सी. जयाश्रद्धा ने बताया कि राखीगढ़ी महोत्सव की तैयारियां तेजी से की जा रही है।

सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित कर उन्हें निर्देश दे दिए गए हैं कि 19 दिसंबर तक सभी तैयारियां पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस महोत्सव में विभिन्न प्रकार के खेलो, सांस्कृतिक गतिविधियां तथा सेमिनारों का आयोजन किया जाएगा। इनके अलावा लगभग सभी विभागों द्वारा प्रदर्शनी स्टाले भी लगाई जाएगी। राखी गढ़ी

महोत्सव को देखने के लिए आने वाले लोगों को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। लोगों की सुविधा के लिए वाहन पार्किंग की अलग से व्यवस्था की गई है। हांसी पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा ने बताया कि महोत्सव में सुरक्षा को लेकर व्यापक कड़े प्रबंध किए जाएंगे। इसको लेकर समारोह स्थल का जायजा ले लिया गया है और पर्याप्त पुलिस अधिकारी तथा कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित करने के निर्देश दे दिए गए हैं। इस अवसर पर एसीयूटी कनिका गोयल, नारनौंद उपमंडल के एसडीएम मोहित महराणा, हिसार एसडीएम हरबीर सिंह, डीएसपी राज सिंह, जीएम रोडवेज हिसार डॉ. मंगल सेन, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी नरेंद्र सिंह, जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी रोहित कुमार सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

हरियाणा में जल्द बनेंगे नए जिले व उपमंडल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने नए जिलों के गठन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। नायब सरकार द्वारा विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्णलाल पंवार की अध्यक्षता में बनाई गई कैबिनेट सब-कमेटी की पहली बैठक चंडीगढ़ में हुई। बैठक में कमेटी के सदस्यों के रूप में राजस्व एवं शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, संसदीय कार्य मामले मंत्री महीपाल सिंह ढांडा व कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा मौजूद रहे। एफसीआर तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी तथा विकास एवं पंचायत विभाग के आयुक्त एवं सचिव अनुराग अग्रवाल के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारी बैठक में मौजूद थे। बैठक में नये जिलों, उपमंडलों, तहसील व उप-तहसील की मांग से जुड़े लगभग एक दर्जन एजेंडे रखे गए। कैबिनेट सब-कमेटी ने सभी मांगों को लेकर संबंधित जिलों के डीसी से रिपोर्ट मांगने का निर्णय लिया है। डीसी द्वारा जिले, उपमंडल, तहसील व उप-तहसील निर्माण से जुड़ी मांगों का ग्राउंड पर अध्ययन करवाया जाएगा। डीसी विस्तृत रिपोर्ट बनाकर भेजेंगे। जिस शहर को नया जिला बनाया जाना है, उसमें कौन-कौन से हलके, उपमंडल, शहर, कस्बे, तहसील, उप-तहसील, ब्लाक समिति व गांव शामिल होंगे। इसकी रिपोर्ट भी जिला उपायुक्तों को भेजनी होगी। इसी तरह उपमंडल को लेकर भी पूरी रिपोर्ट जिलों से आएगी।जिला उपायुक्तों के पास से रिपोर्ट आने के बाद कैबिनेट सब-कमेटी उस पर मंथन करेगी। इसके बाद ही कमेटी द्वारा कोई निर्णय लिया जाएगा। पूरी प्रक्रिया को पूरी करने के बाद कमेटी भी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को अपनी रिपोर्ट देगी। प्रदेश में अभी तक 2011 की जनगणना के हिसाब से काम चल रहा है। ऐसे में नई जनगणना हुए बिना नये जिलों, उपमंडल व तहसील आदि के बनने की मांग में और भी देरी हो सकती है। इससे पहले सब-कमेटी अपनी बाकी प्रक्रिया पूरी कर लेना चाहती है। प्रदेश में हांसी, गोहाना, असंध, डबवाली और मानेसर को नया जिला बनाने की मांग लम्बे समय से की जा रही है।

सोना चांदी के भाव में कमी

इंदौर। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोना तथा चांदी गिरावट लिए बताई गई। आज चांदी सिक्का स्थिर रहा। विदेशी बाजार में सोना 2640 डालर व चांदी 3030 सेन्ट प्रति औंस बिकी। उल्लेखनीय है कि सोना-चांदी के भाव में देर रात तक फेरबदल होता रहता है। सोना 78400 रुपये प्रति 10 ग्राम। चांदी 90700 रुपये प्रति किलोग्राम। चांदी सिक्का 1125 रुपये प्रति नग।

एस्सार की ग्रीनलाइन ने एक्साइड इंडस्ट्रीज के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली। एस्सार की ग्रीन मोबिलिटी पहल का हिस्सा ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड ने बैटरी निर्माता एक्साइड इंडस्ट्रीज के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि यह सहयोग ग्रीनलाइन के पर्यावरण के अनुकूल एलएनजी-संचालित ट्रकों को एक्साइड के लॉजिस्टिक्स संचालन में एकीकृत करेगा, जो एक्साइड की आपूर्ति श्रृंखला को इसके स्थिरता लक्ष्यों के साथ संरेखित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ग्रीनलाइन के एलएनजी-संचालित बेड़े को अपनाकर एक्साइड ने अपने पर्यावरण फुटप्रिंट को कम करने की दिशा में एक साहसिक कदम उठाया है। ग्रीनलाइन का एलएनजी-संचालित बेड़ा उन्नत तकनीक, वास्तविक समय वाहन निगरानी, विष्यसूचक विश्लेषण और बढ़ी हुई सुरक्षा सुविधाओं से लैस है। ये ट्रक पारंपरिक डीजल से चलने वाले वाहनों का लागत प्रभावी, विश्वसनीय और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प प्रदान करते हैं, जिनकी एक टैंक पर रेंज 1,200 किलोमीटर तक है, जो उन्हें एक्साइड की लंबी दूरी की परिवहन आवश्यकताओं के लिए आदर्श बनाता है। ग्रीनलाइन मोबिलिटी सॉल्यूशंस लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आनंद मिमानी ने कहा, यह सहयोग इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे अत्याधुनिक लॉजिस्टिक्स समाधान बैटरी उद्योग की अनूठी मांगों के साथ तालमेल बिठा सकते हैं और पर्यावरण पर मापने योग्य प्रभाव डाल सकते हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिका रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.05 प्रतिशत लुढ़ककर 69.97 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह इस दौरान लंदन ब्रेंट क्रूड 0.83 प्रतिशत उतरकर 73.30 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

मारूति सुजुकी एक वर्ष में बनाये 20 लाख वाहन

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपने इतिहास में पहली बार एक कैलेंडर वर्ष में 20 लाख वाहनों का उत्पादन करने की घोषणा करते हुये आज कहा कि हरियाणा के खरखौदा में 10 लाख वाहन निर्माण का संयंत्र का काम चल रहा है तथा 10 लाख वाहन उत्पादन क्षमता का एक और ग्रीन फील्ड संयंत्र लगाने के लिए स्थान का तलाश किया जा रहा है। कंपनी ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि मारुति सुजुकी वर्तमान में तीन विनिर्माण सुविधाएं संचालित करती है। हरियाणा में दो (गुड़गांव और मानेसर) और गुजरात में एक (हंसलपुर)। इन सुविधाओं की संयुक्त वार्षिक उत्पादन क्षमता 23.5 लाख वाहन है। भारत और दुनिया भर में ऑटोमोबाइल की बढ़ती मांग की प्रत्याशा में, कंपनी अपनी वार्षिक उत्पादन क्षमता को 40 लाख यूनिट तक बढ़ाने की योजना बना रही है। इसके लिए, यह हरियाणा के खरखौदा में एक नई ग्रीनफील्ड विनिर्माण सुविधा स्थापित कर रही है। खरखौदा साइट पर निर्माण कार्य योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है और 2.50 लाख इकाइयों की वार्षिक क्षमता वाला पहला संयंत्र 2025 में चालू होने की उम्मीद है। एक बार पूरी तरह से चालू होने के बाद, खरखौदा सुविधा की योजना प्रति वर्ष 10 लाख यूनिट की होगी। इसके अतिरिक्त, मारुति सुजुकी 10 लाख यूनिट की वार्षिक क्षमता वाली एक और ग्रीनफील्ड सुविधा की योजना बना रही है और इस नई सुविधा के लिए उपयुक्त स्थान की पहचान करने की प्रक्रिया में है।

इनोवेशन, निवेश और विशेषज्ञता द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ा रहे हैं निजी संस्थान

नयी दिल्ली। विशेषज्ञों ने उच्च शिक्षा में कौशल की खामियों को दूर करने और इसे सुलभ बनाने के लिए आधुनिक दृष्टिकोण पर विचार करने की अपील करते हुये कहा है कि निजी संस्थान इनोवेशन, निवेश एवं विशेषज्ञता के द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एजुकेशन प्रोमोशन सोसाइटी फॉर इंडिया (ईपीएसआई) ने आज यहां इस विषय पर गोलमेज चर्चा और सम्मान समारोह का आयोजन किया जहां विशेषज्ञों ने ये बातें की। इस कार्यक्रम में विचारक, नीतिनिर्माता और शिक्षा क्षेत्र के उद्यमी एक मंच पर इकट्ठा हुए, जिन्होंने भारत में उच्च शिक्षा में प्राइवेट सेक्टर की भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

दूसरी तिमाही की जीडीपी वृद्धि में कमी अस्थायी झटका, अर्थव्यवस्था में बेहतर ग्रोथ देखने को मिलेगी: सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 5.4 फीसदी रही है। यह आंकड़ा उम्मीद से कम है, लेकिन आने वाली तिमाहियों में इसमें सुधार होगा। वित्त मंत्री ने लोकसभा में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान की अनुपूरक मांगों पर अपने जवाब में कहा कि दूसरी तिमाही में वृद्धि की प्रवृत्ति एक अस्थायी झटका है और अगली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में बेहतर वृद्धि देखने को मिलेगी। सीतारमण ने कहा कि सरकार पूंजीगत व्यय के जरिए विकास को आगे बढ़ा रही है, ताकि अर्थव्यवस्था में इसके गुणक प्रभाव को फैलाया जा सके।सीतारमण ने कहा कि दूसरी

तिमाही भारत और दुनिया की अधिकांश अन्य अर्थव्यवस्थाओं के लिए चुनौतीपूर्ण रही है। पिछले तीन वर्षों में देश की जीडीपी वृद्धि औसतन 8.3 फीसदी रही है। वैश्विक मानकों के हिसाब से यह एक बेहतरीन संख्या है। वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.7 फीसदी और जुलाई-सितंबर अवधि में 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। सीतारमण ने कहा कि दूसरी तिमाही में उम्मीद से कम 5.4 फीसदी की जीडीपी वृद्धि दर एक ''अस्थायी झटका'' है, लेकिन आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में अच्छी वृद्धि देखने को मिलेगी।सीतारमण ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने कहा कि एनडीए शासन में इस पर बेहतर नियंत्रण है, जबकि यूपीए के शासन में यह दोहरे अंक को छू गई थी। विनिर्माण क्षेत्र में कोई सामान्य मंदी नहीं है, आधे विनिर्माण क्षेत्र मजबूत वृद्धि के संकेत दे रहे हैं। अप्रैल से अक?टूबर 2024-25 के दौरान खुदरा महंगाई 4.8 फीसदी रही, यह कोरोना महामारी के बाद सबसे कम है। वित्त मंत्री ने कहा कि बेरोजगारी दर वित्त वर्ष 2017-18 में 6 फीसदी से घटकर अब 3.2 फीसदी हो गई है। वित्त मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रथम अनुपूरक मांग राशि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में काफी कम है, जो बजट निर्माण के बजट अनुमान में अधिक सटीकता दर्शाती है। लोकसभा ने चर्चा के बाद करीब 87,762 करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के पहले बैच के सरकार के प्रस्ताव को पारित कर दिया, जिसमें 44,123 करोड़ रुपये का शुद्ध नकद व्यय शामिल है।

कैरारो इंडिया का आईपीओ 20 दिसंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 668-704 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। ऑटो पार्ट निर्माता कंपनी कैरारो इंडिया लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 20 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 668-704 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि कैरारो इंडिया लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 20 दिसंबर को खुलेगा और 24 दिसंबर को बंद होगा। इस शेयर के लिए बड़े (एंकर) निवेशक 19 दिसंबर को बोली लगा सकेंगे। कंपनी की योजना इसके जरिए 1,250 करोड़ रुपये जुटाने की है। कैरारो इंडिया लिमिटेड के शेयर बीएसई और एनएसई पर 30 दिसंबर को सूचीबद्ध होंगे। कैरारो इंडिया के मुताबिक 10 रुपये प्रति शेयर अंकित मूल्य वाले इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 21

इक्विटी शेयरों और उसके बाद 21 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। आईपीओ से प्राप्त पूरी धन राशि कंपनी के बजाय सीधे कैरारो इंटरनेशनल एस ई को ही मिलेगी।

देश में 15 दिसंबर तक चीनी का उत्पादन 17 फीसदी घटकर 61.39 लाख टन

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में चालू चीनी विपणन सत्र 2024-25 में 15 दिसंबर 2024 तक 61.39 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है। पिछले चीनी विपणन सत्र में इसी अवधि तक 74.05 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस तरह चीनी के उत्पादन में अब तक 17 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई है। हालांकि, उत्पादन के आंकड़ों में चीनी का इथेनॉल निर्माण के लिए उपयोग की मात्रा शामिल नहीं है।

चीनी उद्योग के प्रमुख निकाय भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने जारी एक बयान में बताया कि महाराष्ट्र में चीनी के उत्पादन में आई गिरावट के कारण अक्टूबर में शुरू हुए चालू विपणन सत्र 2024-25 में 15 दिसंबर 2024 तक चीनी का उत्पादन 17 फीसदी घटकर 61.39 लाख टन रहा है। इस्मा के मुताबिक इस साल चालू कारखानों की संख्या 477 है, जबकि पिछले साल इसी तारीख को 496 चीनी मिलें चालू थीं। इस्मा के जारी आंकड़ों के मुताबिक 15 दिसंबर तक उत्तर प्रदेश में चीनी का उत्पादन 22.11 लाख टन से बढ़कर 23.04 लाख टन पर पहुंच गया है। हालांकि, महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन 24.45 लाख टन

से घटकर 16.78 लाख टन रहा। वहीं, कर्नाटक में चीनी का उत्पादन 17.56 लाख टन से घटकर 13.85 लाख टन रह गया है। उद्योग निकाय इस्मा ने कहा कि ''इस साल चीनी का इथेनॉल के निर्माण में इस्तेमाल पिछले साल के 21.5 लाख टन के मुकाबले करीब 40 लाख टन ज्यादा रहने का अनुमान है।''

इस्मा ने कहा कि इस साल कर्नाटक में चीनी मिलें पिछले साल की तुलना में करीब 7-12 दिन देरी से शुरू हुईं, जबकि एक अन्य प्रमुख राज्य महाराष्ट्र में चीनी मिलें पिछले साल की तुलना में 15-20 दिन देरी से चालू हुईं। हालांकि, इन प्रमुख राज्यों में देरी से पेराई शुरू होने के बावजूद चालू मिलों की संख्या और संबंधित पेराई दर में तेजी से वृद्धि हो रही है।

आय फाइनेंस लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। गुरुग्राम स्थित एमएसएमई ऋणदाता कंपनी आय फाइनेंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के माध्यम से 1,450 करोड़ रुपये जुटाने की है।

सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के अनुसार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी आय फाइनेंस लिमिटेड ने 1,450 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए अपना डीआरएचपी दाखिल किया है। कंपनी के 02 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले प्रस्?तावित इस आईपीओ में 885 करोड़ रुपये तक का नया इश्यू और कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत विक्रय शेयरधारकों द्वारा 565 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। ओएफएस में भाग लेने वालों में मुख्?य रूप से एलजीटी कैपिटल, कैपिटलजी एलपी, ए91 इमर्जिंग फंड आई एलएलपी और अल्फा वेव वेंचर्स जैसे प्रमुख निवेशक शामिल

हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023 में 43.9 करोड़ रुपये से वित्त वर्ष 2024 में कर पश्चात लाभ (पीएटी) में 291.5 फीसदी की वृद्धि दर्ज करते हुए 171.7 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। आया फाइनेंस का शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात 0.9 फीसदी और प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) 72 फीसदी है, जो अपने क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ में से एक है। उल्लेखनीय है कि गुरुग्राम स्थित आय फाइनेंस लिमिटेड एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है। यह कंपनी पूरे भारत में सूक्ष्म-स्तरीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ऋण प्रदान करने पर केंद्रित है। यह कंपनी इस क्षेत्र में देश की बढ़ती हुई ऋण मांग का लाभ उठाने के लिए तैयार है।

टॉस द कॉइन और जंगल कैंप्स इंडिया की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में एसएमई सेगमेंट की दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए कारोबार की शुरुआत की। दोनों कंपनियों के शेयरों की लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ हुई। इनमें से टॉस द कॉइन के शेयर खरीददारी के सपोर्ट से अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। जंगल कैंप्स इंडिया के शेयर मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण गिरावट का शिकार होकर लोअर सर्किट पर पहुंच गए। मार्केटिंग कंसल्टिंग फर्म टॉस द कॉइन के शेयर की आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी ने 182 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज कंपनी के शेयर 345.80 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से टॉस द कॉइन के शेयर उछल कर 363.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा पहले दिन ही लगभग दोगुना हो गया है। टॉस द कॉइन का 9.17 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 12 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलने के कारण ये ओवरऑल 1,025.76 गुना सब्सक्राइब हुआ था?। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 147.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 964.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 1,550.76 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 5.04 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं।

आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर आयकर विभाग ने चलाया अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर रिटर्न (आईटीआर) और वार्षिक सूचना विवरण (एआईएस) में अंतर के बारे में सूचित करने के लिए अभियान चलाया है। आईटीआर और एआईएस में अंतर को लेकर टैक्सपेयर्स और रिटर्न दाखिल नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल भेजा जा रहा है।आयकर विभाग ये एसएमएस और ई-मेल उन मामलों में भेज रहा है, जहां वित्त वर्ष 2023-24 और वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एआईएस में लेनदेन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर में बताई गई इनकम के बीच अंतर पाया गया है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने वित्त वर्ष 2023-24 और वित?त वर्ष 2021-22 के लिए एआईएस में रिपोर्ट की गई आय और लेन-देन

तथा आयकर रिटर्न में इनकम और लेन-देन के बीच अंतर को हल करने में करदाताओं की सहायता के लिए एक अभियान शुरू किया है। इसके जरिए उन व्यक्तियों को भी चिन्हित किया गया है, जिनकी कर योग्य इनकम या महत्वपूर्ण उच्च-मूल्य लेन-देन उनके एआईएस में रिपोर्ट किए गए हैं, लेकिन उन्होंने संबंधित वित्त वर्ष के लिए आईटीआर दाखिल नहीं किया है। सीबीडीटी ने कहा कि ये पहल ई-सत्यापन योजना, 2021 के कार्यान्वयन का हिस्सा है। इस अभियान के तहत उन मामलों में करदाताओं और आयकर रिटर्न जमा नहीं करने वालों को एसएमएस और ई-मेल के जरिए सूचनात्मक संदेश भेजे गए हैं, जहां वार्षिक सूचना विवरण में लेन-देन के बारे में दी गई जानकारी और आईटीआर की सूचना के बीच अंतर है। सीबीडीटी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य उन करदाताओं को इसके बारे में याद दिलाना और उनका मार्गदर्शन करना है। इससे वे वित्त वर्ष 2023-24 के लिए संशोधित आईटीआर दाखिल कर सकेंगे, जिसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2024 है। वित्त वर्ष 2021-22 से संबंधित मामलों के लिए करदाता 31 मार्च, 2025 की समय-सीमा तक अद्यतन आईटीआर दाखिल कर सकते हैं। सीबीडीटी ने पिछले महीने एक अभियान शुरू किया था। इसके तहत उन करदाताओं को संदेश भेजे गए थे जिन्होंने आकलन वर्ष 2024-25 के लिए अपने आईटीआर में उच्च मूल्य वाली विदेशी आय या संपत्ति का खुलासा नहीं किया है।

जेम के माध्यम से खरीद को बढ़ावा देने के लिए देहरादून में बूट कैंप आयोजित

एजेंसी

नई दिल्ली। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) ने खरीद को बढ़ावा देने के लिए देहरादून के आईआरडीटी ऑडिटोरियम में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम 'जीईएम विक्रेता संवाद 2024 उत्तराखंड' का आयोजन किया।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जेम के समावेशिता के मुख्य आधार पर आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तराखंड के विक्रेताओं, उद्यमियों, एफपीओ आदि के सामने जेम पोर्टल को प्रभावी ढंग से उपयोग करने के दौरान आने वाली विभिन्न चुनौतियों की पहचान करना और उनका समाधान करना था। इस संवाद कार्यक्रम में 60 से ज?यादा विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। मंत्रालय के मुताबिक इससे क्षेत्र के विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं के बीच जागरुकता बढ़ाने तथा पोर्टल को अपनाने में सहायता मिली। संवाद के दौरान हितधारकों को गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म की डिजिटल क्षमताओं, विशेषताओं और कार्यात्मकताओं की सूक्ष्म समझ प्रदान करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। इसके अलावा विक्रेता यात्रा की प्रमुख उपलब्धियों पर गहन चर्चा की गई और सूचनात्मक प्रश्नोत्तर सत्रों के दौरान हितधारकों की कई समस्याओं का तुरंत समाधान किया गया। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि कार्यक्रम में त्वरित सहायता के लिए एक समर्पित गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गई। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस इको-सिस्टम में नए विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं को शामिल करने के लिए पंजीकरण अभियान भी चलाया गया। वर्तमान में उत्तराखंड के लगभग 20 हजार विक्रेता और सेवा प्रदाता गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पोर्टल पर पंजीकृत हैं। इनमें से 10,500 से अधिक एमएसई और 1900 से अधिक महिला-नेतृत्व वाले उद्यम डेढ़ लाख से अधिक सरकारी खरीदारों तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस का लाभ उठा रहे हैं। 11 दिसंबर, 2024 तक उत्तराखंड स्थित विक्रेताओं द्वारा देशभर में सरकारी खरीदारों के लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस पर 8950 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पूरे किए गए हैं। इस हिस्से का करीब 50 फीसदी हिस्सा राज्य के एमएसई द्वारा दिया जाता है। राज्य में अपनी पहुंच बढ़ाने और क्षमता निर्माण उपायों को बढ़ाने पर केंद्रित इस संवाद कार्यक्रम का प्रस्ताव आउटरीच बढ़ाने और क्षमता निर्माण उपायों को बढ़ाने के लिए रखा गया था। मुख्य खरीद अधिकारी (राज्य) एवी मुरलीधरन ने कहा कि इस तरह की पहल जागरुकता बढ़ाने और क्षेत्र के विक्रेताओं और सेवा प्रदाताओं की डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करने के लिए उपयोगी है।

भारत बनेगा विश्व की अक्षय ऊर्जा राजधानी : प्रल्हाद जोशी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा कि भारत न केवल ऊर्जा क्रांति का साक्षी बन रहा है, बल्कि दुनिया की अक्षय ऊर्जा राजधानी भी बन रहा है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-नवंबर अवधि में भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता सालाना आधार पर लगभग दोगुना होकर 15 गीगावाट हो गई है। यह 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म क्षमता के लक्ष्य के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने नई दिल्ली में 5वें भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (आईईसीई) को संबोधित करते हुए कहा, भारत अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में जो कुछ कर रहा है, उस पर न केवल दुनिया की निगाह है, बल्कि कई देशों ने इसे अपनाया भी है। उन्होंने भारत की पहल के तहत वैश्विक सहयोग के

लिए एक औपचारिक व्यवस्था के रूप में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिस पर 120 देश हस्ताक्षरकर्ता हैं।

इस अवसर पर उन्होंने ऊर्जा संक्रमण निवेश मॉनिटर पर सीआईआई-ईवाई रिपोर्ट का दूसरा संस्करण भी लॉन्च किया। ये व्यापक रिपोर्ट भारत के गतिशील ऊर्जा परिदृश्य में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इस वर्ष के सम्मेलन का विषय ऊर्जा परिवर्तन पर वैश्विक संवाद, विकसित हो रहे वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

उद्योग प्रशिक्षण के लिए एआईसीटीई और सीआईआई ने की साझेदारी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने कौशल विकास पर 11वें सीआईआई वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया। इस सहयोग का उद्देश्य सभी एआईसीटीई अनुमोदित तकनीकी संस्थानों में वर्तमान और भविष्य में उद्योग जगत की जरूरतों पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करना है। इस दौरान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव एवं राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के अध्यक्ष अतुल कुमार तिवारी, एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम, भारत में ऑस्ट्रेलिया के उप उच्चायुक्त निकोलस मैककैफ्रे, सीआईआई राष्ट्रीय कौशल विकास और आजीविका समिति के अध्यक्ष, सीआईआई विमानन समिति, आकासा एयरलाइंस के सह-संस्थापक और बोर्ड सदस्य, होमेज के संस्थापक व निरंतर सेवा की केंद्रीय क्षमता टीम के अध्यक्ष आदित्य घोष समेत कई गण्यमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रो. टी.जी. सीताराम ने भारत के विकास को गति देने के लिए कौशल विकास को एक महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए कहा कि हम अपने अद्वितीय जनसांख्यिकीय परिस्थिति का लाभ उठाने के लिए एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरू कर रहे हैं।

चौतरफा बिकवाली से शेयर बाजार में कोहराम, बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली और हेवीवेट शेयरों में आई कमजोरी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की लेकिन पहले 20 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवालों ने दबाव बढ़ा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से शेयर बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.30 प्रतिशत और निफ्टी 1.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज के कारोबार में सबसे अधिक गिरावट बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, मेटल, ऑयल एंड गैस और एनर्जी सेक्टर में दर्ज की गई। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 5 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 455.08 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.06 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.98 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,107 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,576 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,441 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 90 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,521 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 794 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,727 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल सभी 30 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से सिर्फ 1 शेयर हरे निशान में और 49 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 236.76 अंक की कमजोरी के साथ 81,511.81 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 81,613.64 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में चौतरफा बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक 1,136.37 अंक टूट कर 80,612.20 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी 5 मिनट के कारोबार में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 70 अंक की रिकवरी करके 1,064.12 अंक की गिरावट के साथ 80,684.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 83.45 अंक की कमजोरी के साथ 24,584.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक उछल कर 24,624.10 अंक तक पहुंचने में सफल रहा, लेकिन इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण ये सूचकांक आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले 364.80 अंक की गिरावट के साथ 24,303.45 अंक तक लुढ़क गया।

गुणों का खजाना है करेले का कड़वा जूस, शुगर से लेकर वजन तक रहता है कंट्रोल

करेले का नाम सुनते ही ज्यादातर लोग मुंह बिचकाने लगते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोजाना इसका जूस पीना आपकी सेहत के लिए कितना फायदेमंद (Benefits of Karela Juice) हो सकता है। करेले के जूस में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं जिनकी मदद से बॉडी को डिटॉक्स करने में काफी मदद मिल सकती है। साथ ही यह कई बीमारियों से बचाव में भी मददगार है।

कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर करेला किसी औषधी से कम नहीं है। इसमें विटामिन-सी, विटामिन-ए, पोटेशियम, मैग्नीशियम, आयरन, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। करेले में मौजूद मॉमॉर्डिसिन और पोलिपेप्टाइड-पी नामक एक्टिव तत्व इसे डायबिटीज के मरीजों के लिए खास बनाते हैं। यह कैलोरी में कम और डिटॉक्सिफाइंग गुणों से भरपूर होता है।

करेले का सेवन शरीर को टॉक्सिक पदार्थों को दूर करने में मदद करता है, इम्युनिटी बढ़ाता है और पाचन को भी दुरुस्त बनाए रखता है। ऐसे में इसके जूस को नियमित पीने से शरीर को अनेक फायदे (Benefits of Karela Juice) मिल सकते हैं। यहां करेले का जूस पीने के फायदों के बारे में जानकारी दी गई है। आइए जानें।

ब्लड शुगर नियंत्रण

करेले का जूस नेचुरल रूप से इंसुलिन को एक्टिव करता है। इसमें मौजूद पोलिपेप्टाइड-पी और चारेंटिन ब्लड शुगर लेवल को कम करने में मदद करते हैं, जिससे डायबिटीज के मरीजों को फायदा मिलता है।

पाचन में सुधार

करेला फाइबर से भरपूर है, जो कब्ज, एसिडिटी और पेट की अन्य समस्याओं को दूर करता है। यह पाचन एंजाइम को उत्तेजित करता है, जिससे खाने का सही से पाचन हो पाता है।

वजन घटाने में सहायक

करेले का जूस कैलोरी में कम और फाइबर से ज्यादा भरपूर होता है। यह भूख को नियंत्रित करता है और फैट मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

लिवर डिटॉक्सिफिकेशन

करेले का जूस लिवर को साफ करता है और बाइल जूस के उत्पादन को बढ़ाकर उसकी कार्यक्षमता में सुधार करता है। यह लिवर की बीमारियों के जोखिम को कम करता है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

करेले का जूस त्वचा को साफ और ग्लोइंग बनाता है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुण एक्ने, पिंपल्स और अन्य स्किन इन्फेक्शन को कम करते हैं।

बालों की देखभाल

करेले का जूस बालों को पोषण देकर डैंड्रफ को कम करता है और बालों को स्ट्रॉन्ग और शाइनी बनाता है।

इम्यूनिटी मजबूत करता है

इसमें मौजूद विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं, जिससे शरीर किसी भी इन्फेक्शन से लड़ने में सक्षम होता है।

दिल की सेहत में सुधार

करेले का जूस कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

कैंसर से बचाव

करेले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोकने में मदद करते हैं।

सेठ की साथी सरकार

भारतीय शेयर बाज़ार की दुनिया में अच्छी साख रही है। सेबी को प्रोफेशनल संस्थान माना जाता रहा है। यह सच है कि घोटाले सभी बाज़ारों में होते हैं, हमारे यहां भी हुए हैं, लेकिन सेबी की साख इससे बनती है कि इन घोटालों के बाद उसने क्या क़ानूनी कार्रवाई की और ऐसे घोटाले दोबारा न हों, इसकी क्या व्यवस्था बनाई? यहां तो सेबी ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसे अडानी की कंपनियों में दुनियाभर से निवेश कर रही कंपनियों की कोई जानकारी मिल नहीं पा रही है।फिर एक बार अडाणी की इज्जत और देश की बेइज्जती आमने-सामने है। सबसे पहले हिंडनबर्ग ने अडानी की कंपनियों पर दुनिया का सबसे बड़ा वित्तीय धोखा देने का आरोप लगाया था। जैसे ही हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आई, अडानी कंपनी के एक आला अधिकारी ने वीडियो पर भारतीय झंडे के साथ खड़े होकर दुनिया को संदेश दिया कि अडानी को बदनाम करने का मतलब भारत को बदनाम करना है! मोदी सरकार ने हर तरह से इसका समर्थन किया। अब बाजी पलट गई है। अब अमेरिकी सरकार सामने है जो कह रही है कि अडानी व उनके भतीजे सागर अडानी ने घूस देने का अभियान चला रखा है।

मोदी सरकार के भारत में भ्रष्टाचार कोई मुद्दा नहीं रह गया है। इसलिए उसे यह समझना मुश्किल हो रहा है कि भारत में किसी ठेके के एवज़ में, भारत की एक कंपनी ने, भारत सरकार और उसके अधिकारियों को घूस दी तो उसमें अमेरिका की अदालत को बीच में पड़ने की क्या जरूरत है? जब हमें कोई दिक्कत नहीं है तब अमेरिका के न्याय विभाग और अमेरिका की शेयर बाजार नियामक संस्था के पेट में क्यों दर्द हो रहा है? सरकार के सिपाहियों ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया ~ अमेरिका भारत के विकास से चिढ़कर हमारे अंदरूनी मामलों में दख़ल दे रहा है!

चलिए, हम जरा इस मामले को समझ लें। अडानी कंपनी के लगभग 75प्रश शेयर परिवार के पास ही हैं। बाकी 25प्रश शेयरों में सबसे बड़ा निवेश विदेशी कंपनियों का है। हिंडनबर्ग का पहला आरोप यह था बाजार में कृत्रिम अभाव खड़ा करके अडानी कंपनी ने अपने शेयरों के भाव बढ़ाए हैं। अडानी समूह की कंपनियों में सबसे बड़ी निवेशक कंपनी अमेरिका की जीक्यूजी पार्ट्नर्ज़ है। इसका कुल एक्सपोज़र 9.7 बिलियन डॉलर है जो अडानी के कुल निजी निवेश का 6.1प्रश है।

अमेरिका में एक कानून है जिसे फ़ॉरेन करप्ट प्रैक्टिसेज़ एक्ट कहते हैं। अमेरिकी कम्पनियों के लिए बने इस कानून में कहा गया है कि अमेरिका का निवेश, दूसरे देशों में भ्रष्टाचार के लिए इस्तेमाल करना क़ानूनी जुर्म है। बस, जोर-जोर से आवाज उठाई गई कि यह कानून अमेरिकी कंपनियों के लिए है तो इसके तहत अडानी परिवार की किसी कंपनी को कैसे फंसा सकते हैं? कुछ नामी-गिरामी वकील भी अकारण इस फटे में टांग अड़ाते हुए मीडिया में आए। सब कहने लगे ~ अडाणी पर लगे सारे आरोप बे-बुनियाद हैं! अडानी ने, भारत सरकार ने और भारतीय मीडिया ने अपना फ़ैसला सुना दिया ~ सब चंगा सी!

काश ऐसा होता कि शुतुरमुर्ग रेत में सर घुसाता और आंधी खत्म हो जाती लेकिन ऐसा होता नहीं है। अमेरिका से आंधी उठी तो केनिया ने अडानी के साथ के एयरपोर्ट और वैकल्पिक ऊर्जा के कई सौदे रद्द करने की घोषणा कर दी। श्रीलंका की नयी वामपंथी सरकार ने कहा कि वह अडानी के साथ बंदरगाह और पवन ऊर्जा के अनुबंध का पुरावलोकन कर रही है। बांग्लादेश ने भी एक कमिटी का गठन किया है जो अडानी के साथ हसीना सरकार के सारे सौदों की जांच करेगी। फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों ने भी कहा है कि वे अडानी कंपनियों में अपने निवेश पर फिर से विचार कर रहे हैं।अडानी और उसकी सहयोगी अमेरिकी कंपनी अज़ुर पर भारत में राज्य सरकारों को लगभग 2200 करोड़ रुपयों की घूस देने का आरोप है। घूस खाने वाले राज्यों में ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, जम्मू-कश्मीर और आंध्रप्रदेश के नाम हैं। आंध्रप्रदेश को 2021-23 के बीच लगभग 1700 करोड़ रुपयों की घूस देने का आरोप है। मोदी सरकार की सहयोगी आंध्रप्रदेश की चंद्रबाबू नायडू सरकार इस बात की जांच कर रही है कि क्या अडानी के साथ हुए महंगे ऊर्जा सौदों को रद्द किया जा सकता है? मतलब यह कि फ़ाईनान्स व सरकार दोनों में हलचल मची है।अब आइए, यह भी देख लेते हैं कि आख़िर कैसे भारत की इज्जत अडानी के नाम के साथ जुड़ गई है। जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में अडानी पर कॉर्पोरेट इतिहास में सबसे बड़ा घोटाला करने का आरोप लगाया था। कुछ लोग इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे जिसने इन आरोपों की जांच की जिम्मेवारी सेबी को सौंपी। सेबी का हाल यह है उसकी प्रमुख एक ऐसी महिला है जिसे नौकरशाही की बजाय निजी क्षेत्र से लाकर वहां बिठाया गया है। ऐसा सेबी के इतिहास में कभी नहीं हुआ था। यह क्यों हुआ, सरकार कैसे इसका औचित्य सिद्ध करती है, सेबी प्रमुख की कुर्सी पर बिठाई गई माधवी बुच की ऐसी क्या योग्यता है, आदि महत्वपूर्ण सवालों को सुप्रीम कोर्ट ने नज़रंदाज़ किया।अगस्त 2024 में हिंडनबर्ग रिसर्च ने फिर एक विस्फोटक रिपोर्ट जारी की कि सेबी चीफ़ माधवी बुच को अडानी समूह के सौदों की जांच सौंपना कैसे कॉन्फ़्लिक्ट ऑफ़ इंटरेस्ट (स्वार्थ की टकराहट) का मामला बनता है। उसने बताया कि माधवी बुच का अडानी समूह की कम्पनियों में निजी निवेश था। यह ऐसा आरोप था जिसके आधार पर कोई भी सरकार पहला काम यह करती कि माधवी बुच को`बी प्रमुख के पद से हटा देती और सारे मामले की जांच शुरू करवा देती। ऐसा चलन भी रहा है कि राष्ट्रीय महत्व के ऐसे मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर जांच का आदेश देता है, लेकिन यहां तो सुप्रीम कोर्ट ने चुप्पी साध ली। अब कौन कहे कि किसकी जांच किसे करनी है?

अमेरिकी नियामक संस्था ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका में अडानी के अफ़सरों पर पड़े छापों की जानकारी अडानी ने`बी को नहीं दी, जो कि क़ानूनन अपराध है। इन छापों की जानकारी अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय अख़बारों में छपी, फिर भी सेबी ने इसका संज्ञान लेना जरूरी नहीं समझा। अदालत, सरकार, सेबी जैसी संस्थाओं के रवैये से भारत सरकार और उसकी संस्थाओं की साख शक के घेरे में है।भारतीय शेयर बाज़ार की दुनिया में अच्छी साख रही है। सेबी को प्रोफेशनल संस्थान माना जाता रहा है। यह सच है कि घोटाले सभी बाज़ारों में होते हैं, हमारे यहां भी हुए हैं, लेकिन %सेबी% की साख इससे बनती है कि इन घोटालों के बाद उसने क्या क़ानूनी कार्रवाई की और ऐसे घोटाले दोबारा न हों, इसकी क्या व्यवस्था बनाई? यहां तो %सेबी% ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि उसे अडानी की कंपनियों में दुनियाभर से निवेश कर रही कंपनियों की कोई जानकारी मिल नहीं पा रही है। कोर्ट ने नहीं पूछा कि यदि सेबी को ऐसी जानकारी नहीं मिल पा रही है तो उसकी जरूरत क्या है?इस घूसकांड के केंद्र में एक दूसरी भारतीय कंपनी भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) भी है जिसने अडानी कम्पनी का महंगी सौर ऊर्जा का टेंडर पास किया है। एसईसीआइ ने क्या इस टेंडर की व्यवहारिकता की जांच नहीं की? उसने कैसे माना कि इतनी महंगी बिजली का बोझ जनता पर डालना उचित है? फिर हुआ यह कि कुछ राज्यों ने अडानी और अमेरिकी कंपनी अज़ुर से महंगी सौर ऊर्जा ख़रीदने से मना कर दिया, तो घूस को आजमाया गया। यह योजना खुले आम बनी। इसका पावर प्वाइंट प्रेज़ेंटेशन बनाया गया जो अमेरिकी अधिकारियों को छापों के दौरान मिला। यह भी हुआ कि घूस मिलते ही सभी राज्य सरकारें महंगी सौर ऊर्जा ख़रीदने के लिए राज़ी हो गयीं।अब तक जो हुआ उससे दो चीजें साफ़ हुईं हैं। पहली, चाहे कुछ भी हो जाए, अडानी पर कोई कार्रवाई नहीं होगी तथा दूसरी, केंद्र सरकार का ही नहीं, मुख्य विपक्षी सरकारों का नाम भी इस घूसकांड में आया है। कहानी बता रही है कि हमाम में सब नंगे हैं। घूस उन लोगों को देनी पड़ती है जिनकी सहमति खरीदनी होती है। तो जांच तो उन सारी सरकारों की होनी चाहिए जिनका अडानी के साथ कोई भी करार हुआ है।

कहा गया है कि भ्रष्टाचार की नदी ऊपर से शुरु होती है और पूरे समाज को गंदा करती नीचे तक पहुंचती है। शोक व शर्म यह है कि आज हमने उस गंदगी के साथ जीना सीख लिया है। नए हिंदुस्तान का नारा है -भले भ्रष्टाचार की गंदगी में सनी हो, लेकिन हिंदू नाक ऊपर उठी रहनी चाहिए।

संपादकीय

खामोश हो गई तबले की थाप

तबले पर जादू की तरह थिरकती उंगलियों के साथ ताल का मायाजाल खड़ा करने के माहिर उस्ताद जाकिर हुसैन नहीं रहे। 73 बरस की उम्र में उन्होंने सैन फ्रांसिस्को, अमेरिका में आखिरी सांस ली। संगीत की दुनिया में लगातार छह दशकों तक जाकिर हुसैन ने अपनी छाप कायम की। संगीत की दुनिया में चार पीढ़ियों के साथ संगत करने का कीर्तिमान उन्होंने स्थापित किया। यूं तो बचपन से ही अपने पिता और गुरु उस्ताद अल्ला रक्खा खां से उन्होंने तबला वादन की तालीम ली, लेकिन 12 बरस की अल्पायु में ही बड़े गुलाम अली, आमिर खां, ओंकारनाथ ठाकुर के साथ संगत की, 16-17 के होते-होते वे पं. रविशंकर, उस्ताद अली अकबर खां के साथ कार्यक्रमों में तबला बजाने लगे। उनके पिता ने भी पं. रविशंकर के साथ लंबे वक्त तक संगत की। इसके बाद जाकिर हुसैन ने शास्त्रीय संगीतज्ञों की अगली पीढ़ी पं. हरि प्रसाद चौरसिया, पं. शिव कुमार, उस्ताद अमज़द अली खां के साथ संगत की और फिर उनकी पीढ़ी शाहिद परवेज़, राहुल शर्मा, अमान अली खां, अयान अली खां आदि के साथ भी तबला बजाया। संगीत की चार पीढ़ियों का साथ देते-देते जाकिर हुसैन ने हिंदुस्तानी और पाश्चात्य संगीत के बीच भी अद्भुत तालमेल किया। इसलिए उन्हें चार-चार ग्रैमी अवार्ड मिले, जिनमें तीन तो इसी साल फरवरी में ही मिले थे। भारत सरकार ने भी उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण, पद्म विभूषण से नवाजा, इसके अलावा कालिदास सम्मान, संगीत नाटक अकादमी अवार्ड भी उन्हें दिए गए।

लेकिन उस्ताद जाकिर हुसैन होने का महत्व इन अवार्ड्स और सम्मानों से नहीं बल्कि इस बात से था कि अपने संगीत को उन्होंने दुनिया को एक जोड़ने के लिए इस्तेमाल किया। भारतीय और पाश्चात्य संगीत का अद्भुत मिश्रण कर उन्होंने जाहिर किया कि पूरी दुनिया में संगीत की जुबां एक ही है। दरअसल इस एकता का मंत्र तो उनके पैदा होते साथ ही उनके पिता ने उनके कानों में फूंक दिया था। नसरीन मुन्नी कबीर की पुस्तक %ए लाइफ इन म्यूजिक% में उस्ताद जाकिर हुसैन के हवाले से बताया गया है कि- जब मैं पैदा हुआ तो मां ने मुझे पिता उस्ताद अल्ला रक्खा की गोद में रखा। दस्तूर के मुताबिक उन्हें मेरे कान में एक प्रार्थना सुनानी थी। पिता बीमार थे, लेकिन फिर भी वो अपने होंठों को मेरे कानों के बिल्कुल करीब ले आए और तबले के कुछ बोल सुनाए। मां नाराज हुई और कहा कि यह तो अपशकुन है। पिता ने जवाब दिया कि संगीत मेरी साधना है और सुरों से मैं सरस्वती और गणेश की पूजा करता हूं। इसलिए यही सुर-ताल मेरी दुआ है।

जाकिर नाम का कोई इंसान सरस्वती और गणेश का जिक्र अपने होठों पर लाए, ये बात आज के भारत में सीधे सांप्रदायिक तनाव की तरफ ध्यान ले जाएगी। क्योंकि मौजूदा राजनीतिक माहौल में पहनावे से लेकर खान-पान और भाषा तक सभी को हिंदू-मुसलमान में बांटने की कवायद की जा रही है। संगीत की दुनिया फिलहाल इससे बची हुई है, लेकिन इस बात की खैर भी हम कब तक मना सकते हैं। बहरहाल, जाकिर हुसैन को उनके पिता ने जिस संगीत की तालीम दी, अपने कार्यक्रमों में वे उसे बताते भी थे। एक कार्यक्रम के दौरान जाकिर हुसैन एक हाथ से तबले पर थाप देकर बताते रहे कि शिव जी के डमरू से जो नाद उत्पन्न हुआ, गणेश जी ने उसे कैसे ताल में बदला। और फिर डमरू के साथ-साथ शंख की ध्वनि भी जाकिर हुसैन ने अपने तबले से निकाल कर बताई। घोड़ों की टाप, रेगिस्तान में तूफान, बारिश की टपटप, मंदिर की घंटी, शिवजी का डमरू सब कुछ जाकिर हुसैन अपने तबले के जरिए श्रोताओं को सुना देते थे। उनके तबला वादन और संगीत में किए गए तमाम प्रयोगों की खासियत यही थी कि वे जनता को सीधे इससे जोड़ देते थे। शास्त्रीय संगीत के बारे में आम धारणा यही है कि यह बोझिल होता है, आसानी से समझ नहीं आता और इसी वजह से आम जनता के बीच इसका चलन कम होता है। लेकिन जाकिर हुसैन ने इस धारणा को तोड़ा और अपने तबले के जरिए शास्त्रीय संगीत की खूबियों से आम जनता को परिचित कराया और उन्हें इसका आनंद लेने का मौका दिया।

भारत की असली चिंता घरेलू विकृतियों में है, ट्रम्प के टैरिफ में नहीं

नेशनल रिटेल फेडरेशन द्वारा हाल ही में किये गये एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि परिधान, खिलौने, फर्नीचर, उपकरण, जूते और यात्रा के सामान पर ट्रम्प के प्रस्तावित टैरिफ से उपभोक्ताओं को सालाना 46अरब डॉलर से 78अरब डॉलर तक का अतिरिक्त नुकसान हो सकता है। इन सबका मतलब है उपभोक्ताओं के लिए उच्च कीमतें, और चीनी वस्तुओं के अमेरिकी विक्रेताओं को टैरिफ द्वारा प्रेरित मूल्य वृद्धि के कारण व्यापार में नुकसान का डर।

30 नवंबर को अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया पर एक धमकी पोस्ट की, जिसमें चेतावनी दी गयी कि यदि ब्रिक्स देश अमेरिकी डॉलर को छोड़ देते हैं, तो उन्हें 100प्रश टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। लेकिन यह कोई नयी धमकी नहीं है और इसी तरह की चेतावनियां अन्य क्षेत्रों पर भी निर्देशित की गयी हैं, जिनमें मेक्सिको और चीन जैसे निकटवर्ती मित्र देश शामिल हैं, औरजिनमें टैरिफ के खतरों का विस्तार विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों तक हैं।

नेशनल रिटेल फेडरेशन द्वारा हाल ही में किये गये एक अध्ययन में अनुमान लगाया गया है कि परिधान, खिलौने, फर्नीचर, उपकरण, जूते और यात्रा के सामान पर ट्रम्प के प्रस्तावित टैरिफ से उपभोक्ताओं को सालाना 46अरब डॉलर से 78अरब डॉलर तक का अतिरिक्त नुकसान हो सकता है। इन सबका मतलब है उपभोक्ताओं के लिए उच्च कीमतें, और चीनी वस्तुओं के अमेरिकी विक्रेताओं को टैरिफ द्वारा प्रेरित मूल्य वृद्धि के कारण व्यापार में नुकसान का डर।

जहां एक ओर चीन को टैरिफ का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है, वहीं दूसरी ओर भारत सहित अन्य पड़ोसी देशों को छूट मिलने की संभावना नहीं है। ट्रम्प ने न केवल भारत को %टैरिफ किंग% करार दिया, बल्कि उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने अंतिम कार्यकाल के दौरान देश को सामान्यीकृत वरीयता प्रणाली (जीएसपी) से भी हटा दिया था। 1974 के व्यापार अधिनियम द्वारा स्थापित जीएसपी के तहत, अमेरिकी नीति निर्माताओं ने नामित लाभार्थी देशों - मुख्य रूप से कम आय वाले देशों- से लगभग 3,500 उत्पादों के आयात को तरजीही शुल्क-मुक्त (शून्य-टैरिफ) दर पर अनुमति दी। इसका उद्देश्य इन देशों को अमेरिका के साथ अपने व्यापार को बढ़ाने और विविधता लाने में मदद करना था। विश्व बैंक के अनुसार, %कम आय वाला% देश वह है जिसकी प्रति व्यक्ति आय 2023 में प्रति वर्ष 1,045 से कम है। भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,700 प्रति वर्ष होने के कारण, ट्रम्प की स्थिति तकनीकी रूप से सही है। भारतीय कम्पनियां अब जीएसपी के तहत तरजीही व्यवहार के लिए योग्य नहीं हो सकती हैं, यह देखते हुए कि भारत अब कम आय सीमा को पूरा नहीं करता है।

चूंकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना हुआ है, इसलिए बढ़ते प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों के साथ देश के लिए दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। भारत के कुल निर्यात का लगभग 18प्रश अमेरिका को निर्देशित किया जाता है, जिसका मूल्य 2023 में 77अरब और 2022 में 78अरब था।

हालांकि, यदि जीएसपी को वापस लेने सहित पिछले प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों को कोई संकेत माना जाये, तो इसका प्रभाव अपेक्षाकृत मामूली रहा है। जीएसपी के तहत योग्य वस्तुओं की एक त्वरित समीक्षा से पता चलता है कि वे मुख्य रूप से कपड़ा और परिधान, घड़ियां, जूते, काम के दस्ताने, ऑटोमोटिव घटक और चमड़े के परिधान जैसी श्रेणियों में आते हैं। भारत द्वारा अमेरिका को किये जाने वाले निर्यात में मुख्य रूप से हीरे (19प्रश), पैकेज्ड दवाइयां (14प्रश), परिष्कृत पेट्रोलियम उत्पाद (8.9प्रश), ऑटोमोटिव घटक (2.1प्रश), तथा वस्त्र और परिधान (3.7प्रश) शामिल हैं।भारत के अधिकांश प्रमुख निर्यात आय-संवेदनशील हैं, और कमजोर वैश्विक मांग का प्रभाव पड़ रहा है। दूसरी ओर, एक मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था ऊर्जा और जीवाश्म ईंधन की उच्च मांग को बढ़ावा देती है, जिनमें से अधिकांश आयात किये जाते हैं।

सरकार ने बढ़ते चालू खाता घाटे को दूर करने के लिए कई कदम उठाये हैं। भारत रूस से रियायती तेल आयात करना जारी रखा है, जिसका व्यापार टोकरी में हिस्सा 1प्रश से बढ़कर 22प्रश हो गया है।

पिछले साल भारत ने इथेनॉल उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले 100प्रश टूटे चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। सोने के आयात पर अंकुश लगाने के लिए सीमा शुल्क को 7.5प्रश से बढ़ाकर 12.5प्रश कर दिया गया। निर्यात प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आत्मनिर्भर भारत और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) जैसी पहलें भी की गई हैं।

हालांकि, सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण मूल्य वर्धन का योगदान 17प्रश पर स्थिर बना हुआ है, जो विनिर्माण प्रतिस्पर्धा में कोई महत्वपूर्ण सुधार नहीं दर्शाता है। प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और विनिर्माण का एक प्रमुख चालक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रतिस्पर्धात्मकता में गिरावट आ रही है, सकल एफडीआई प्रवाह घटकर मात्र 1प्रश रह गया है, और शुद्ध एफडीआई वित्तीय वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में 0.6प्रश रह गया है - जो 2005-06 के बाद से नहीं देखा गया है। कारोबारी माहौल में कठोरता, उलटा शुल्क ढांचा (आईडीएस), और द्विपक्षीय संधियों को समाप्त करने के भारत के फैसले को एफडीआई के प्रवाह को हतोत्साहित करने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

विदेशी विनिर्माण दिग्गजों के प्रभुत्व वाले दो सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विचार करें, अर्थात् ऑटोमोबाइल और कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स (सीएसडी)। ये दोनों उद्योग माल और सेवा कर (जीएसटी) की उच्चतम संभव दर को आकर्षित करते हैं जो 28प्रश है और अतिरिक्त उपकर कुल शुल्क को 40प्रश तक ले जाता है।

चीनी पेय पदार्थों पर कर लगाने की वैश्विक प्रथा के विपरीत, भारत सीएसडी पर उच्च कर लगाने के लिए खड़ा है। कम और शून्य चीनी वाले सीएसडी पर उच्च कर डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सिफारिशों के विपरीत हैं, जो चीनी सामग्री के आधार पर कर के पक्ष में हैं। 120 से ज़्यादा देशों ने स्तरित कर नीतियां अपनाई हैं, जहां कम चीनी सामग्री पर कम कर लगता है, ताकि स्वस्थ उत्पाद सुधार को बढ़ावा मिले। इसी तरह, जब राज्य सरकारें ऑटोमोबाइल पर उच्च सड़क कर लगाती हैं, तो यह धारणा कि मांग में लचीलापन नहीं है और उपभोक्ता इसके बावजूद भुगतान करेंगे, अंततः विदेशी निवेश को कमज़ोर कर रही है।

अपने पिछले कार्यकाल के दौरान, ट्रम्प ने खुद को एक प्रमुख हथियार डीलर के रूप में स्थापित किया, जो अधिक हथियार बेचने पर केंद्रित था। भारत ने 2008 से लगभग 20 अरब डॉलर के अमेरिकी मूल के रक्षा सामान का अनुबंध किया है। संभावित ट्रम्प 2.0 में यह प्रवृत्ति जारी रहने की संभावना है। भारत को अपनी ओर से टैरिफ पर कम तथा घरेलू विकृतियों को दूर करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए।

घर की पुरानी चीजों से बनाए क्राफ्ट्स

जब तुम नहीं पढ़ रहे हो तब तुम अपने खाली समय का उपयोग पुरानी चीजों से नई चीजें बनाने में कर सकते हो। ऐसी बहुत सी चीजें घर में होती हैं जो या तो खराब हो जाती हैं या बेकार पड़ी पड़ी खराब होने लगती हैं। ऐसी ही चीजों से आप घर की सजावट के कई प्रकार के सामन बना सकते हो। ऐसा करने से जहां हमें घर की साज–सज्जा का अनुभव होता है वहीं बेकार चीजें काम में आ जाती हैं।

तुम्हें स्कूल में सबसे अच्छा पीरियड कौनसा अच्छा लगता है..शायद आर्ट एंड क्राफ्ट्स का। रुई के खरगोश, चार्ट पेपर पर कलर करके फ्लावर्स, थर्मोकोल से ताजमहल, कार्टन का इस्तेमाल करके छोटा-सा घर और पेपर कटिंग करके ग्रीटिंग कार्डस जैसी कई चीजें जब तुम अपने हाथों से बनाते हो तो तुम्हें बहुत खुशी मिलती है और तुम अपने दोस्तों को दिखा कर खूब तारीफ बटोरते होगें। जब आर्ट एंड क्राफ्ट्स की परीक्षा आती है तो तुम्हें ज्यादा मजा इसी परीक्षा में आता है। घर में भी तुम क्राफ्ट्स और ड्रॉइंग करना नहीं भूलते। छुट्टी के दिन तो घर की पुरानी चीजें जमा करते हो और अपना दिमाग लगाना शुरूकर देते हो कि किस चीज के इस्तेमाल से क्या नया बना सकते हो। फिर जब कोई बढिया चीज बन जाती है तो अपने घर के शोकेस में सजा देते हो। हर दिन तुम नई चीज बनाने का प्रयास करते हो। कई बार जब हमारे पास ढेर सारी चीजें जमा हो जाती हैं तो हमें समझ नहीं आता कि उनसे क्या नया बनाया जाए। उदाहरण के तौर पर गार्डन से अलग-अलग पेड़ के कुछ झड़े हुए पत्ते लाओ और उस पर डिजाइन बनाओ और अपने कमरे की दीवार पर सजा दो। इससे तुम्हारा रूम काफी सुंदग दिखेगा। इसी तरह तुम पुराने कपड़े का इस्तेमाल करके अपने लिए एप्रन बना सकते हो, कलर पेपर और गम से फन बॉक्स तैयार कर सकते हो, पुरानी बटन, रिबन, स्केच पेन, कार्डबोर्ड से गुडिया बना सकते हो, साथ ही मम्मी के लिए नेकलेस, आकर्षक सनकैचर्स, फोटो फ्रेम्स, बर्ड हाउस जैसी कई चीजें से कुछ नया बना सकते हो।

बाल कहानी
लाल गुब्बारा

गली में गुब्बारेवाला था। नैना ने उसकी आवाज़ सुनी और दौड़ कर बाहर आई। गुब्बारे वाले के हाथ में पाँच गुब्बारे थे। दो लाल, एक पीला, एक हरा और एक गुलाबी। एक गाड़ी भी थी। गाड़ी पर पीली छतरी थी। छतरी बड़ी थी। सबको छाया देती थी। गाड़ी में रंग ''बिरंगे गुब्बारे भरे हुए थे। नैना ने सोचा वह अपनी फ्राक जैसा लाल गुब्बारा लेगी।

मुझे एक गुब्बारा चाहिये। नैना ने कहा।

क्या तुम्हारे पास पैसे हैं? गुब्बारे वाले ने पूछा।

लाल गुब्बारा कितने का है? मैं माँ से पैसे ले कर आती हूँ। नैना ने कहा।

दो रुपए ले कर आना। गुब्बारे वाले ने कहा।

नैना माँ के पास से पैसे लेकर आई। गुब्बारे वाले को पैसे दिये और लाल गुब्बारा खरीदा। गुब्बारा लेकर नैना गली में खेलने लगी। गली में भीड़ नहीं थी। लाल गुब्बारा पतंग की तरह लहरा रहा था। नैना धागे को उँगली पर लपेट लेती तो गुब्बारा उसके पास आ जाता। वह उसको गाल से लगाती तो नरम नरम लगता। रगड़ती तो मज़ेदार आवाज़ करता। वह धागे को छोड़ देती तो लाल गुब्बारा फिर से दूर आसमान में उड़ने लगता। वह दौड़ती तो गुब्बारा भी साथ साथ ऊपर चलता। गली में खेलना नैना को अच्छा लगता था। खेल में बड़ा मज़ा था। नैना देर तक खेलती रही। लाल गुब्बारा उसका दोस्त बन गया। उसने लाल गुब्बारे का नाम 'लालू' रख दिया।

बहुत देर हो गयी नैना, खेलना बंद करो और खाना खा लो। माँ ने भीतर से आवाज़ दी। नैना को भी भूख लग रही थी। आती हूँ माँ, नैना ने जवाब दिया। लेकिन वो लाल गुब्बारे के साथ खाना कैसे खाएगी, नैना ने सोचा। उसने गुब्बारे के धागे को दरवाज़े की कुंडी से बाँध दिया। लालू, मैं खाना खा लूँ तब तक तुम यहीं रहना। बाद में हम दोनों मिल कर फिर खेलेंगे। नैना ने कहा।

शायद नैना ठीक से बाँध नहीं पायी। धागा खुल गया और लाल गुब्बारा आसमान में उड़ गया।

नैना उसको पकड़ने के लिये दौड़ी पर वह ऊपर जा चुका था। नैना धागा नहीं पकड़ पाई। उसकी आँखों में आँसू आ गए। वह रोने लगी। माँ ने कहा, रो मत। कल नया गुब्बारा ले लेना।

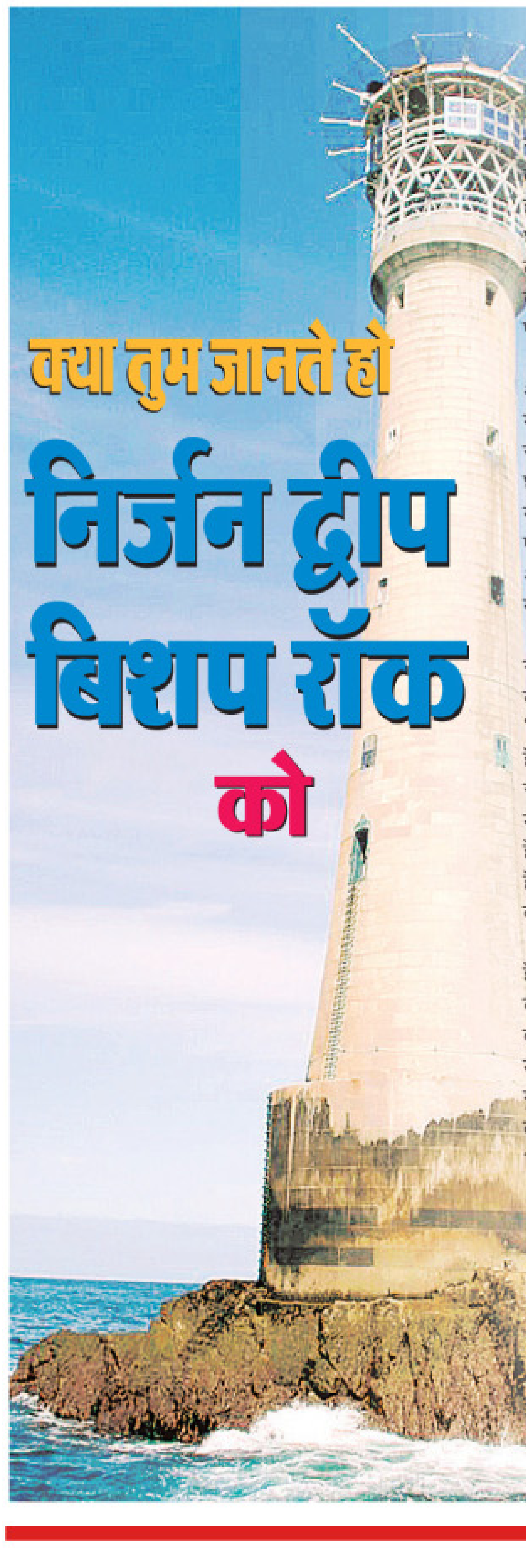

क्या तुम जानते हो
निर्जन द्वीप बिशप रॉक को

दोस्तों वैसे तो इस दुनिया में काफी सारी ऐसी चीजें हैं। जिसे इतिहास के पन्नों में दर्ज किया गया है। वहीं कुछ ऐसी चीजें भी हैं। जो आज भी लोगों के लिए जानकारी का सबब बनती हैं। इनमें से ही एक है विशप रॉक द्वीप। यह दुनिया का सबसे छोटा द्वीप है। वैसे तो इस द्वीप पर कोई नहीं रहता, लेकिन इस पर 49 मीटर ऊंचे बने लाइट हाउस की वजह से यह आबाद है और दुनिया भर में अपनी पहचान बनाए हुए है।

इस छोटे–से द्वीप पर बना लाइट हाउस यहां के आकर्षण का केंद्र है। आज हम तुम्हें ऐसे द्वीप के बारे में बता रहे हैं, जिसे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस ने कुछ समय पहले दुनिया भर के द्वीपों में सबसे छोटा द्वीप घोषित किया है। यह है–अटलांटिक महासागर में इंग्लैंड (ब्रिटेन) के दक्षिण–पश्चिम सिरे पर बना बिशप रॉक द्वीप। यह द्वीप ब्रिटेन के आसपास के 1,040 सिसिली द्वीप समूह से करीब 4 मील की दूरी पर स्थित है।

यह 16 मीटर चौड़ा, 46 मीटर लंबा और 45 मीटर गहरा है। इसी वजह से आज इस निर्जन बिशप द्वीप को 'ब्लू रीबैंड' और इस पर बने लाइट हाउस को 'किंग ऑफ द लाइट हाउस' से सम्मानित किया गया है। तुमने अंडेमान–निकोबार, मालदीव्स जैसे द्वीप समूह (आइलैंड) के बारे में सुना होगा। एक ओर तो ये द्वीप समूह चारों तरफ से समुद्र के पानी से घिरे हैं, दूसरी तरफ अपने एरिया के हिसाब से काफी बड़े हैं। वहां का प्राकृतिक वातावरण बहुत सुंदर है और बड़ी तादाद में जन–जीवन भी है।

आज यहां ग्रेनाइट पत्थर से बना जो लाइट हाउस है, उसे 1853 में बनाया गया था। एक सितंबर 1858 को मोमबत्ती और पैराफिन लैंप या लालटेन से पहली बार जलाया गया। पहले वहां तक जाने के लिए नाव या जहाज का इस्तेमाल होता था। इसमें आने वाली मुश्किलों को देखते हुए ट्रिनिटी हाउस ने 1976 में लाइट हाउस के ऊपर एक हैलीपैड बनाया और इसे 1992 में पूरी तरह स्वचालित कर दिया।

स्कूल बैग को कैसे रख सकते है साफ

तुम अक्सर अपने दोस्तों से शर्त लगाते होगें कि आज मम्मी ने टिफिन में क्या रखा है। या बैग की किस पॉकेट में चॉकलेट है।मगर क्या तुमने कभी यह शर्त लगाई है कि किसका बैंग सबसे साफ है। आज हम तुम्हें बैंग साफ रखने के कुछ तरीके बता रहे है। जिससे जब कभी तुमसे इस बात पर शर्त लगाए तो तुम जीत सको।

ऐसे रखो बैग को साफ

बैग में जगह के हिसाब से अलग–अलग चीजों के लिए अलग–अलग हिस्सा तय कर लो। जैसे बुक्स हमेशा एक जगह पर रखो, लंच के लिए एक जगह तय कर लो, ताकि हर दिन तुम्हारा समय इस बात को सोचने में बर्बाद ना हो कि कौन–सा सामान कहां रखना चाहिए। अपना बैग इस तरह से व्यवस्थित करो कि भारी चीजें बैग के पिछले हिस्से में हों और हल्की चीजें बैग के आगे वाले हिस्से में। ऐसा करने से पीठ पर कम जोर पडेगा और तुम्हारा पॉस्चर भी सही रहेंगा।

अनोखा है पानी के बीच पहाड़ी पर बना रेस्तरां

दोस्तों तुम अपने पापा-मम्मी के साथ कई बार कहीं घूमने फिरने गए होगे। खाना पीना भी खाया होगा। लेकिन जहां पर भी खाना खाया होगा वह रेस्तरां जमीन पर ही बना होगा। लेनिक क्या तुमने कभी पानी के बीचोंबीच पहाड़ी पर रेस्तरां बना देखा है। पूर्वी अफ्रीका में ऐसा ही एक रेस्तरां बना हुआ है। जांजीबार पहाड़ी पर बने इस रेस्तरां में आने वाला टूरिस्ट यहां से खास अनुभव लेकर जाता है। इस रेस्तरां के चारों ओर पानी ही पानी है। यहां पर मोटरबोट से पहुंचा जा सकता है। इसका नाम है 'रॉक रेस्टोरेंट'। इसके मालिक निगेल फ्रीमेन के अनुसार, 'इसे हाल ही में खोला गया है। इसमें एक बार में सिर्फ 15 लोग ही खाना खा सकते हैं। जब पानी का बहाव कम होता है तो टूरिस्ट यहां खड़े होकर समुद्र की लहरों का मजा ले सकते हैं।' धीरे-धीरे यह रेस्तरां प्रचलित हो रहा है। लोगों को अब इसके लिए एक सप्ताह तक वेटिंग में रहना पड़ता है।

जानकारी

हाथ धोने के लिए पानी ठंडा हो या गर्म

जानें बैक्टीरिया मारने में कौन सबसे ज्यादा असरदार

हाथ धोने का महत्व आज ज्यादातर लोग समझ चुके हैं। जो लोग अब भी गंदे हाथों से खाना-पीना करते हैं, उनके लिए 1 से 7 दिसंबर तक हैंडवॉशिंग अवेयरनेस वीक यानी हाथ धो कर साफ रखने के लिए जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। ठंड के मौसम में इस तरह की सफाई का ख्याल रखना और जरूरी हो जाता है, क्योंकि ठंडे पानी से हर कोई दूर रहना चाहता है। कई लोग यह दलील देते हैं कि गर्म पानी से हाथ धोना फायदेमंद होता है और इससे बैक्टीरिया ज्यादा मरते हैं। लेकिन क्या यह बात सच है? ताजा वैज्ञानिक अध्ययन में इस बात का जवाब दिया गया है कि क्या गर्म पानी और ठंडे पानी से हाथ धोने में कोई फर्क है?

जर्नल ऑफ फूड प्रोटेक्शन में प्रकाशित ताजा रिसर्च के अनुसार, हाथ गर्म पानी से धोए जाएं या ठंडे से, कोई फर्क नहीं पड़ता है। खतरनाक बैक्टीरिया का सफाया करने में दोनों समान रूप से कारगर हैं। इतना जरूर है कि गर्म पानी में साबुन अच्छी तरह पिघल जाता है। इससे भी कई लोगों को लगता है कि गर्म पानी ज्यादा आसानी से बैक्टीरिया मारता है, लेकिन अब यह बात गलत साबित हुई है।

नए अध्ययन में विभिन्न पहलुओं से गर्म और ठंडे पानी के असर की जांच की गई, जैसे साबुन की मात्रा, पानी का तापमान, हाथ धोने में लगाया गया समय और साबुन कितना असरदार है।

10 सेकंड तक धोएं हाथ, पानी गर्म हो या ठंडा

अध्ययन में पाया गया कि पानी के तापमान का बैक्टीरिया को कम करने पर महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ा। चाहे यह 38 डिग्री सेल्सियस या 16 डिग्री सेल्सियस था, शोधकर्ताओं ने बैक्टीरिया में कमी में कोई अंतर नहीं पाया। इसके अलावा, अध्ययन से पता चला कि कीटाणुओं को दूर करने के लिए 10 सेकंड तक हाथ धोना काफी प्रभावी होता है।

ठंड में बरतें यह सावधानी

ठंड में कई लोगों को सुखी त्वचा की समस्या से जूझना पड़ता है, खासतौर पर ऐसा हाथों में अधिक होता है। अक्सर साबुन में पाए जाने वाले रसायन हाथों की त्वचा को ड्राय बना देते हैं। ऐसे लोगों को साबुन से हाथ धोने से बचना चाहिए। जो लोग पानी के संपर्क में बहुत समय बिताते हैं, उन्हें रबर के दास्ताने पहनकर काम करना चाहिए। लंबे समय तक पानी के संपर्क में रहने से हाथ ड्राय हो सकते हैं क्योंकि यह त्वचा में मौजूद प्राकृतिक ऑयल को धो देता है।

पानी का काम नहीं कर सकता हैंड सैनिटाइजर

डॉ. दीप्शा अग्रवाल के अनुसार, हैंड सैनिटाइजर का उपयोग हाथ साफ करने के लिए किया जाता है, लेकिन साबुन से हाथ धोने से अच्छा कुछ भी नहीं है। इससे ही हमारे हाथों पर जमे कीटाणु 100 फीसदी तक खत्म हो सकते हैं। इसलिए हैंड सैनिटाइजर का उपयोग वहीं करना चाहिए, वहां पानी से हाथ धोने की सुविधा नहीं है। हैंड सैनिटाइजर खरीदते समय ध्यान रखें कि कहीं उसमें ट्राइक्लोसेन या थाइलेड्स कैमिकल तो नहीं हैं। ये दोनों कैमिकल हानिकारक होते हैं। खासतौर पर थाइलेड्स त्वचा के जरिए ब्लड में जा सकता है और बहुत नुकसान पहुंचा सकता है।

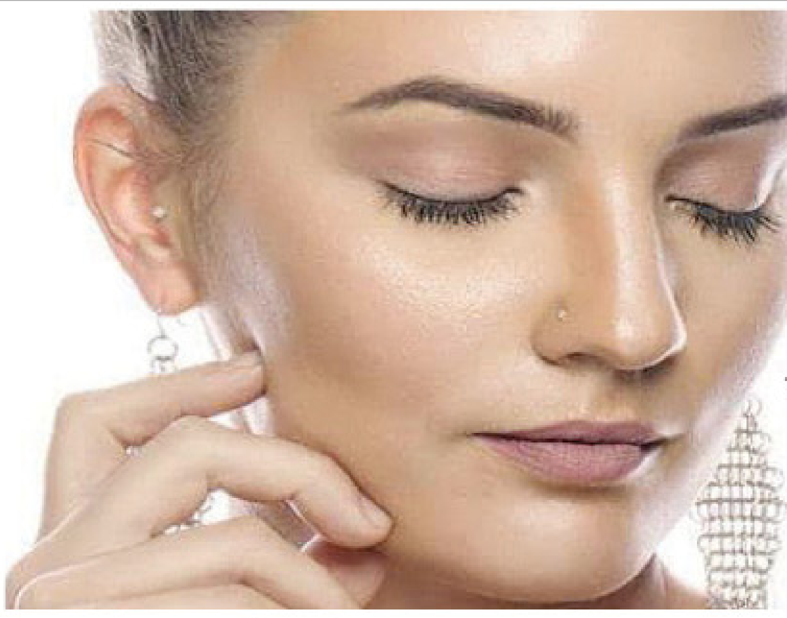

ड्राई स्किन या सूखी त्वचा असल में बड़ी समस्या नहीं है, लेकिन ध्यान न दिए जाने पर यह एक्जिमा (लाल चकते) या घावों से खून के रिसाव की वजह बनती है। एक अन्य संभावित परेशानी सेकंडरी बैक्टीरियल इन्फेक्शन (लाल त्वचा, सूजन, पस) होता है जिसमें एंटीबायोटिक्स लेने की जरूरत पड़ जाती है। बहुत कम मामलों में ही सही, सूखी त्वचा का एलर्जी से भी संबंध पाया जाता है।

सर्दियों में ड्राई स्किन से हैं परेशान

आजमाएं ये घरेलू नुस्खे झट से मिलेगा आराम

त्वचा में नमी रखें

त्वचा को सूखने से बचाने का सबसे आसान उपाय उसे नम रखना है। स्किन मॉइस्चराइजर इस काम में आपकी बहुत ज्यादा मदद कर सकते हैं। खास बात यह है कि मॉइस्चराइजर जितना ज्यादा गाढ़ा और चिकना होगा, उतना ही ज्यादा प्रभावी होगा। इसमें तीन तरह की मुख्य वस्तुएं होती हैं-

1- ह्यूमेक्टेंट्स जो नमी को आकर्षित करते हैं और इसमें सेरेमाइड्स, ग्लिसरीन, सॉर्बिटॉल, हायएल्यूरोनिक एसिड और लेसिथिन होते हैं।

2- दूसरा समूह होता है पेट्रोलेटम (पेट्रोलियम जेली), सिलिकॉन, लेनोलिन और मिनरल ऑइल का। यह नमी को त्वचा में ही कायम रखने में मदद करते हैं।

3- लिनोलेइक, लिनोलेनिक और लॉरिक एसिड्स जैसे एमोलिएंट्स। यह त्वचा के सेल्स के बीच की जगहों को भरकर उसे मुलायम बनाए रखते हैं।

कुल मिलाकर सबसे प्रभावी (और सबसे किफायती) की श्रेणी में पेट्रोलियम जैली और मॉइस्चराइजिंग ऑइल (जैसे मिनरल ऑइल) को रखा जा सकता है। दरअसल, इनमें पानी का अंश नहीं होता और नहाने के बाद त्वचा को नम रखने में यह सहायक होते हैं। कम चिकने मॉइस्चराइजर ज्यादा आकर्षक मगर कम प्रभावी होते हैं।

सूखी त्वचा से कैसे बचें?

- गर्म पानी से नहाने या शॉवर करने की अवधि को 5 से 10 मिनट तक ही सीमित कर दें। जितना ज्यादा नहाएंगे त्वचा की तैलीय परत कम होती जाएगी।
- नहाने के लिए बहुत गर्म पानी की बजाय कुनकुना (गुनगुना) पानी इस्तेमाल करें।
- साबुन का इस्तेमाल कम से कम करें।
- सेटाफिल, ऑइलटम-एडी, एक्वेनिल जैसे सोप-फ्री क्लीन्सर्स का इस्तेमाल करें।
- खुशबूदार साबुन, अल्कोहल से दूरी बनाएं।
- बाथ स्पंज, स्क्रब ब्रश और कपड़े धोने को टालें।
- नहाने के बाद शरीर को सूखाने के दौरान टॉवेल को जोर से न रगड़ें।
- नहाने या हाथ धोने के तत्काल बाद मॉइस्चराइजर लगाएं।
- पेट्रोलियम जैली और गाढ़े क्रीम्स का चिपचिपापन टालने के लिए पहले उसे कुछ देर हाथ में मलें फिर शरीर के प्रभावित हिस्से पर लगाएं।
- त्वचा पर कभी न खुजाएं। मॉइस्चराइजर लगाने पर वैसे इसकी जरूरत ही नहीं पड़ेगी।
- खुजली वाले हिस्से पर कोल्ड पैक से भी राहत मिल सकती है।
- खुजली पैदा करने वाले वूलन स्वेटर, जैकेट सीधे शरीर पर न पहनें। पहले कॉटन का कपड़ा पहनें, उसके ऊपर ऊनी कपड़े पहनें।

कब मिलें डॉक्टर से

मौसम में बदलाव या उम्र बढ़ना आपकी त्वचा के सूखने की वजह न हो तो डॉक्टर से मिलना ही बेहतर विकल्प होगा। हो सकता है त्वचा का कोई और रोग हो। घरेलू उपचार या बाजार से लाए गए मॉइश्चराइजर त्वचा के सूखने की समस्या को और अधिक ना बढ़ा दें।

सेहत

आपकी त्वचा को कैसे प्रभावित करती है डायबिटीज

इसके लक्षण और बचाव

वर्तमान समय में डायबिटीज एक गंभीर समस्या बनती जा रही है, आज इससे पूरी दुनिया प्रभावित है। डायबिटीज को शुरुआती निदान और उपचार के माध्यम से समय पर बीमारियों को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। चूंकि अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर कई गंभीर जटिलताओं से जुड़ा होता है, इसलिए समय पर बीमारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक सावधानी बरतने की जरूरत होती है। डायबिटीज के शुरुआती चरण में आपको बार-बार पेशाब आना, भूख बढ़ जाना, धुंधली दृष्टि, थकान, प्यास बढ़ जाना, हाथ-पैरों में झुनझुनी, यीस्ट संक्रमण और घावों का धीमी गति में सही होना जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। डायबिटीज के लक्षण त्वचा पर भी दिखाई देते हैं। अनियंत्रित रक्त शर्करा का स्तर भी रोगी की त्वचा को प्रभावित करता है। यहां हम आपको त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के कुछ सामान्य लक्षणों के बारे में बता रहे हैं।

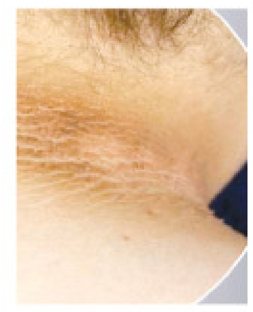

त्वचा पर दिखने वाले डायबिटीज के लक्षण क्या हैं

शुरुआती चरण के दौरान एक डायबिटीज रोगी की त्वचा पर पैच दिखाई दे सकते हैं। डार्क स्किन के ये पैच गर्दन या बगल (कांख) पर दिखाई दे सकते हैं। यह पैच सॉफ्ट हो सकता है। कुछ मामलों में व्यक्ति को रूखी त्वचा का अनुभव हो सकता है।

डायबिटीज और त्वचा संबंधी समस्याओं के बीच क्या संबंध है?

अनियंत्रित ब्लड शुगर लेवल मुख्य रूप से त्वचा संबंधी समस्याओं को जन्म देता है। विशेषज्ञों की मानें तो मधुमेह और त्वचा के संबंधी समस्याओं के बीच एक गहरा संबंध है, जिसे नकारा नहीं जा सकता है। त्वचा संबंधी ऐसी कई समस्याएं हैं जो मधुमेह के कारण हो सकती हैं। हालांकि, इन त्वचा संबंधी समस्याओं को डायबिटीज को नियंत्रित कर रोका जा सकता है। डायबेटिक डर्मोपैथी एक शब्द है जिसका उपयोग विशेष रूप से पैरों के सामने की त्वचा पर छोटे, भूरे धब्बों का वर्णन करने के लिए किया जाता है। रोगी आमतौर पर इन त्वचा के धब्बों के कारण कोई लक्षण विकसित नहीं करते हैं और ये डायबिटीज के ज्यादातर रोगियों में होते हैं। यह लंबे समय से डायबिटीज वाले पुराने रोगियों में अधिक आम है। त्वचा में ये बदलाव डायबिटीज के कारण त्वचा में रक्त परिसंचरण में कमी के कारण होते हैं।

उपचार के क्या विकल्प हैं

हालांकि, अपने आप में इस स्थिति को किसी विशिष्ट उपचार की आवश्यकता नहीं है, यह अच्छी तरह से डायबिटीज की अधिक गंभीर जटिलताओं की उपस्थिति का संकेत दे सकता है जैसे रेटिनोपैथी (आंख को नुकसान), नेफ्रोपैथी (गुर्दे की क्षति) और न्यूरोपैथी (तंत्रिका क्षति)। कॉस्मेटिक छलावरण शायद आवश्यकता होने पर त्वचा के धब्बों की उपस्थिति को छिपाने के लिए उपयोग किया जाता है। डायबिटीज रोगियों में इस तरह के धब्बों का पता चलने पर तुरंत अपने ब्लड शुगर की जांच कराने की आवश्यकता है। डायबिटीज डर्मोपैथी के रोगियों में डायबिटीज का नियंत्रण अन्य जटिलताओं के जोखिम को कम कर सकता है।

अन्य त्वचा संबंधी समस्याएं

- डायबिटीज के मरीजों में बुलोसिस डायबिटिकोरम भी एक समस्या है, जहां त्वचा में फफोले विकसित होते हैं।
- टाइप 1 डायबिटीज वाले कई मरीज त्वचा की कठोरता का विकास करते हैं जिसे डायबिटिक चीयरोएथ्रोपैथी के नाम से जाना जाता है।
- नेक्रोबायोसिस लिपोइडिका एक ऐसी स्थिति है जिसमें पैरों के सामने की त्वचा में पीले, मोमी धब्बे दिखाई देते हैं।
- डायबिटीज रोगी, खासकर मोटापे के कारण, त्वचा की सिलवटों का कालापन और गाढ़ा हो जाना, इंसुलिन प्रतिरोध के कारण हो सकता है। इस स्थिति को एसेंथोसिस निग्रिकंस कहा जाता है। इनके अलावा, डायबिटीज के रोगियों को विशेष रूप से प्राइवेट पार्ट के आसपास फंगल इंफेक्शन विकसित होने का खतरा होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक-4-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-3-5

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होंगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-3-7-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 2681

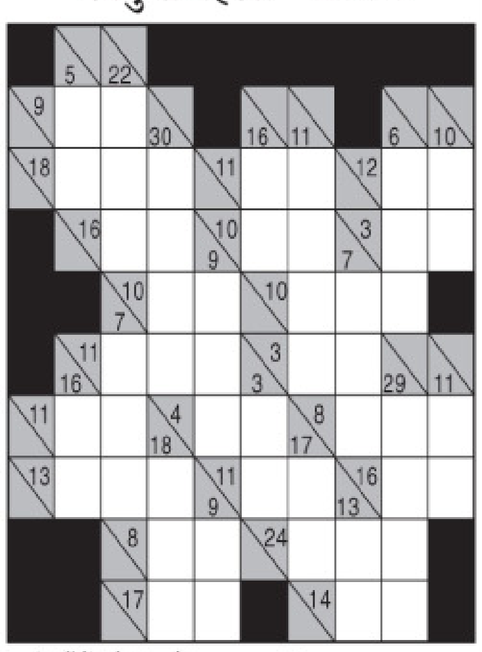

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 → 1 2 3 4 5; 24 ↑ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -2680 का हल

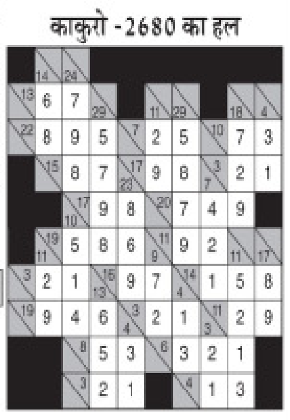

हंसी के फूव्वारें

एक सज्जन ने अपने मित्र को बतलाया, 'यह सोने का कप मैंने दौड़ में फर्स्ट आने के कारण प्राप्त किया है.'

'बहुत खूब, तुम्हारे पीछे कितने लोग थे?' मित्र ने पूछा.

'तीन.... .एक कप का मालिक और दो सिपाही.' उन सज्जन ने उत्तर दिया.

□ □ □

एक पोस्टमैन रिटायर हुआ तो उसकी विदाई के मौके पर सबने उससे खास अनुभव के बारे में पूछा.उसने झिझकते हुए कहा-कृपा करके मेरी पेंशन डाक से न भेजे.

□ □ □

दो लड़के जूस पी रहे थे. एक लड़के की उदास शक्ल देखकर दूसरे ने इसका कारण पूछा तो पहले लड़के ने जवाब दिया, 'मैं इसलिए उदास हूं कि मेरा आधा गिलास खाली हो चुका है,मगर तुम क्यों खुश हो?'

दूसरा चहककर बोला-'इसलिए कि मेरा आधा गिलास अभी तक भरा हुआ है.'

□ □ □

मियाँ ने बीवी को एक पत्रिका में प्रकाशित चित्र सहित दिखाते हुए कहा, 'यह पूरा परिवार कांच खानेवाला है.'

'तुमसे तो ठीक है.' बीवी बोली, 'तुम तो दिन भर दिमाग चाटते रहते हो.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2681

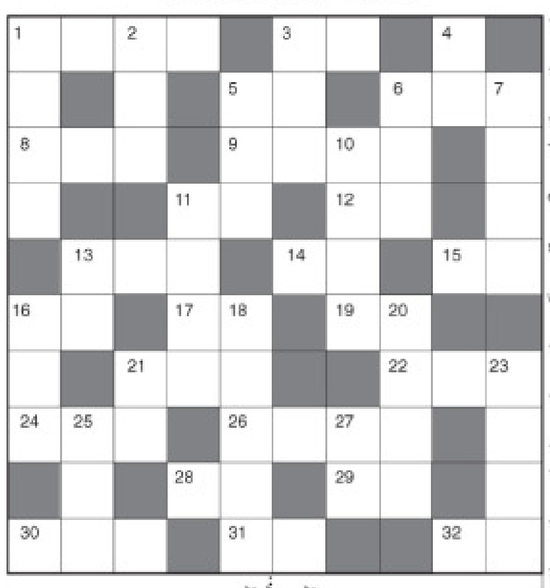

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'परायी हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरुद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2680

सूडोकु -2681

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2680 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली -2681

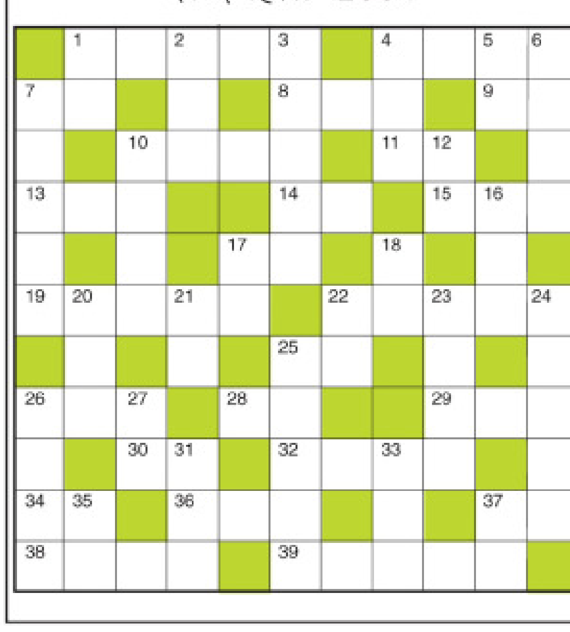

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बड़प्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली -2680 का हल

महाकुम्भ में पहली बार चप्पे चप्पे पर नजर रखने के लिए हवा में टीथर्ड ड्रोन तैनात

एजेंसी

महाकुम्भनगर। महाकुम्भ में पहली बार चप्पे चप्पे पर नजर रखने के लिए हवा में टीथर्ड ड्रोन तैनात किया गया है। हाई रिजॉल्यूशन इमेज, वीडियो और सेंसर डेटा एकत्र करने की क्षमता वाले इस हाई सिक्योरिटी टीथर्ड ड्रोन की नजर से किसी का भी बच पाना नामुमकिन है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए यह अत्याधुनिक उपकरण महाकुम्भनगर में लगाया गया है। महाकुम्भनगर के एसएसपी ने इसकी निगरानी के लिए एक एक्सपर्ट टीम तैनात कर दी है। महाकुम्भनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने इसे सेकेंडों में अलर्ट मोड में आ जाने वाला नायाब उपकरण बताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ चाहते हैं कि इस बार के महाकुम्भ को अविस्मरणीय बनाया जाए, जिसके लिए सुरक्षा व्यवस्था को हाईटेक किया जा रहा है। इस टीथर्ड ड्रोन में हाई रिजॉल्यूशन इमेज, वीडियो और सेंसर डेटा एकत्र करने की अद्भुत क्षमता है। डेटा ट्रांसमिशन के लिए यह बेहद सुरक्षित है और ऊंचाई से महाकुम्भनगर की हर छोटी-बड़ी गतिविधियां कैप्चर करने में इसे महारत हासिल है। महाकुम्भनगर की पुलिस के लिए टीथर्ड ड्रोन तीसरी आंख का काम कर रहा है। इससे बच पाना किसी के लिए भी नामुमकिन है। इसके जरिए संगम तट के अलावा अत्यधिक भीड़ भाड़ वाले घाटों और प्रमुख स्थलों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस में चक्रवात चिडो से हुई तबाही पर शोक जताया, राहत सहायता की पेशकश की

नई दिल्ली। फ्रांस के मायोट में चक्रवात चिडो से हुई तबाही पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत फ्रांस के साथ एकजुटता से खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में फ्रांस इस त्रासदी से दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के साथ उबर जाएगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में लिखा, मायोट में चक्रवात चिडो के कारण हुई तबाही से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के नेतृत्व में फ्रांस इस त्रासदी से दृढ़ता और दृढ़ संकल्प के साथ उबर जाएगा। भारत फ्रांस के साथ एकजुटता में खड़ा है और हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। उल्लेखनीय है कि फ्रांस के मायोट में 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आए चक्रवात चिडो के कारण 22 लोगों की मौत हो गई और 1,400 से अधिक लोग घायल हो गए। द्वीप के अधिकांश हिस्से मलबे में दबे होने और सड़कें अवरुद्ध होने के कारण मृतकों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है।

दिसंबर 2024 तक 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु कर लेंगे बाबा महाकाल के दर्शन, करीब 2 अरब रुपये होगी आय

उज्जैन। इस साल 31 दिसंबर तक बाबा महाकाल के दरबार में 5 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मत्था टेक चुके होंगे। क्योंकि मंदिर में रोजाना औसतन डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। इस लिहाज से साल के अंत तक बाबा के दरबार पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 5 करोड़ के पार पहुंच जाएगा और इस वर्ष मंदिर को सभी स्त्रोतों से दो अरब रुपये की आय होने की संभावना है। अभी तक मंदिर को कुल अनुमानित आय एक अरब 78 करोड़ रुपये हुई है। मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़ के अनुसार 31 दिसंबर तक श्रद्धालुओं की संख्या में और भी बढ़ोत्तरी होगी। क्योंकि रोजाना करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर लेते हैं।इस अनुमान के मुताबिक कि 01 जनवरी से 31 दिसंबर, 2024 यह आंकड़ा 5 करोड़ से भी अधिक हो जाएगा। इस तरह से इस वर्ष मंदिर को सभी स्त्रोतों से दो अरब रुपये की आय होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि आंकड़ा बढ़ सकता है, यह घटेगा नहीं। दरअसल, महाकाल मंदिर में भस्मार्ती दर्शन के दौरान चलित भस्मार्ती दर्शन भी होते हैं। इसके अलावा रात्रि शयन आरती तक दर्शन का सिलसिला जारी रहता है। चूंकि गर्भगृह में प्रवेश पूर्णत: निषेध है, अत: नंदी गृह के पिछे पीतल के बैरिकेड्स से श्रद्धालुओं को कतारबद्ध होकर घूमते हुए दर्शन करना जारी रहता है। यही कारण है कि रोजाना करीब डेढ़ लाख श्रद्धालु दर्शन कर लेते हैं।

ईडी ने आईएएस अधिकारी संजीव हंस की 23 करोड़ की संपत्ति को किया कुर्क

पटना। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), पटना जोनल कार्यालय ने धन-शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत भारतीय प्रशासनिक सेवा (भाप्रसे) के अधिकारी संजीव हंस और उनके परिवार के सदस्यों के सहयोगियों द्वारा अर्जित 23.72 करोड़ की सात संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। ईडी ने एक बयान में कहा है कि इन संपत्तियों में नागपुर में तीन भूमि, दिल्ली में एक फ्लैट और जयपुर में तीन फ्लैट शामिल हैं। यह संपत्ति अपराध की आय का उपयोग करके हंस के करीबी सहयोगियों के नाम पर खरीदे गए थे। ईडी ने इस मामले में बीते तीन दिसम्बर को दिल्ली, गुड़गांव, कोलकाता, जयपुर और नागपुर में 13 स्थानों पर तलाशी ली थी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व विधायक गुलाब यादव और अन्य सहयोगियों ने कथित तौर पर मनी लॉन्ड्रिंग में हंस की सहायता की थी। दोनों 18 अक्टूबर को गिरफ्तार कर लिए गये थे।

कांग्रेस नेता फिलीस्तीन का बैग लेकर घूम रहीं, हम नौजवानों को इजराइल भेज रहेः सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अपने वक्तव्य के दौरान कई बार विपक्षी सदस्यों पर करारे कटाक्ष किए। उन्होंने बिना नाम लिए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल कांग्रेस की एक नेता संसद में फिलीस्तीन का बैग लेकर घूम रही थीं और हम यूपी के नौजवानों को इजराइल भेज रहे हैं। सीएम योगी यहीं नहीं रुके। उन्होंने विपक्षी सदस्यों को सरकार की योजनाओं और नीतियों को समझने का भी सुझाव दिया। बोले- प्रदेश के नौजवानों के हितों के लिए सरकार ने अनेक कदम उठाए हैं। विपक्ष के सदस्य यदि सरकार की योजनाओं और नीतियों के बारे में समझकर अपने क्षेत्र में कार्य करेंगे तो उनके क्षेत्र के नौजवानों का ही भला होगा

और उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा, नहीं तो वही होगा जो कुंदरकी में हुआ है। सीएम योगी बोले, हमें उत्तर प्रदेश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाना है। सदन में कुम्भ पर भी चर्चा होगी और मुझे लगता है कुम्भ हमारे लिए एक अवसर होगा उत्तर प्रदेश को वैश्विक मंच पर शोकेस करने का, लेकिन इसके लिए अच्छा बोलना और सोचना पड़ेगा। नकारात्मकता को हटाना पड़ेगा। विपक्ष का मतलब नकारात्मक नहीं हो सकता है। विपक्ष का मतलब हर चीज में बुराई करना नहीं हो सकता है। कुछ अच्छा भी करिए, अच्छा सोचिए, अच्छी दिशा में चलिए, अच्छी दिशा में चलेंगे तो आगे अच्छा ही देखने को मिलेगा, लेकिन अगर नकारात्मक दिशा में चलेंगे तो एक तरफ कुआं और एक तरफ खाई ही मिलेगी। नकारात्मकता किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता है।

सीएम ने विपक्ष के सदस्यों से आग्रह किया सदन में आकर मुद्दों को रखें, लेकिन तथ्यों के साथ रखेंगे तो उनकी गरिमा और सम्मान बढ़ेगा। उनके मुद्दे उचित, लेकिन तथ्यहीन-अपुष्ट थे। उन्होंने अपील की कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता और विद्वेष को छोड़कर सरकार की नीतियों और योजनाओं के बारे में पढ़ेंगे तो अपने क्षेत्र के नौजवानों का भला कर पाएंगे। नहीं तो आपका वही हाल होगा जो कुंदरकी में हुआ।

अलंग शिपब्रेकिंग यार्ड में रीसाइक्लिंग जहाज से समुद्र में छोड़ा गया रसायन, डामर की तीन इंच की परत जमी

एजेंसी

भावनगर/अहमदाबाद। दुनिया भर से हाल ही में अलंग के शिपब्रेकिंग यार्ड में स्क्रैप के लिए आए जहाज से अत्यधिक ज्वलनशील और जहरीले रसायनों के अंधाधुंध बहाव से समुद्र की परिस्थितिकी व समुद्र तटों को भारी नुकसान पहुंच रहा है। इससे होने वाले पर्यावरणीय नुकसान का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि समुद्र टार जैसे तरल पदार्थ की एक-तीन इंच मोटी परत बन गई है। सुबह बड़ी संख्या में मृत पक्षी, मछलियां, केकड़े जैसे जलीय जीव बहकर समुद्र तट पर आ गए हैं। विश्व प्रसिद्ध शिपब्रेकिंग यार्ड अलंग में दुनिया भर से जहाज स्क्रैप के लिए आते हैं। हाल ही में स्क्रैप के लिए भेजे गए जहाज से अत्यधिक ज्वलनशील और जहरीले रसायनों की अंधाधुंध डंपिंग ने तटों और समुद्र को व्यापक नुकसान पहुंचाया है। हालत यह है कि समुद्र टार जैसे तरल पदार्थ की एक से तीन इंच मोटी काली परत बन गई है। यह घोर लापरवाही का नतीजा है या जानबूझकर इसे अंजाम दिया गया है, इसकी जांच चल रही है। जानकारी के मुताबिक हाल ही में पेट्रोकेमिकल ले जाने वाले एक जहाज को अलंग में तोड़ा जाना था। इस जहाज के पानी के बाहर लंगर डालने के बाद जहाज में मौजूद टार जैसा खतरनाक रसायन गलती से या जानबूझकर समुद्र में छोड़ दिया गया था। छोड़े जाने के साथ ये खतरनाक रसायन समुद्र में दूर तक फैल गया। जिसकी वजह से कई समुद्री जीव मर गए हैं। अलंग शिपयार्ड के समुद्र तट के बाएँ और दाएँ दोनों किनारों पर कई किलोमीटर की तटरेखा में टार जैसा रसायन बरामद किया गया है।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने भूटान के राजा से की वार्ता, असम-भूटान के ऐतिहासिक संबंधों को सुदृढ़ करने पर जोर

एजेंसी

थिम्फू। भूटान सरकार के निमंत्रण पर असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भूटान पहुंचे। आज उन्होंने भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्येल वांगचुक से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने असम और भूटान के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और मजबूत करने तथा आपसी सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

बैठक में भूटान के विकास, लोगों की भलाई और क्षेत्रीय आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ सरमा ने इसके बाद भूटान के प्रधानमंत्री दशो शेरिंग तोग्बे के साथ एक अन्य बैठक में आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने असम और भूटान के बीच व्यापारिक साझेदारी को सुदृढ़ करने के लिए नए अवसर तलाशने पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों क्षेत्रों के बीच सात पारंपरिक व्यापार मार्गों के माध्यम से वर्षों से गहरे आर्थिक संबंध बने हुए हैं। उन्होंने भूटानी नेतृत्व को आश्वासन दिया कि असम सरकार असम-भूटान सीमा पर व्यापारिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पूरी

प्रतिबद्धता से कार्य करेगी। उन्होंने व्यापार और वाणिज्य को और सुगम बनाने के लिए अतिरिक्त व्यापार मार्गों के निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया। साथ ही उन्होंने 'असम माला' योजना के अंतर्गत कोकराझार से ग्यालफु के बीच सड़क संपर्क को मजबूत करने के प्रयासों पर प्रकाश डाला। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव डॉ के.के. द्विवेदी भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ सरमा और उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने भूटान के 117वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में भी हिस्सा लिया। थिम्फू के प्रसिद्ध चांगलिमिथांग मैदान में आयोजित इस समारोह में भाग लेना मुख्यमंत्री के लिए एक भावनात्मक और यादगार अनुभव रहा। उन्होंने भूटान सरकार के भव्य स्वागत और शानदार आयोजन के लिए आभार प्रकट किया। गौरतलब है कि भूटान का राष्ट्रीय दिवस 1907 में देश के पहले राजा उग्येन वांगचुक के राज्याभिषेक की स्मृति में मनाया जाता है।

कम से कम तीन बच्चे पैदा करें हिन्दू: प्रवीण तोगड़िया

एजेंसी

गाजियाबाद। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि भारत में हिन्दुओं की जनसंख्या लगातार घट रही है। आजादी के समय 86 प्रतिशत हिन्दू थे। अब केवल 71 प्रतिशत बचे हैं। वृद्धि दर नीचे आ गई है जो बेहद गंभीर है और अगले 70-80 वर्षों में हिन्दुओं की गंभीर स्थिति बनेगी।

तोगड़िया लाजपत नगर के शिव शक्ति विहार में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। बांग्लादेश से लगातार हो रहे घुसपैठ को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरूरत पर जोर देते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून, समान नागरिक संहिता और पांच करोड़ बांग्लादेशियों को वापस भेजने की मांग की। डॉक्टर तोगड़िया ने कहा कि हिंदू यदि घटेंगे तो निश्चित तौर पर कटेंगे ही। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने होंगे। प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि देखने में आया है कि जहां-जहां मुस्लिम बहुमत होता है वहां पर गैर मुस्लिम असुरक्षित रहता है। कश्मीर घाटी बांग्लादेश-अफगानिस्तान और पाकिस्तान इसके जीते जागते उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि पहले बांग्लादेश में 28 प्रतिशत यमन में मार रहा है। मैं इसी भारत का सपना देख रहा हूं। अब यहां से पांच करोड़ बांग्लादेशियों को खदेड़ने का काम मिलकर करेंगे जो भी उन्हें अपना बताएगा उनका डीएनए टेस्ट

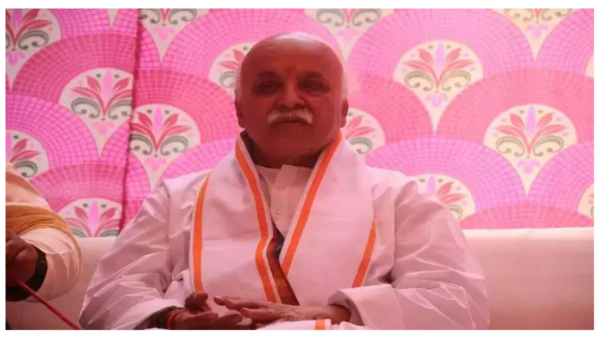

हिन्दू थे। अत्याचार के कारण लगातार पलायन के चलते केवल आठ प्रतिशत हिन्दू बचे हैं। वहां हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए केंद्र सरकार को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इजराइल जैसा 90 लाख की आबादी वाला देश यहूदियों की रक्षा के लिए ईरान, फिलिस्तीन, लेबनन, सीरिया, कराएंगे। तोगड़िया ने बताया कि हिन्दुओं को हिन्दुत्व से जोड़ने के लिए हर गांव में मंगल या शनिवार को हनुमान चालीसा भी करा रहे हैं। पहले फेज में एक लाख गांव में हनुमान चालीसा कराएंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस पर हमला हमारी सरकार पर हमला है। पुलिस पर हमला हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।

प्रियंका वाड्रा के हैंडबैग पर विजयवर्गीय बोले- यह मुस्लिम तुष्टीकरण, देश जानता है इनकी हकीकत

एजेंसी

इंदौर। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के हैंडबैग पर बवाल मचा हुआ है। देशभर में सोशल मीडिया पर चल रही बहस के बीच मध्य प्रदेश सरकार में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी प्रियंका गांधी वाड्रा को घेरा है। उन्होंने कहा है कि यह हिंदुओं और इसाइयों की वकालत का नाटक है। यह मुस्लिम तुष्टिकरण है। देश इनकी हकीकत जानता है। दरअसल, प्रियंका गांधी वाड्रा संसद में 'बांग्लादेशी हिंदुओं और ईसाइयों साथ खड़े हो' लिखा हुआ हैंडबैग लेकर पहुंची थीं। इसके एक दिन पहले सोमवार को वह संसद में फिलिस्तीन समर्थन वाला हैंडबैग लेकर पहुंची थीं। इस पर विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने एक्स पर लिखा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी कल संसद में फिलिस्तीन समर्थक प्रतीकों वाले हैंडबैग के साथ पहुंचीं। वहां उन्होंने फिलिस्तीन के पक्ष में बयान दिया। यह घटना महज संयोग नहीं, एक पुरानी परंपरा की पुनरावृत्ति है, जिसे उनके पूर्वजों ने वर्षों पहले स्थापित किया था। उसी कुटिल राजनीति का दुष्परिणाम देश ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के रूप में भोगा और आज तक उसकी कीमत चुका रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि चौतरफा आलोचना और राजनीतिक दबाव के बाद, आज वे संसद में एक नया प्रपंच रचने पहुंचीं। इस बार बांग्लादेशी हिंदुओं और ईसाइयों के समर्थन का झंडा उठाकर। अचानक हिंदुओं और ईसाइयों की वकालत का यह नाटक, उनके दोहरे मापदंड और राजनीतिक अवसरवाद का जीवंत प्रमाण है। अब इसे वैचारिक विचलन कहें या सांप्रदायिक संतुलन साधने का प्रयास, किंतु यह स्पष्ट है कि कांग्रेस की यह 'हैंडबैग राजनीति' उनकी खोती हुई जमीन पर मरहम लगाने का असफल प्रयास है। ये मुस्लिम तुष्टीकरण है। देश इनकी हकीकत जानता है।

योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे मजबूत

एजेंसी

लखनऊ। यूपी विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन विपक्ष द्वारा महिला हिंसा और उत्पीड़न के मुद्दे पर गलत आंकड़े पेश करने पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार में कानून व्यवस्था सबसे मजबूत हुई है। पिछले साढ़े सात वर्षों में यूपी में महिला समेत हर प्रकार के अपराध में गिरावट दर्ज की गई है। अपराधियों को सजा दिलाने में भी प्रदेश सरकार सबसे ज्यादा सफल हुई है। उन्होंने विपक्ष के सवालों को जवाब देते हुए कहा कि 1 जनवरी 2024 से 30 नवंबर के बीच 1090 वीमेन पावर लाइन पर 4,18,504 शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें 4 लाख 9 हजार 912 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इसका रेश्यो 97.95 प्रतिशत है। वहीं पेंडिंग 8,592 मामलों के निस्तारण के लिए कार्रवाई की जा रही है। कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि दहेज मृत्यु के मामले में भी लगातार कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2017 में 2524 मामले सामने आए थे। 1 जनवरी 2024 से 31 अक्टूबर तक इस पर 1418 केस दर्ज किए गए। वर्ष 2023 में दहेज मृत्यु की 2061 घटनाएं दर्ज की गईं। उन्होंने कहा कि अपराधियों को सजा दिलाने की बात है तो सरकार ने जितनी तेजी से प्रॉसिक्यूशन को मजबूत करते हुए कन्विक्शन कराया है। अभी तक उत्तर प्रदेश सरकार के इतिहास में किसी की सरकार ने नहीं किया। संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि पॉक्सो एक्ट में 2017 में 415 लोगों को सजा हुई। वहीं 2018 में 631 लोगों को सजा हुई। वर्ष 2019 में 665 और 2020 में 535 और 2021 में 1230, 2022 में 2313 और 2023 में 2841 और अभी इस वर्ष 1 जनवरी से 15 दिसंबर तक 2440 लोगों को सजा दिलाने में सफलता हासिल की ।

प्रयागराज महाकुम्भ में संयम, साधना और तप की त्रिवेणी का साक्षी बनेगा कल्पवास

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज के संगम तट में लगे आस्था के सबसे बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक समागम में तप, साधना और संयम की त्रिवेणी प्रवाहित हो रही है। भक्ति और अध्यात्म की यह त्रिधारा है कल्पवास जिसकी शुरुआत पौष पूर्णिमा के स्नान के साथ होगी । प्रदेश की योगी सरकार ने महाकुम्भ में कल्पवासियों के लिए भी विशेष इंतजाम किए हैं।

महाकुंभ में 7 लाख से अधिक कल्पवासियों से गुलजार होंगे गंगा के तट

महाकुम्भ अध्यात्म और संस्कृति का दुनिया का सबसे बड़ा आयोजन है। यहां ज्ञान, भक्ति और साधना के विविध रंग दिखते हैं। महाकुम्भ में अखाड़ों के वैभव के अतिरिक्त यहां कल्पवासियों की जप, तप और संयम की त्रिवेणी भी प्रवाहित होती है। पौष पूर्णिमा से पूरे एक महीने तक गंगा और यमुना की

रेत पर तंबुओं के शिविर बनाकर ठिठुरती ठंड में साधना करने वाले कल्पवासियों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है। एडीएम महाकुम्भ विवेक चतुर्वेदी बताते हैं कि इस बार लगभग सात लाख कल्पवासियों के लिए प्रशासन ने व्यवस्था की है। कल्पवासी की उम्र और अवस्था को देखते हुए इन्हें बसाया जा रहा है। मेला के विभिन्न सेक्टर्स में लगभग 900 बीघे में इन्हें बसाया जा रहा है। मेला क्षेत्र में मूल रूप से कल्पवास करने वाले इन श्रद्धालुओं को गंगा के तटों के पास ही तंबुओं की व्यवस्था की गई थी, ताकि सुबह प्रतिदिन इन्हें गंगा स्नान के लिए दूर तक न चलना पड़े।

कल्पवासियों के शिविर में स्वच्छता पर प्राथमिकता

योगी सरकार प्रयागराज महाकुम्भ को दिव्य ,भव्य और स्वच्छ स्वरूप प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए संपूर्ण मेला क्षेत्र में स्वच्छता के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। एसडीएम मेला अभिनव पाठक के मुताबिक विभिन्न सेक्टर में बस रहे कल्पवासियों के शिविर में भी स्वच्छता को प्राथमिकता दी जा रही है। कल्पवासियों के शिविर में कलर कोडेड डस्टबिन रखे जाएंगे। सूखे कूड़े के लिए अलग और गीले कूड़े के लिए अलग डस्टबिन होंगे। गंगा किनारे किसी तरह का कूड़ा जमा न हो पाए, इसलिए वहां भी डस्टबिन रखे जायेगें। कल्पवासियों से भी अपील की जाएगी कि वह सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल शिविर में न करे। इसके लिए सभी शिविरों के बाहर पोस्टर भी लगाए जाएंगे।

कल्पवासियों के शिविरों में अलाव की व्यवस्था

माघ के जिस महीने में ये कल्पवासी गंगा के तट पर कल्पवास करते हैं, वह समय कड़ाके की ठंड का होता है। बुजुर्ग कल्पवासियों के लिए शीत लहरी से बचाव हो इसके लिए भी प्रशासन कई कदम उठा रहा है। अभिनव पाठक बताते हैं कि प्रशासन कल्पवासियों के शिविर के बाहर अलाव जलाने की व्यवस्था करेगा ताकि शीत लहरी से कल्पवासियों का बचाव हो सके।

युवा डॉक्टरों को ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में देनी चाहिए सेवा : राष्ट्रपति

एजेंसी

मंगलागिरी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुंटूर जिले के मंगलगिरी स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि युवा डॉक्टरों को ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में भी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने को लेकर प्राथमिकता देनी चाहिए। राष्ट्रपति ने एम्स के प्रथम बैच के 49 एमबीबीएस छात्रों को डिग्री प्रदान की। राष्ट्रपति ने कहा कि मेडिकल करियर चुनकर छात्रों ने मानवता की सेवा का रास्ता चुना है। आपके पास लोगों की जान बचाने और उनके स्वास्थ्य में सुधार करने का एक अमूल्य अवसर होगा। आप जैसे युवा डॉक्टरों को ग्रामीण, आदिवासी और दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों की सेवा करने को प्राथमिकता देनी जानी चाहिए। कार्यक्रम में राज्यपाल अब्दुल

नजीर, मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू बाबू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण भी मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि राज्य सरकार एम्स के विकास के लिए पूरा सहयोग देगी। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नवीनतम तकनीक का दावा करने वाला मंगलगिरी एम्स देश में प्रथम स्थान पर रहेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि मंगलगिरी एम्स के लिए 10 एकड़ जमीन और आवंटित की जा रही है।

तानसेन संगीत समारोह : ब्रम्हनाद के साधकों के गायन-वादन के सुरों से सराबोर हुए रसिक

एजेंसी

ग्वालियर। शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित महोत्सव 'तानसेन संगीत समारोह' के शताब्दी आयोजन के तीसरे दिन मंगलवार की संगीत सभा में ब्रम्हनाद के शीर्षस्थ साधनों ने अपने गायन-वादन से रसिकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रातःकालीन संगीत सभाओं का शुभारम्भ पारम्परिक रूप से ईश्वर को अर्पित ध्रुपद गायन के साथ हुआ। तानसेन संगीत महाविद्यालय, ग्वालियर के विद्यार्थियों द्वारा राग देसी ताल चौताल में निबद्ध बंदिश रघुवर की छवि सुन्दर.... से भगवान श्री राम के प्रति अनन्त आस्था एवं श्रद्धा को वर्णित किया। पखावज पर जगतनारायण शर्मा ने संगत दी। अगली प्रस्तुति वायलिन जुगलबंदी की थी। मंच पर नमूदार हुए सुप्रसिद्ध वायलिन वादक महेश मलिक एवं अमित मलिक। पिता–पुत्र की इस जोड़ी ने वायलिन की तारों पर राग बैरागी भैरव छेड़ा। सधे हुए हाथों से उस्ताद सलीम अल्लाहवाले की तबला संगत के साथ श्रोताओं को राग का अनुराग प्रदान कराया। इसमें विलंबित एक ताल में बड़ा खयाल की गत और द्रुत तीन ताल में छोटे खयाल की बंदिश से दीर्घा में राग की सुगंध घोली। अंत में राग चारुकेशी की धुन से प्रस्तुति को विराम दिया।

गिटार पर राग की जादूगरी और उँगलियों की कारीगरी ने किया मंत्रमुग्ध-

वायलिन की सुमधुर धुनों को सुनने के बाद अब गिटार की धुनों से साक्षात्कार का समय था। वाराणसी की सुप्रसिद्ध गिटार वादिका कमला शंकर की तानसेन समारोह के मंच पर आमद हुई। शंकर गिटार वाद्ययंत्र पर उन्होंने राग शुद्ध सारंग छेड़ा। उंगलियों की कारीगरी और राग की जादूगरी ने कुछ इस तरह संगीतप्रेमियों की आत्मा पर दस्तक दी कि सब निहाल हो गए। उनके साथ तबले पर पंडित ललित कुमार ने संगत दी। कमला शंकर ने अपनी प्रस्तुति को सुप्रसिद्ध तबला वादक एवं पद्मविभूषण उस्ताद जाकिर हुसैन को समर्पित किया।

मणिपुर के सीमावर्ती इलाके से पांच सक्रिय आईईडी बरामद

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिलों के सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना और राज्य पुलिस के संयुक्त अभियान में पांच सक्रिय इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइसेज (आईईडी) बरामद किए गए। राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों ने बताया कि विशेष खुफिया सूचना के आधार पर कांगपोकपी और इंफाल पूर्वी जिले की सीमा पर स्थित मफिटल हिल की तलहटी में भारतीय सेना के बम निरोधक दस्ते और स्नाइपर डॉग की मदद से 21.5 किलोग्राम के पांच आईईडी बरामद किए गए। आईईडी जहां लगाया गया था, वहां निर्धारित समय पर विस्फोट हो जाता तो इससे

निकटवर्ती तुमुखांग, मोयरानपुरेल, नोंगडैम तांगखुल और इथम गांवों की स्थानीय आबादी बड़े पैमाने पर हताहत हो जाती। आईईडी विशेष रूप से उन लोगों के लिए एक गंभीर खतरा था जो उन गांवों में मवेशी चराते थे या कृषि कार्य करते थे। पुलिस ने काकचिंग जिले के लमखाई इलाके से कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी- प्रोग्रेसिव (केसीपी-पीडब्ल्यूजी) के सक्रिय कैडर इरेंगबाम रामेश्वर सिंह (48) को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद इरेंगबाम रामेश्वर को पुलिस और सेना द्वारा काकचिंग ममांग सिंग लिपम लोकनोंग क्षेत्र के घने जंगल में बनाए गए एक अस्थायी शिविर में ले जाया गया। उस शिविर से केसीपी-पीडब्ल्यूजी के सात और सक्रिय कैडरों को गिरफ्तार किया गया।

सर्दियां आ गई हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि तुम सिर्फ गर्म कपड़े लाद लो या फिर छुट्टियों के दौरान रजाई में दुबके रहो। इस मौसम में तुम कई ऐसे एडवेंचर स्पोर्ट्स का मजा ले सकते हो, जो सिर्फ इसी मौसम में संभव हैं।

सर्दियों में खेलो ये खेल

यह खास तरह का विंटर स्पोर्ट है, जिसमें स्की करने वाले लोगों को हेलीकॉप्टर से एक पहाड़ की चोटी पर पहुंचा दिया जाता है। इससे स्की करने वाले स्कीइंग के जरिये ऊपर जाने की मेहनत से बच जाते हैं। इसमें बहुत अनुभव और हिम्मत की जरूरत होती है, साथ ही फिजिकल फीचर्स और हवा की दिशा की जानकारी भी जरूर होनी चाहिए। भारत हेली स्कीइंग की सुविधा प्रदान करने वाला पहला देश है। इस स्पोर्ट का सबसे ज्यादा मजा कश्मीर की हिमालय रेंज में आता है। यहां कर सकते हो हेली स्कीइंग- हनुमान टिब्बा मनाली हिमाचल प्रदेश, औली उत्तराखंड, पिथौरागढ़ उत्तराखंड, रोहतांग पास मनाली हिमाचल प्रदेश, चंद्रखानी पास कुल्लू और मनाली हिमाचल प्रदेश, गुलमर्ग जम्मू एवं कश्मीर, देव टिब्बा मनाली,हिमाचल प्रदेश

मोटर रैली

यह विंटर स्पोर्ट काफी मशहूर है, क्योंकि भारत में मोटर रैलीज के लिए शानदार इलाके हैं। पहाड़ी इलाकों से शुरू होकर समुद्र तटों (सी बीच) तक। जो लोग ड्राइविंग और एडवेंचर पसंद करते हैं, उनके लिए यह शानदार स्पोर्ट है। पहाड़ी इलाकों में ड्राइविंग करना काफी मुश्किल होता है, इसलिए ड्राइवर को काफी स्मार्ट होना पड़ता है। भारत में होने वाली कुछ मशहूर कार रैली हैं- हिमालयन कार रैली, विंटेज कार रैली, द मानसून रैली, द चारमीनार चैलेंज रैली, कनार्टक 1000 रैली और रैली डी' एंड्योरेंस आदि।

कैमल सफारी

यह जाड़े का एक लोकप्रिय स्पोर्ट है। सबसे बढ़िया कैमल सफारी का मजा लेना है तो राजस्थान के थार रेगिस्तान में पहुंच जाओ। जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर में कैमल सफारी का बढ़िया मजा ले सकते हो। इन जगहों के अलावा रामगढ़, नवलगढ़ और चुरू आदि शहरों में भी इसका मजा लिया जा सकता है। सफारी टूर आयोजित करने वाले सफारी के दौरान पुराने जमाने के कारवां सफर की तरह का माहौल पैदा करने की कोशिश करते है, जिसमें सफारी के साथ-साथ म्यूजिशियन भी चलते हैं। साथ ही वे बीच में कहीं-कहीं कैंप फायर का आयोजन भी करते हैं, ताकि टूरिस्ट कैमल सफारी को पूरा एंज्वॉय कर सकें।

दुनिया के अजब-गजब सांप

सामान्यत- सांप को एक बेहद विषैला और खतरनाक जंतु माना जाता है. कई लोग तो सांप का नाम सुनते ही भय से घिर जाते हैं. लेकिन सभी सांप जहरीले नहीं होते, बल्कि कई बहुत सीधे और शांत भी होते हैं. मगर इनका आकार, रंग-रूप हमें भयभीत कर देता है. पुरानी मान्यता है कि सांप दुनिया के सबसे पहले और सबसे पुराने सरीसृप (रेपटाइल्स) हैं. वैसे अगर जहरीले सांपों का जिक्र किया जाये, तो दुनिया में कुल चार तरह के जहरीले सांप होते हैं- पहला एलापिड्स, दूसरा वैपरिड्स, तीसरा कोलुब्रिड्स और चौथा हाइड्रोफाइडी.

एलापिड्स - इस परिवार के सांप दुनिया में उष्णकटिबंधीय इलाकों में पाये जाते हैं. इस परिवार में 231 जातियां होती हैं. कुछ एलापिड्स के सदस्यों का नाम है- कोबरा, किंग कोबरा, करैत. ये सभी बेहद जहरीले होते हैं. दक्षिण और पूर्वी अफ्रीका के पर्वतीय इलाकों में पाया जानेवाला ब्लैक माम्बा दुनिया का खतरनाक जहरीला सांप इसी परिवार का अंग है.

वैपरिड्स (वाइपर) - ये दुनिया भर में पाये जाते हैं सिवाय ऑस्ट्रेलिया और मेडागास्कर के. इनका मुंह अपेक्षाकृत थोड़ा बड़ा होता है, जिससे ये शिकार को आसानी से पकड़ लेते हैं. इस परिवार में चार जातियां होती हैं- आजेमिओपिनि, वाइपरनी, क्रोटेलिनी और काउसिनी.

कोलुब्रिड - इनकी खासियत है कि इनका पूरा शरीर स्केल्स से ढंका होता है. सामान्यत- इनमें जहर नहीं पाया जाता, लेकिन कुछ सांप इनमें ऐसे भी हैं, जिनके नुकीले दांत उनके मुंह के पीछे की तरफ होते हैं और वे नुकसानदायक होते हैं. ऐसे केवल अफ्रीकन ही होते हैं. इस परिवार के सदस्यों में कुछ सांप रानी सांप, राजा सांप, ताज सांप, बैल सांप, चूहा सांप, मोजाबंध सांप, चिकना सांप, पानी सांप, दुधहिया सांप, पेड़ पर रहनेवाले सांप हैं. रानी सांप जहरीला नहीं होता. गहरे भूरे रंग का यह सांप 60 सेंटीमीटर से ज्यादा लंबा नहीं होता है.

हाइड्रोफाइडी - इन्हें समुद्री सांप भी कहते हैं. समुद्री सांप में कई तरह की प्रजातियां होती हैं. वे जमीन की तुलना में पानी में ज्यादा रहते हैं. समुद्री सांप कोबरा समूह से होता है. ये दो मीटर तक लंबे होते हैं. इनके परिवार में 50 से ज्यादा प्रजातियां होती हैं. इनमें से अधिकतर जहरीली होती हैं. इनके ऊपरे जबड़े में अपेक्षाकृत छोटे, नुकीले और थोड़े खोखले दांत होते हैं. इनमें लगभग 1.5 मिलीग्राम तक जहर होता है. समुद्री सांप थलीय सांप की अपेक्षा ज्यादा जहरीले होते हैं.

हैंग ग्लाइडिंग

भारत में यह भी एक अहम विंटर स्पोर्ट है। यह एक ऐसा गेम है, जहां खेलने वाले पर्वत श्रृंखलाओं (माउंटेन रेंजेस) की ऊंचाई से भी आगे, नदियों, जंगलों और यहां तक कि मैदानी इलाकों के शानदार दृश्यों का मजा ले सकते हैं। अगर आसमान साफ है तो हैंग ग्लाइडर नदियों के रूट को भी देख सकते हैं, जब तक कि वे धुंध में गायब नहीं हो जातीं। हैंग ग्लाइडिंग जम्मू एवं कश्मीर राज्य के श्रीनगर घाटी क्षेत्र में बहुत लोकप्रिय है। इसके अलावा तमिलनाडु में नीलगिरी पहाडियों, कर्नाटक के मैसूर और मेघालय के शिलांग में भी काफी लोकप्रिय है।

बैलूनिंग

भारत में इसे एक फैंसी विंटर स्पोर्ट के रूप में देखा जाता है। हर साल नवंबर में पूरी दुनिया में बैलून फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है और इसमें भाग लेने वाले सभी लोग इसे काफी एंज्वॉय करते हैं। दिल्ली के सफदरजंग एयरपोर्ट स्थित बैलून क्लब ऑफ इंडिया इस हवाई स्पोर्ट का हेडक्वार्टर है।

यहां कर सकते हो बैलूनिंग

आगरा उत्तर प्रदेश, पुष्कर राजस्थान, बेनेश्वर राजस्थान, नागौर

रॉक क्लाइंबिंग

इस गेम में साहस की जरूरत होती है। इसमें ढेरों मुश्किलों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुंचना होता है और फिर वहां से उसी तरह वापस लौटना पड़ता है। कुछ लोगों में इस खेल को लेकर काफी पैशन होता है। इस खेल में कंसन्ट्रेशन, को-ऑर्डिनेशन और मजबूती का इम्तिहान होता है, साथ ही टेक्निक और स्किल की भी परीक्षा होती है। एक अनुभवी क्लाइंबर जानता है कि पहाड़ों को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। रॉक क्लाइंबिंग के कुछ प्रसिद्ध सेंटर उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में हिमालय रेंज में हैं। इसके अलावा पुणे, माउंट आबू के पास वेस्टर्न घाट और राजस्थान में सरिस्का इसके लिए काफी मशहूर है। दुर्घटना से बचने के लिए अपने साथ एक प्रोफेशनल क्लाइंबर रखना बहुत जरूरी है।

गिरगिट का रंग बदलना

गिरगिट समय-समय पर अपना रंग बदलने के लिए जाना जाता है. पर आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे बदल लेता है? क्या गिरगिट के भीतर रंगों का भंडार होता है, जो जरूरत के अनुसार उनका इस्तेमाल कर लेता है? दरअसल, इस प्राणी की त्वचा में एक विशेष गुण होता है.

हम अकसर किसी से कहते हैं कि तुम भी गिरगिट की तरह रंग बदल रहे हो! जाहिर है ऐसा हम गिरगिट के स्वभाव को ध्यान में रख कर कहते हैं, जो समय-समय पर अपना रंग बदलने के लिए जाना जाता है. पर आपने कभी सोचा है कि गिरगिट अपना रंग कैसे बदल लेता है? क्या गिरगिट के भीतर रंगों का भंडार होता है, जो जरूरत के अनुसार उनका इस्तेमाल कर लेता है? दरअसल, इस प्राणी की त्वचा में एक विशेष गुण होता है.

वह गुण होता है उसकी विशेष प्रकार की कोशिकाएं यानी सेल क्रोमाटाफोरस में. ये सेल क्रोमाटाफोरस दिमाग द्वारा नियंत्रित होती हैं. किसी भी खतरे को भांप कर गिरगिट का दिमाग इन कोशिकाओं को संदेश भेजता है. कोशिकाएं इसी के अनुरूप फैलने या सिकुड़ने लगती हैं, तो ये सेल क्रोमाटाफोरस अपना आकार बदल कर छोटी या बड़ी हो जाती हैं और पिगमेंट के कारण गिरगिट का रंग बदल जाता है. वह फौरन चारों तरफ के रंगों में घुल-मिल कर अपने शत्रुओं से अपनी रक्षा कर लेती है. शिकार को पकड़ने के लिए भी पत्तों या स्थानीय रंग को धारण कर लेती है. तापमान कम या ज्यादा होने पर भी इसका असर उसकी त्वचा पर दिखाई देने लगता है.

इसके शरीर से विशेष प्रकार के हार्मोन के निकलने से कोशिकाएं उत्तेजित होने लगती हैं. गिरगिट की त्वचा में ऊपर से नीचे पीली, भूरी, काली और सफेद रंग के पिगमेंट से भरी कोशिकाएं होती हैं. इंटरमेडिन, एसीटिलकोलिन व एड्रीनेलिन नाम से हार्मोन ही उन कोशिकाओं को उत्तेजित करने के लिए जिम्मेदार होते हैं. दिलचस्प बात है कि गिरगिट अकेलापन पसंद करते हैं. जब उसका शत्रु से सामना होता है, तो अपने पीले धारियों के साथ लाल रंग में बदल जाते हैं और जब वह बीमार होते हैं, तो उनका रंग पीला हो जाता है, क्योंकि अब उसमें रंग बदलने के लिए ऊर्जा बहुत कम बचती हैं.

प्रजातियां

मुख्य रूप से दो जातियां वर्णित हैं- ब्रूकेसिया (19 प्रजातियां) और कैमेलियो (70 प्रजातियां). इनमें से लगभग आधी प्रजातियां सिर्फ मेडागास्कर में पायी जाती है, अन्य अफ्रीका में सहारा के दक्षिण में, पश्चिमी एशिया में दो प्रजातियां पझायी जाती हैं, एक दक्षिण भारत और श्रीलंका में और दूसरी (यूरोपीय गिरिगट, कैमेलियो, कैमलियॉन) उत्तरी अफ्रीका से लेकर दक्षिणी स्पेन तक. अधिकांश गिरिगट 17-25 सेमी लंबे होते हैं, अधिकतम लंबाई 60 सेमी तक हो सकती है. कुछ में घुमावदार पूंछ भी पायी जाती है. इसकी बाहर ओर निकली हुई आंखें एक-दूसरे से भिन्न दिशा में घूम सकती हैं. दक्षिण अफ्रीका की कुछ प्रजातियां अंडों के बजाय बच्चों को ही जन्म देती हैं.

एनआईटी श्रीनगर ने एनआईटी हमीरपुर को 23 रनों से हराया

एजेंसी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर जम्मू-कश्मीर ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) सिलचर असम में अखिल भारतीय अंतर-एनआईटी फैकल्टी और स्टाफ क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में एनआईटी हमीरपुर को 23 रनों से हरा दिया। सिलचर के एनआईटी सिलचर क्रिकेट ग्राउंड में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एनआईटी श्रीनगर जम्मू-कश्मीर ने 138/5 का प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाया। फैसल इरशाद ने नाबाद 52 रनों की पारी खेली जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल था। उनका साथ आकिब शेख ने दिया जिन्होंने सिर्फ 5 गेंदों पर दो चौकों सहित 16 रनों की तेज पारी खेली। सोहेल अहमद बाबा ने भी आउट होने से पहले 17 रनों का योगदान दिया। हालांकि एनआईटी हमीरपुर के गेंदबाज नियमित अंतराल पर महत्वपूर्ण विकेट लेने में सफल रहे। मनीष ने 3 ओवर में 27 रन देकर 2 विकेट लिए जबकि अमन कुमार ने भी 29 रन देकर 2 विकेट लिए। उनके प्रयासों के बावजूद एनआईटी श्रीनगर का स्कोर चुनौतीपूर्ण साबित हुआ। जीत के लिए 139 रनों का पीछा करते हुए एनआईटी हमीरपुर को एनआईटी श्रीनगर के अनुशासित गेंदबाजी आक्रमण के सामने गति बनाए रखने में संघर्ष करना पड़ा। विवेक तिवारी (15 गेंदों पर 15 रन) और नीरज धीमान (12 गेंदों पर 16 रन) ने कुछ प्रतिरोध दिखाया लेकिन वे बड़ी साझेदारी बनाने में विफल रहे।

भारत अगले साल नवंबर में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की करेगा मेजबानी

नई दिल्ली। भारत अगले साल नवंबर में विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल की मेजबानी करने के लिए तैयार है, जो अलग हुई विश्व मुक्केबाजी (डब्ल्यूबी) संस्था के प्रति उसके समर्थन की पुष्टि करता है। पिछली बार बीएफआई ने 2023 में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) की महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप की मेजबानी की थी। इस टूर्नामेंट की तारीखों की घोषणा अगले साल जनवरी में होगी जबकि साल का पहला विश्व मुक्केबाजी कप मार्च में ब्राजील में आयोजित किया जाएगा। इसके बाद जर्मनी, कजाकिस्तान और भारत में प्रतियोगिताएं होंगी। इसके अलावा भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) तीसरी विश्व मुक्केबाजी कांग्रेस की भी मेजबानी करेगा जिसमें अध्यक्ष पद और कार्यकारी बोर्ड के चुनाव होंगे। इस साल की शुरुआत में नए शासी निकाय में शामिल होने का विकल्प चुनने के बाद यह टूर्नामेंट बीएफआई की मेजबानी में पहला अंतरराष्ट्रीय आयोजन होगा। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि ऐसे प्रतिष्ठित आयोजनों की मेजबानी के लिए विश्व मुक्केबाजी द्वारा मान्यता मिलना भारत के लिए गर्व की बात है।

टिम साउथी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास, मैकुलम ने की उनके लंबे करियर की सराहना

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी और इंग्लैंड के वर्तमान मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने अपने 16 साल के टेस्ट करियर का अंत करने वाले तेज गेंदबाज टिम साउथी के लंबे करियर की प्रशंसा की। साउथी ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद लाल गेंद के प्रारूप से संन्यास लेने की घोषणा पहले ही कर दी थी। अनुभवी दाएं हाथ के गेंदबाज ने अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत किया, क्योंकि न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को सिर्फ 234 रनों पर आउट कर तीसरे टेस्ट में 423 रनों की विशाल जीत हासिल की। साउथी के लिए यह एक पूर्ण-चक्र वाला क्षण था, जब उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क में अपने टेस्ट करियर का शानदार अंत किया। उन्होंने इंग्लैंड के ही खिलाफ इस प्रारूप में अपना पहला मैच खेला था। मैकुलम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) द्वारा उनके सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, टिम, मेरे अच्छे दोस्तों में से एक है, वास्तव में बहुत करीबी दोस्त है। वह उन लोगों में से एक है जिसके साथ आप समय बिताना पसंद करते हैं। आप उसे कभी भी किसी भी स्थिति से बाहर नहीं कर सकते। वह बस अपना सिर नीचे रखता है और कड़ी मेहनत करता है और इसलिए सफलता उसके पास आती है।

तीसरी राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का हुआ रंगारंग शुभारंभ

नयी दिल्ली। तीसरी राष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप का ताल कटोरा स्टेडियम में रंगारंग शुभारम्भ हुआ। नेशनल कराटे फेडरेशन और फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पेफी) द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप में 20 राज्यों के एक हजार से अधिक कराटे खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। चैंपियनशिप में विभिन्न आयु वर्गों में, बालक और बालिका दोनों श्रेणियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इसके जरिए कराटे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का एक शानदार अवसर भी प्रदान किया जा रहा है।आज यहां इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. राकेश मिश्रा ने कहा, कराटे केवल एक खेल नहीं है, यह जीवन जीने की एक कला है। यह शारीरिक और मानसिक विकास का एक सशक्त माध्यम है। आज यह जापानी मार्शल आर्ट के रूप में जाना जाता है, लेकिन इसकी जड़ें भारत की प्राचीन मार्शल आर्ट 'कलारीपयट्टू' में हैं। हमें कराटे और अन्य मार्शल आर्ट्स को बढ़ावा देना चाहिए। खिलाड़ियों को अपनी पूरी मेहनत और लगन से प्रदर्शन करना चाहिए और परिणाम की चिंता नहीं करनी चाहिए।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी: बारिश ने ड्रा कराया ब्रिसबेन टेस्ट

एजेंसी

ब्रिसबेन। लगातार रुक रुक कर हो रही बारिश के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने दूसरी पारी 89/7 पर पारी घोषित करने और भारत को 275 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के लिए आमंत्रित किया। जवाब में भारतीय टीम बिना किसी नुकसान के 8 रन बना लिये थे तभी बारिश शुरु हो गई। काफी देर इंतजार करने के बाद जब बारिश नहीं रुकी तो मैच को समाप्त घोषित कर दिया गया, परिणाम स्वरूप मैच ड्रा हो गया और पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर है। दोनों टीमों के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट मैच,4 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। जिसके जवाब में भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 185 रन की बढ़त मिली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी 7 विकेट पर 89 रन बनाकर घोषित की

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही और केवल 33 रनों पर उस्मान ख्वाजा (08), मार्नस लाबुशेन (01), नाथन मेकस्विनी (04) मिचेल मॉर्श (02) और स्टीव स्मिथ (04) पवेलियन लौट गए।

यहां से ट्रैविस हेड और एलेक्स कैरी ने ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 50 के पार पहुंचाया। 60 के कुल स्कोर पर सिराज ने हेड (17) को आउट कर भारत को छठी सफलता दिलाई। पैट कमिंस ने 10 गेंदों पर 20 रनों की तेज पारी खेली। 85 के कुल स्कोर पर बुमराह ने उन्हें आउट कर ऑस्ट्रेलिया को सातवां झटका दिया। बुमराह का यह ओवर समाप्त होने पर ऑस्ट्रेलिया ने 89 के कुल स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 3, मोहम्मद सिराज और आकाशदीप ने 2-2 विकेट लिए।

भारत ने अपनी पहली पारी में 260 रन बनाए

इससे पहले आज पांचवें दिन आज भारत ने अपने कल के स्कोर 252 रन पर 9 विकेट से आगे खेलना शुरु किया। भारतीय आखिरी जोड़ी आकाशदीप और जसप्रीत बुमराह कल के स्कोर में 8 रन और जोड़ी 260 के कुल स्कोर पर ट्रैविस हेड की गेंद पर आकाशदीप स्टंप आउट हुए। आकाशदीप ने महत्वपूर्ण 31 रन बनाए, वहीं बुमराह 10 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत के लिए केएल राहुल (84) और रवींद्र जडेजा (77) ने भी बेहतरीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं। राहुल ने 84 और जडेजा ने 77 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 4, मिचेल स्टॉर्क ने 3, जोश हेजलवुड, नाथन लियोन और ट्रैविस हेड ने 1-1 विकेट लिया।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 445 रन, हेड और स्मिथ का शतक

इससे पहले ट्रैविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने यहां गाबा के मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में अपनी पहला पारी में 445 रन बनाए। हेड ने 152 और स्मिथ ने 101 रनों की बेहतरीन शतकीय पारी खेली। इन दोनों के अलावा एलेक्स कैरी ने अरधशतक लगाते हुए 70 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 6, मोहम्मद सिराज ने दो और आकाशदीप, नीतीश रेड्डी ने 1-1 विकेट लिए।

विनिसियस जूनियर ने जीता सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। विनीसियस जूनियर ने सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार जीता और 2016 में इसकी स्थापना के बाद से ऐसा करने वाले पहले ब्राजीलियाई बन गए। कतर के दोहा में एस्पायर अकादमी में उन्हें विजेता घोषित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद उन्होंने कहा, मैं साओ गोंकालो की गलियों में नंगे पांव खेलने वाला बच्चा था। मैं ऐसे कई बच्चों के लिए आदर्श हूँ जो सोचते हैं कि सब कुछ असंभव है और वे यहाँ तक नहीं पहुँच सकते। 2023-24 सीज़न में, उन्होंने रियल मैड्रिड के लिए सभी प्रतियोगिताओं में 39 मैचों में 24 गोल किए, जिसके साथ उन्होंने ला लीगा, यूईएफए चैंपियंस लीग और सुपरकोपा डी एस्पाना जीता। उन्होंने चिर प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना के खिलाफ़ सुपरकोपा फ़ाइनल में हैट्रिक बनाई। 2024 बैलन डी%ओर विजेता रॉड्री (43 अंक - मैनचेस्टर सिटी और स्पेन) और साथी टीम के साथी जूड बेलिंगहैम (37 अंक - रियल मैड्रिड और इंग्लैंड) से आगे, विनीसियस 48 अंकों के साथ वोट चार्ट में शीर्ष पर रहे। वह क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लुका मोड्रिक के बाद इस समारोह के इस प्रारूप में सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी के

लिए फीफा का पुरस्कार जीतने वाले तीसरे रियल मैड्रिड खिलाड़ी हैं, जिसकी शुरुआत 2016 में हुई थी। जहां रोनाल्डो ने पहले दो संस्करणों में जीत हासिल की थी, वहीं मोड्रिक ने 2018 में जीत हासिल की थी।

ईडन गार्डन्स में दो महान हस्तियों के नाम पर स्टैंड्स का नामकरण

एजेंसी

कोलकाता। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (सीएबी) ने ईडन गार्डन्स के दो दर्शक स्टैंड्स का नामकरण दो महान हस्तियों के नाम पर करने की घोषणा की। यह स्टैंड्स भारतीय सेना के वीर अधिकारी कर्नल एन.जे. नायर और भारत की पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी झूलन गोस्वामी के नाम पर रखे गए हैं। यह सम्मान इन दोनों के अपने-अपने क्षेत्रों में असाधारण योगदान और उपलब्धियों को सलाम करने के लिए दिया गया है।कर्नल एन.जे. नायर, जिन्हें 'एनजे' के नाम से जाना जाता है, भारतीय सेना के एक उत्कृष्ट अधिकारी थे। वे अकेले ऐसे सैनिक थे जिन्हें भारत के सर्वोच्च वीरता पुरस्कार अशोक चक्र और दूसरे सर्वोच्च पुरस्कार कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया। कर्नल नायर की वीरता और राष्ट्र सेवा को यह सम्मान देकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। झूलन गोस्वामी ने भारतीय क्रिकेट टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में

12 टेस्ट मैचों में 44 विकेट, 204 एकदिवसीय मैचों में 255 विकेट (जो विश्व रिकॉर्ड है) और 68 टी-20 मैचों में 56 विकेट झटके। क्रिकेट के क्षेत्र में उनकी इन उपलब्धियों के लिए उन्हें यह सम्मान दिया गया। सीएबी अध्यक्ष स्नेहाशीष गांगुली ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व का क्षण है कि हम इन दो महान हस्तियों, कर्नल एन.जे. नायर और झूलन गोस्वामी, को सम्मानित कर रहे हैं। यह शाम हम सभी के लिए उनके साहस और उपलब्धियों को सलाम करने का एक मौका है।

झूलन गोस्वामी ने इस सम्मान को अपने जीवन का विशेष क्षण बताया। उन्होंने कहा कि मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे नाम पर स्टैंड का नाम रखा जाएगा। भारतीय टीम के लिए खेलना मेरा सौभाग्य था, लेकिन यह सम्मान मेरे लिए बहुत खास है। उन्होंने सीएबी अध्यक्ष और अपने पूरे क्रिकेट करियर में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में कर्नल नायर के बेटे, शिवन जे. नायर, को भी सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं सीएबी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मेरे पिता को यह सम्मान दिया।

कुछ साल पहले मानसिक स्वास्थ्य के कारण टेनिस से ब्रेक लेने के बारे में सोचा था : राफेल नडाल

एजेंसी

नई दिल्ली। राफेल नडाल ने कुछ साल पहले टेनिस से मानसिक स्वास्थ्य के कारण ब्रेक लेने के बारे में सोचा था। 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने एक ऑनलाइन पोस्ट के जरिए उक्त खुलासा किया। नडाल ने द प्लेयर्स ट्रिब्यून पर कहा, शारीरिक दर्द से मैं बहुत अभ्यस्त था, लेकिन कोर्ट पर ऐसे समय भी आए जब मुझे अपनी सांसों को नियंत्रित करने में परेशानी हुई और मैं उच्चतम स्तर पर नहीं खेल पाया। मुझे अब यह कहने में कोई परेशानी नहीं है। आखिरकार, हम इंसान हैं, सुपरहीरो नहीं। शुक्र है, मैं चिंता जैसी चीजों को नियंत्रित करने में असमर्थ होने की स्थिति में नहीं पहुंचा, लेकिन हर खिलाड़ी के साथ ऐसे क्षण आते हैं जब अपने दिमाग को नियंत्रित करना मुश्किल होता है और जब ऐसा होता है तो अपने खेल पर पूरा नियंत्रण रखना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा, ऐसे कई महीने थे जब मैंने अपने दिमाग को साफ करने के लिए टेनिस से पूरी तरह से ब्रेक लेने के बारे में सोचा। अंत में, मैंने बेहतर होने के लिए हर दिन इस पर काम किया।38 वर्षीय नडाल ने नवंबर में स्पेन के लिए डेविस कप खेलने के बाद संन्यास ले

लिया था। इससे पहले दो सत्र चोटों से भरे रहे थे, जिसके कारण वे बहुत कम ही प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले पाए थे। पोस्ट में उन्होंने अपने बाएं पैर में पुराने दर्द के बारे में लिखा, जो पहली बार तब सामने आया जब वह 17 साल के थे और कहा कि तब उन्हें बताया गया था कि वह शायद फिर कभी पेशेवर टेनिस नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, मैंने घर पर कई दिन रोते हुए बिताए, लेकिन यह विनम्रता का एक बड़ा सबक था, और मैं भाग्यशाली था कि मेरे पास एक पिता थे - मेरे जीवन में उनका वास्तविक प्रभाव - जो हमेशा बहुत सकारात्मक थे। नडाल ने फ्रेंच ओपन में रिकॉर्ड 14 चैंपियनशिप जीतीं। उन्होंने मैचों से पहले घबराहट और अपने करियर के कुछ मुख्य अंशों का उल्लेख किया, और कहा, मुझे उम्मीद है कि मेरी विरासत यह होगी कि मैंने हमेशा दूसरों के साथ गहरे सम्मान के साथ व्यवहार करने की कोशिश की। यह मेरे माता-पिता का सुनहरा नियम था।

भारतीय अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

ब्रिसबेन। भारतीय अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के तीसरे टेस्ट के समापन के बाद तत्काल प्रभाव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। ब्रिसबेन टेस्ट के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अश्विन ने कहा, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सभी प्रारूपों में भारतीय क्रिकेटर के रूप में मेरा आखिरी साल होगा। मुझे लगता है कि एक क्रिकेटर के रूप में मुझमें अभी भी कुछ दमखम बाकी है, लेकिन मैं इसे व्यक्त करना चाहता हूं, क्लब स्तर के क्रिकेट में इसका प्रदर्शन करना चाहता हूं।उन्होंने कहा, मैंने खूब मौज-मस्ती की। मैंने रोहित [शर्मा] और अपने कई साथियों के साथ बहुत सारी यादें बनाई हैं, भले ही हमने पिछले कुछ सालों में उनमें से कुछ को [रिटायरमेंट के कारण] खो

दिया हो। हम ओ.जी. के आखिरी समूह हैं, हम ऐसा कह सकते हैं। मैं इसे इस स्तर पर खेलने की अपनी तारीख के रूप में चिह्नित करूंगा। जाहिर है कि बहुत से लोगों को धन्यवाद देना है, लेकिन अगर मैं बीसीसीआई और साथी टीम के साथियों को धन्यवाद नहीं देता तो मैं अपने कर्तव्यों में विफल हो जाऊंगा।

अश्विन ने 106 टेस्ट में 24 की औसत से 537 विकेट लेकर भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में अपना टेस्ट करियर समाप्त किया, जो केवल अनिल कुंबले से पीछे है, जिन्होंने 132 टेस्ट में 619 विकेट लिए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में चल रही सीरीज़ के पहले तीन टेस्ट में से सिर्फ़ एक खेला, एडिलेड में दिन-रात के मुक़ाबले में उन्होंने 53 रन देकर 1 विकेट लिया। पिछली सीरीज़ में, न्यूज़ीलैंड के खिलाफ़ घरेलू मैदान पर 3-0 की हार में, अश्विन ने 41.22 की औसत से सिर्फ़ नौ विकेट लिए थे। भारत के विदेशी मुक़ाबलों में नियमित रूप से द्वन्द्व में शामिल न होने और उनकी अगली टेस्ट सीरीज़ इंग्लैंड के विदेशी दौरे पर होने के कारण, भारत के अगले घरेलू सीज़न तक अश्विन 39 साल के हो जाएँगे। अपने विकेटों के अलावा, अश्विन ने छह शतकों और 14 अर्द्धशतकों के साथ 3503 टेस्ट रन भी बनाए, जिसमें छह शतक और 14 अर्द्धशतक शामिल हैं। वह एक ही टेस्ट में सबसे अधिक बार (4) शतक और पांच विकेट लेने का भारतीय रिकॉर्ड रखते हैं, जो केवल इयान बॉथम (5) से पीछे है। वह 3000 से ज़्यादा रन और 300 विकेट लेने वाले 11 ऑलराउंडरों में से एक बन गए। उन्होंने मुथैया मुरलीधरन के बराबर रिकॉर्ड 11 प्लेयर-ऑफ़-द-सीरीज़ पुरस्कार भी जीते।

आईसीसी ने मैच रेफरी रिची रिचर्डसन को 100 एकदिनी मैचों की उपलब्धि पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मैच रेफरी के रूप में 100 पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग करने के लिए रिची रिचर्डसन को बधाई दी है। एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के सदस्य रिचर्डसन पार्ल में दक्षिण अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच पहले एकदिनी मुकाबले में इस उपलब्धि पर पहुंचे वेस्टइंडीज के 62 वर्षीय पूर्व कप्तान रिची रिचर्डसन ने फरवरी 2016 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद से 52 टेस्ट, 106 टी20, आठ महिला वनडे और 15 महिला टी20 में भी अंपायरिंग की है।आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक (अंपायर और रेफरी) सीन इजी ने कहा कि हाल के महीनों में रिची के लिए यह तीसरा मील का पत्थर है। रिची उन सभी सम्मानों के हकदार हैं जो उन्हें मिल रहा है। उन्होंने कहा कि आईसीसी की ओर से मैं रिची को उनके 100वें एकदिवसीय के लिए शुभकामनाएं देता हूं और आने वाले वर्षों में उन्हें और अधिक प्रशंसा मिलने की कामना करता हूं। सीन इजी ने आगे कहा कि रिची ने एक खिलाड़ी और टीम मैनेजर के रूप में अपने अनुभव का उपयोग आईसीसी मैच रेफरी के रूप में अपनी भूमिका में किया है। उन्होंने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अत्यधिक संयम के साथ कार्य किया है और हितधारकों का सम्मान अर्जित किया है। हम भाग्यशाली हैं कि वह हमारे एलीट पैनल में हैं। वहीं, उपलब्धि पर रिची रिचर्डसन ने कहा कि 100 एकदिवसीय मैचों तक पहुंचना विशेष है क्योंकि यह अवसर मेरे 100 टी20 और 50 टेस्ट मैचों तक पहुंचने के तुरंत बाद आया है।

स्कॉट बोर्थविक की जगह डरहम के कप्तान बने एलेक्स लीस

एजेंसी

डरहम। एलेक्स लीस को डरहम क्रिकेट क्लब का कप्तान नियुक्त किया गया है और उन्होंने अनुबंध विस्तार पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वह कम से कम अगले तीन सत्रों तक क्लब में बने रहेंगे। 2022 में इंग्लैंड के लिए 10 टेस्ट खेलने वाले लीस ने पिछले सीजन में डरहम को टी20 ब्लास्ट क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था और पिछले दो वर्षों से उनकी व्हाइट-बॉल टीमों का नेतृत्व कर रहे हैं। अब वह काउंटी चैंपियनशिप में भी स्कॉट बोर्थविक की जगह लेंगे, जो अपने करियर के अंत के करीब पहुंचने के साथ ही खिलाड़ी-कोच की भूमिका में आ रहे हैं। हैलिफ़ैक्स में जन्मे लीस को भविष्य में टेस्ट में नियमित खिलाड़ी माना जा रहा था, जब उन्होंने यॉर्कशायर में 22 साल की उम्र में टी20 टीम की कप्तानी की थी। लेकिन जेसन गिलेस्पी के कोच पद से हटने और 2018 में डरहम में जाने के बाद उन्हें फॉर्म में संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कैरिबियन में अपनी पहली सीरीज़ में इतना अच्छा प्रदर्शन किया कि उन्हें बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में इंग्लैंड के पहले घरेलू समर के लिए बरकरार रखा गया, लेकिन अंततः 19 पारियों में दो अर्द्धशतक और 23.84 की औसत के रिकॉर्ड के साथ उन्हें बाहर कर दिया गया। वह तब से डरहम के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, पिछले दो सीज़न में नौ चैंपियनशिप शतक बनाए हैं।लीस ने क्लब के एक बयान में कहा, डरहम में नए पुरुष क्लब कप्तान के रूप में नामित होने पर मुझे खुशी है। उत्तर पूर्व में जाना मेरे लिए अच्छा रहा है, इसलिए अब मुझे डरहम की कप्तानी करने का अवसर मिलना मेरे लिए सौभाग्य और सम्मान की बात है। मेरा मानना है कि इस टीम में आगे बढ़ने और ट्रॉफी जीतने की क्षमता है। हमारे पास यहाँ बहुत से बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यही बात मुझे सबसे ज़्यादा उत्साहित करती है। मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसे खिलाड़ियों का समूह है जो वास्तव में चुनौती दे सकते हैं और कुछ जीतने की कोशिश कर सकते हैं। डरहम की कप्तानी करने का यह अवसर मुझे रेड-बॉल टीम पर कुछ वास्तविक ध्यान केंद्रित करने का अवसर देता है, जो हमने पिछले कुछ वर्षों में बनाई है।

डरहम के क्रिकेट निदेशक मार्कस नॉर्थ ने कहा कि वह खुश हैं कि लीस ने अपने अनुबंध के विस्तार पर हस्ताक्षर करने पर सहमति व्यक्त की है, जो 2025 सत्र के अंत में समाप्त होने वाला था। उन्होंने कहा, एलेक्स का क्लब के प्रति समर्पण, जुनून और महत्वाकांक्षाएं 2018 में उनके आगमन के बाद से ही स्पष्ट हैं।

मैथ्यूज की तूफानी बल्लेबाजी के आगे टीम इंडिया पस्त, वेस्टइंडीज ने 9 विकेट से जीता दूसरा टी20 मैच

एजेंसी

मुंबई। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने 3 मैचों की टी20 श्रृंखला का दूसरा मुकाबला नौ विकेट से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही मेहमान टीम ने श्रृखंला में 1-1 से बराबरी कर ली है। मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली कैरेबियाई टीम की कप्तान हीली मैथ्यूज को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने गेंदबाजी करते हुए दो विकेट चटकाए और बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में 85 रन की तेजतर्रार नाबाद पारी खेली। मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 मैच में भारत की ओर से मिले 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की महिला क्रिकेट टीम जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 16 ओवर में 10 के रनगति से स्कोर करते हुए एक विकेट खोकर 160 रन के लक्ष्य को हासिल कर लिया। कप्तान हीली मैथ्यूज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए सबसे अधिक नाबाद 85 रनों की पारी खेली। जबकि क्यूना जोसेफ ने 38 रन और शेमिना कैम्बेल ने नाबाद 29 रन बनाए। भारत की ओर से साइमा ठाकोर ही एकमात्र विकेट लेने में सफल रहीं।

इससे पहले, टॉस हारककर बल्ललेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। भारत के लिए सलामी बलल्लेबाजी स्मृति मंधाना में सर्वाधिक 62 रन बनाए। वहीं, रिचा घोष ने 32 रन, दीप्ति शर्मा ने 17 और जेमिमा रोड्रिग्स ने 13 रन का योगदान दिया। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। वेस्टइंडीज की तरफ से चिनेल हेनरी, डिआंड्रा डॉटिन, हेले मैथ्यूज और अफ़ी फ्लेचर ने दो-दो विकेट चटकाए।

आधिकारिक तौर पर न्यूजीलैंड के पूर्णकालिक सफेद गेंद कप्तान बने मिशेल सेंटनर

एजेंसी

वेलिंगटन। मिशेल सेंटनर को आधिकारिक तौर पर न्यूजीलैंड की व्हाइट-बॉल टीमों का कप्तान नियुक्त किया गया है। वह केन विलियमसन की जगह पूर्णकालिक पदभार संभालेंगे, जिन्होंने यूएसए और वेस्टइंडीज में टी20 विश्व कप से ब्लैक कैप्स के जल्दी बाहर होने के बाद पद छोड़ दिया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने बुधवार को उक्त घोषणा की।

सेंटनर, जो दो व्हाइट-बॉल प्रारूपों में 100 से अधिक बार देश का प्रतिनिधित्व करने वाले केवल चार खिलाड़ियों में से एक हैं, पहले ही 24 टी20आई और 4 वनडे मैचों में टीम का नेतृत्व कर चुके हैं, जिसमें पिछले महीने श्रीलंका में टीम का आखिरी असाइनमेंट भी शामिल है।पूर्णकालिक कप्तान के रूप में उनका कार्यकाल दिसंबर के अंत और जनवरी की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ टी20आई और वनडे सीरीज से शुरू होगा। इन दो सीरीज से न्यूजीलैंड के लिए सफेद गेंद वाले क्रिकेट का एक

बड़ा दौर शुरू होगा, जिसमें फरवरी में पाकिस्तान में एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज, उसके बाद आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और घरेलू समर के समापन के लिए पाकिस्तान के खिलाफ घरेलू टी20आई और वनडे सीरीज शामिल है।सेंटनर ने एनजेडसी के हवाले से कहा, यह स्पष्ट रूप से एक बड़ा सम्मान और विशेषाधिकार है जब आप छोटे बच्चे होते हैं तो हमेशा न्यूजीलैंड के लिए खेलने का सपना होता है, लेकिन दो प्रारूपों में आधिकारिक तौर पर अपने देश का नेतृत्व करने का अवसर मिलना विशेष है। यह एक नई चुनौती है और मैं सफेद गेंद क्रिकेट के महत्वपूर्ण दौर में शामिल होने के लिए उत्साहित हूं जो हमारे सामने है। जाहिर है कि हमारे कुछ अनुभवी खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम चरण में हैं और उनके पास थोड़ा बदलाव है। मुझे लगता है कि समूह के बाकी खिलाड़ियों और युवा खिलाड़ियों के लिए यह रोमांचक है कि वे अब चुनौती स्वीकार करें और इस टीम को और सफलता की ओर ले जाएं।

हरियाणा स्टीलर्स को हराकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचे यूपी योद्धाज

एजेंसी

पुणे। के शानदार खेल की बदौलत यूपी योद्धाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में मंगलवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के सीजन के 117वें मैच में हरियाणा स्टालर्स को 31-24 के स्कोर से हराकर अंक तालिका में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। यूपी की टीम सात मैचों से अपराजित है।यूपी ने 20 मैचो में 11वीं जीत हासिल की जबकि पहले ही प्लेआफ का टिकट कटा चुके हरियाणा को 21 मैचों में छठी हार मिली। यूपी पर जीत हरियाणा को सीधे सेमीफाइनल में पहुंचा सकती थी लेकिन हरियाणा कोई खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं कर सका। विनय और विशाल ने 6-6 अंक लिए जबकि शादलू को चार टैकल प्वांट्स मिले।

हरियाणा मनमाफिक शुरुआत के साथ तीन मिनट में ही 4-0 से आगे हो गया था। इसमें विनय के तीन अंक शामिल थे। इसके बाद भवानी ने साहिल को लपक यूपी का खाता खोला। और फिर यूपी ने जल्द ही स्कोर बराबर करते हुए हरियाणा को सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। लेकिन जयदीप ने भवानी को लपक 10 मिनट की समाप्ति तक स्कोर 6-5 कर दिया। ब्रेक के बाद हरियाणा को 1 के मुकाबले दो अंक मिले लेकिन उसके लिए सुपर टैकल आन था।

शिवम ने हालांकि साहुल को आउट कर उसे इस स्थिति से निकाल दिया। फिर डू ओर डाई रेड पर भरत का शिकार कर शादलू ने स्कोर 10-6 कर दिया। सुमित ने हालांकि इसी तरह की रेड पर साहिल को लपक हिसाब बराबर किया। इस बीच एक नाटकीय परिवर्तन हुआ। भवानी ने सुपर रेड के साथ हरियाणा को आलआउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देकर यूपी ने 13-11 की लीड ले ली। आलइन के बाद आशू ने शिवम का शिकार किया और फिर भरत ने जयदीप को बाहर कर दिया। यूपी ने 15-13 के स्कोर पर पाला बदला। हाफटाइम के बाद दोनो टीमों को डू ओर डाई रेड पर अंक मिले। इसके बाद भरत और भवानी ने दो और अंक दिला 18-14 स्कोर पर हरियाणा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर गगन ने विशाल को आउट हरियाणा को आलआउट की ओर धकेला और भवानी ने अगली रेड पर दो शिकार के साथ अपनी टीम को 23-14 से आगे कर दिया। 30 मिनट के बाद स्कोर 24-16 से यूपी के पक्ष में था। हरियाणा वापसी की फिराक में था लेकिन इस बीच भवानी ने शादलू और राहुल को बाहर कर सुपर-10 पूरा किया। अगली रेड पर भवानी ने मनी को भी बाहर कर फासला 10 का कर दिया। हालांकि रिवाइव होकर आए शादलू ने भरत को आउट किया लेकिन अगली रेड पर वह खुद लपके गए। इसके बाद हरियाणा ने लगातार दो अंकों के साथ स्कोर 21-28 कर दिया लेकिन अपने नौवें टैकल प्वाइंट के साथ यूपी ने फिर 9 की लीड ली, जिसे गगन ने 10 का कर दिया। अब सिर्फ सवा दो मिनट बचे थे। अब हरियाणा की राह मुश्किल हो गई थी और अंततः मनप्रीत सिंह की टीम को हार स्वीकार करनी पड़ी।

मां बनने के बाद काम पर लौटीं

राधिका आप्टे

बेबी को ब्रेस्टफीड करते हुए की मीटिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस राधिका आप्टे ने हाल ही में एक नन्ही परी को जन्म दिया है। उन्होंने अपने बेबी की तस्वीर भी अपने फैंस के साथ शेयर की है। राधिका ने बेटी को जन्म देने के एक हफ्ते बाद अपने फैंस के साथ तस्वीर शेयर करते हुए उन्हें गुडन्यूज दी है। राधिका आप्टे बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल में अपने बेबी बंप को फ्लॉन्ट करती नजर आई थीं। राधिका के बेबी बंप को देख उनके फैंस हैरान रह गए थे। अब राधिका ने अपने बेबी की पहली झलक दिखाई है।

राधिका ने शेयर की अपने बेबी की पहली तस्वीर

राधिका आप्टे ने अपनी नन्ही परी की जो तस्वीर शेयर की है उसमें वो बेटी को ब्रेस्टफीड कराती नजर आ रही हैं। बेटी के जन्म के एक हफ्ते बाद ही राधिका आप्टे काम पर लौट आई हैं। उन्होंने फोटो को शेयर करते हुए लिखा- जन्म के बाद पहली मीटिंग अपने एक सप्ताह के बच्चे के साथ। उन्होंने हैशटैग ब्रेस्टफीडिंग, मदर्स एट वर्क, इट्स अ गर्ल लिखा।

राधिका आप्टे को दोस्तों ने दी बधाई

राधिका आप्टे के इस पोस्ट पर फैंस और उनके दोस्तों ने कमेंट्स किए हैं। कोंकणा सेन शर्मा ने राधिका के पोस्ट पर कमेंट करते हुए उन्हें बधाई दी है। विजय वर्मा, दिव्येंदु शर्मा, राजीव मसंद, ईशा तलवार और जोया अख्तर जैसे कलाकारों ने भी राधिका को बधाई दी है।

साल 2012 में बेनेडिक्ट टेलर संग राधिका ने रचाई थी शादी

राधिका आप्टे ने साल 2012 में बेनेडिक्ट टेलर के साथ शादी रचाई थी। अब शादी के 12 साल राधिका एक बच्ची की मां बनी हैं। राधिका आप्टे के काम की बात करें तो उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2005 में फिल्म वाह लाइफ हो तो ऐसी से से की थी। हालांकि, फिल्म में उनका रोल काफी छोटा था।

फॉर्मर प्रोटेस्ट के बीच

गुरु रंधावा

ने सरकार से अपील में किया ट्वीट, ट्रोल बोला- पैसे मिल गए या...?

गुरु रंधावा शंभू और खनौरी बॉर्डर पर हो रहे किसान प्रोटेस्ट पर कई ट्वीट्स कर चुके हैं। उनके एक ट्वीट पर शख्स ने ट्रोल करते हुए नेगेटिव कमेंट लिखा जिसका गुरु ने काफी शालीनता से जवाब दिया है। गुरु ने भारतीय सरकार से रिक्वेस्ट की है कि शांति से बैठकर एक बार किसानों की बात सुन लें। इस पर

कई तरह के कमेंट्स दिख रहे हैं।

गुरु ने किया था ये ट्वीट

गुरु रंधावा ने ट्वीट किया था, किसान हमारे देश के हर घर को खाना देते हैं। उनकी आवाज सुनी जानी चाहिए। सरकार के अधिकारियों से दरख्वास्त करता हूं कि प्लीज किसानों के साथ बैठकर उनसे बात कर लें।

मैं किसान परिवार से हूं

गुरु के ट्वीट पर एक शख्स ने कमेंट किया है, पैसे मिल गए या धमकी? इस पर गुरु ने जवाब दिया है, मैं खुद किसान परिवार से हूं मेरे भाई, दोनों में से कुछ नहीं मिला।

सिर्फ रिक्वेस्ट कर रहा हूं एक भारतीय के नाते। खुश रहो। पता नहीं लग रहा है क्या हो रहा है हमारे देश में, कुछ भी लिखो नफरत तो मिलनी ही है। खुश रहो भाई।

किया ये भी पोस्ट

एक और पोस्ट में गुरु ने लिखा है, एक साथ होकर अपने देश को सपोर्ट करते हैं। मेरी मिट्टी, मेरा देश दुनिया का बेस्ट देश है।

राजेश खन्ना के साथ ये दो फिल्म शूट करते वक्त प्रेग्नेंट थीं शर्मिला, बोलीं- हम साथ में...

शर्मिला टैगोर और राजेश खन्ना बॉलीवुड की आइकॉनिक जोड़ी मानी जाती है। शर्मिला और राजेश खन्ना ने कई फिल्मों में साथ काम किया। इनकी जोड़ी फैंस को खूब पसंद थी। अब हाल ही में एक इंटरव्यू में शर्मिला टैगोर ने राजेश खन्ना के साथ अपनी ऑनस्क्रीन केमेस्ट्री को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि राजेश खन्ना के साथ की गई दो आइकॉनिक फिल्मों के दौरान शर्मिला प्रेग्नेंट थीं। इसी के साथ उन्होंने बताया कि राजेश खन्ना के साथ शूट करते वक्त उन्हें क्या दिक्कत होती थी।

दो आइकॉनिक फिल्मों के वक्त प्रेग्नेंट थीं शर्मिला टैगोर

द फ्री प्रेस जर्नल के साथ खास बातचीत में शर्मिला टैगोर ने बताया कि जब वो राजेश खन्ना के साथ फिल्म अराधना शूट कर रही थीं। उस वक्त वो प्रेग्नेंट थीं। वो तब सैफ अली खान को जन्म देने वाली थीं। उन्होंने कहा, काका और मैनें कई फिल्में साथ में की हैं। हम साथ में अच्छे से काम करते थे। अराधना के वक्त मैं सैफ के साथ प्रेग्नेंट थीं। वहीं, छोटी बहू के वक्त उनके पेट में सोहा अली खान थीं।

सेट पर टाइम से नहीं आते थे राजेश खन्ना

राजेश खन्ना के साथ काम करने पर शर्मिला टैगोर ने कहा, काका और मेरे बीच दो बड़ी समस्याएं थीं। वो सेट पर बहुत देरी से आते थे और कैमरे पर हमारी बेस्ट प्रोफाइल सेम ही थीं। तो हम जब भी एक फ्रेम होते थे तो कोशिश करते थे की कैमरामैन हमारी राइट प्रोफाइल शूट करे।

इन फिल्मों में राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर साथ आए नजर

राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर की फिल्म अराधना साल 1969 में रिलीज हुई थी। वहीं, फिल्म छोटी बहू साल 1971 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। इसके अलावा राजेश खन्ना और शर्मिला टैगोर सफर (1970) और दाग (1973) जैसी फिल्मों में भी साथ नजर आए थे।

राजकुमार राव करने वाले थे यह खास किरदार, इसी फिल्म से बदली विकी कौशल की किस्मत

बॉलीवुड फिल्मों में कई बार चीजें इतनी नाटकीय ढंग से होती हैं कि असल कहानी भी फिल्मों के ट्विस्ट जैसी ही मालूम देती है। स्टार बन चुके एक्टर विकी कौशल की जिंदगी में इस तरह के ट्विस्ट कई बार आए हैं। कटरीना कैफ से शादी हो या फिर इंडस्ट्री में उनकी शुरुआत, विकी कौशल ने एक-दो नहीं बल्कि कई बार वो ट्विस्ट देखे हैं। क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड एक्टर विकी कौशल की फिल्म %मसान% जिसने उन्हें पहली बार फेम दिलाया, वो असल में राजकुमार राव को मिलने वाली थी। फिल्म में संजय मिश्रा ने जो किरदार निभाया वो दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी करने वाले थे।

जब घूमा विकी की किस्मत का पहिया

कम लोग जानते हैं कि जिस फिल्म ने विकी कौशल की जिंदगी बदल दी, वो असल में राजकुमार राव करने वाले थे। बात इतनी आगे बढ़ चुकी थी कि मेकर्स ने उनके और मनोज बाजपेयी के साथ प्रोमो भी शूट कर लिया था। लेकिन फिर किस्मत का पहिया ऐसा घूमा कि चीजें बड़े जादुई ढंग से विकी कौशल के पक्ष में आनी शुरू हो गईं। विकी कौशल ने खुद यह किस्सा एक इंटरव्यू में बताया था कि कैसे वो फिल्म उन्हें आखिरी वक्त पर ऑडिशन के बाद मिली थी क्योंकि राजकुमार राव के साथ बात नहीं बन रही थी।

राजकुमार राव को मिलना था वह रोल

विकी कौशल ने अपने एक इंटरव्यू में बताया, तब इस फिल्म का नाम सांड़ सीड़ी सन्यासी था। विकी कौशल ने बताया कि बनारस को असल में इन चार-पांच चीजों के लिए ही जाना जाता है। बनारस में यह चीजें खूब मिलती हैं। राजकुमार राव ने वह रोल करने वाले थे जो मैंने किया था। संजय मिश्रा जी का रोल मनोज बाजपेयी जी करने वाले थे। उन्होंने राजकुमार राव को बुलाकर प्रोमो वीडियो भी शूट कर लिया था। मनोज सर के लिए उन्होंने गैंग्स ऑफ वासेपुर से लुक लेकर फिल्म में डालने की कोशिश की थी। कुछ-कुछ करके उन्होंने प्रोमो तैयार कर दिया था।

अक्टूबर में ही होनी थी फिल्म की शूटिंग

विकी कौशल ने बताया, हमें वो फिल्म अक्टूबर में ही शूट करनी थी जब वहां पर दुर्गा पूजा होती है। बजट इतना कम था कि हम वो माहौल खुद से नहीं बना पाते। अगर वो मिस कर जाते तो उन्हें एक साल और इंतजार करना पड़ता ताकि दुर्गा पूजा आए और फिर से हमें वही माहौल शूटिंग के लिए मिले। मुझे लगता है कि राजकुमार राव की डेट्स क्लैश कर रही थीं और बात बन नहीं रही थी। स्लॉट खाली था और वह अब एक नया एक्टर ढूंढ रहे थे। मैंने ऑडिशन दिया और बात बन गई। तो इस तरह जो फिल्म राजकुमार राव के हिस्से आनी थी, वो विकी कौशल को मिली और इस तरह उनके करियर की ब्रेक थ्रू फिल्म उन्हें मिली।